शर्मा हार्डवेयर
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

# विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 12 | अंक : 261 | गुवाहाटी | मंगलवार, 28 अप्रैल, 2026 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

ईरान ने अमेरिका को होर्मुज खोलने का सशर्त प्रस्ताव भेजा पेज 2
क्राइम ब्रांच ने 59.94 लाख रुपए नकद जब्ती मामले में दक्षिण त्रिपुरा के ... पेज 3
पायलट कही नहीं जाएंगे, वे कांग्रेस में थे, है और रहेंगे : अशोक गहलोत पेज 5
एनगिडी को समय पर अस्पताल पहुंचाने में रही एक पुलिस अधिकारी की अहम भूमिका पेज 7

*यूएस-ईरान युद्ध : मध्यस्थता करने मैदान में उतरा रूस*

## पश्चिम एशिया में शांति के लिए सब कुछ करेंगे : पुतिन

**मॉस्को।** ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने सोमवार को रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मुलाकात की। बैठक में रूस ने ईरान के प्रति खुला समर्थन जताया। रूसी मीडिया के मुताबिक, पुतिन ने कहा कि ईरानी जनता साहस और वीरता के साथ अपनी आजादी और संप्रभुता के लिए लड़ रही है। उन्होंने यह भी कहा कि उन्हें ईरान के सुप्रीम लीडर मुजतबा खामेनेई का संदेश मिला है। अराघची की यह यात्रा ऐसे समय हुई है, जब अमेरिका और ईरान के बीच हालिया बातचीत किसी नतीजे पर नहीं पहुंच सकी। ऐसे में ईरान रूस का समर्थन मजबूत करने में जुटा है। उधर, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प आज अपनी राष्ट्रीय सुरक्षा टीम के साथ अहम बैठक करेंगे। इसमें ईरान के साथ जारी तनाव, रुकी बातचीत और आगे की रणनीति पर चर्चा होगी। अमेरिकी मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, बैठक में ईरान पर दोबारा बमबारी शुरू करने के विकल्प पर भी चर्चा हो सकती है। मालूम हो कि ट्रम्प ने रविवार को ईरान को चेतावनी दी थी। उन्होंने कहा कि उसके पास युद्ध खत्म करने के लिए सीजफायर पर सहमत होने के लिए सिर्फ तीन दिन हैं, नहीं तो उसकी तेल पाइपलाइन में ब्लास्ट हो जाएगा। एक इंटरव्यू में ट्रम्प ने कहा कि अगर ईरान तेल का निर्यात नहीं कर पाता, तो पाइपलाइन में दबाव बढ़ेगा। ऐसा इसलिए होगा क्योंकि तेल को जहाजों या स्टोरेज टैंकों में भेजने का रास्ता बंद है -शेष पृष्ठ दो पर

## 1 मई से एलपीजी सिलिंडर बुकिंग में बड़े बदलाव की तैयारी कर रहा केंद्र

**नई दिल्ली।** मई का महीना आने वाला है, ऐसे में एलपीजी सिलिंडर बुकिंग के नियमों में बदलाव होने की उम्मीद जताई जा रही है। फरवरी के आखिर में शुरू हुए एशिया युद्ध के कारण, वैश्विक ऊर्जा क्षेत्र संकट में है, इससे सप्लाई की कमी, डिलीवरी में देरी और कीमतों में बढ़ोतरी जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। इस स्थिति ने भारत सहित कई देशों को एलपीजी सप्लाई की कमी के संकट से निपटने के लिए महत्वपूर्ण नियम बनाने पर मजबूर कर दिया है। हालांकि, मिडिल ईस्ट में चल रहा संघर्ष अभी भी जारी है, लेकिन मई 2026 में गैस सिलिंडरों से जुड़े कई बदलावों की उम्मीद की जा रही है। रिपोर्टों के अनुसार, इंडियन ऑयल, बीपीसीएल और एचपीसीएल जैसी तेल मार्केटिंग कंपनियां (ओएमसीएस) एलपीजी सिलिंडरों की डिलीवरी से जुड़े नए नियमों पर चर्चा कर रही हैं। मई 2026 में एक घोषणा होने की उम्मीद है, जिससे एलपीजी की मासिक बुकिंग और डिलीवरी प्रक्रिया का मौजूदा परिदृश्य बदल जाएगा। एक बड़ी उम्मीद यह भी जताई जा रही है कि 1 मई, 2026 से पूरे भारत में एलपीजी की कीमतों में संशोधन किया जाएगा। ईरान युद्ध के बाद से, -शेष पृष्ठ दो पर

## एजल निगम चुनाव में जेडपीएम का दबदबा

**एजल।** मिजोरम के 2026 के निगम चुनावों में सत्तारूढ़ जोरम पीपल्स मूवमेंट (जेडपीएम) ने बड़ी जीत दर्ज की। एजल म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन चुनावों में 19 में से 17 वार्ड जीतकर, उन्होंने राज्य की राजधानी में अपना पॉलिटिकल दबदबा मजबूत किया। सोमवार को राज्य चुनाव ऑफिस की तरफ से जारी आखिरी गिनती के मुताबिक, मुख्य विपक्षी पार्टी मिजो नेशनल फ्रंट (एमएनएफ) और कांग्रेस ने एक-एक सीट जीती। बीजेपी चुनाव में अपना खाता भी खोल पाती है। 2026 के एजल नगर निगम (एएमसी) चुनावों में सफल -शेष पृष्ठ दो पर

## प्रधानमंत्री मोदी आज मेघालय में एमसीए की इनडोर क्रिकेट एकेडमी का करेंगे उद्घाटन

**शिलांग (हि.स.)।** मेघालय क्रिकेट एसोसिएशन (एमसीए) की कुरकालंग स्थित इनडोर क्रिकेट एकेडमी का औपचारिक उद्घाटन 28 अप्रैल को किया जाएगा। इसके साथ ही, पूर्वोत्तर के छह राज्यों में इनडोर स्टेडियमों का भी बड़े पैमाने पर विस्तार किया जाएगा। इस कार्यक्रम का नेतृत्व प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सिक्किम से वर्चुअली (ऑनलाइन) करेंगे। यह इस क्षेत्र में खेल के बुनियादी ढांचे को मजबूत करने की दिशा में एक समन्वित प्रयास का प्रतीक है। एमसीए के अध्यक्ष जेम्स पीके सांग्मा ने सदस्यों और सहयोगियों को कुरकालंग स्थित इस सुविधा केंद्र पर आयोजित समारोह में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया है। मीडिया से बातचीत करते हुए उन्होंने इसे राज्य में क्रिकेट के लिए एक महत्वपूर्ण क्षण बताया है। इस एकेडमी का उद्घाटन, पिछली सरकार के कार्यकाल में निर्माण में हुई देरी के बाद इसे पूरा करने के प्रयासों का ही परिणाम है। एमसीए अध्यक्ष ने बताया कि इस प्रक्रिया -शेष पृष्ठ दो पर

door graph
Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

**सुप्रभात**

*भाग्य बहादुर और कर्मठ व्यक्ति का ही साथ देता है। पीछे मुडकर मत देखो आगे, अपार शक्ति, अपरिमित उत्साह, अमित साहस और धैर्य से ही महत्वपूर्ण कार्य निष्पन्न किए जा सकते हैं।*
– **स्वामी विवेकानंद**

*बंगाल चुनाव के अंतिम चरण में प्रधानमंत्री का भावनात्मक पत्र*

## भय बहुत हुआ, अब भरोसा चाहिए, अब भाजपा चाहिए

**नई दिल्ली (हि.स.)।** प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के अंतिम चरण के प्रचार के समापन से पहले राज्य की जनता के नाम एक भावनात्मक खुला पत्र जारी किया है। इस पत्र में उन्होंने *विकसित बंगाल* के अपने विजन को दोहराते हुए बदलाव, विकास और सुरक्षा को प्रमुख मुद्दा बताया। चुनाव प्रचार सोमवार शाम 5 बजे समाप्त हो गया, जिसके बाद 29 अप्रैल को मतदान होना है। अपने संदेश के साथ प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर भी पोस्ट साझा करते हुए कहा कि लोकतंत्र का हर महोत्सव बहुत पवित्र होता है। उन्हें भी बंगाल के इस उत्सव में हिस्सा लेने का अवसर मिला है। इस दौरान बंगाल के विकास को लेकर भाजपा का -शेष पृष्ठ दो पर

## बंगाल में दूसरे चरण का चुनाव प्रचार खत्म
### भाजपा और टीएमसी के बीच आरोप-प्रत्यारोप तेज

**कोलकाता।** पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के दूसरे और अंतिम चरण के लिए प्रचार सोमवार को समाप्त हो गया। यह चुनाव घुसपैठ, भ्रष्टाचार और बेरोजगारी जैसे मुद्दों पर भाजपा और टीएमसी के बीच तीखी राजनीतिक लड़ाई से प्रभावित रहा। दोनों दलों ने 142 निर्वाचन क्षेत्रों के मतदाताओं से कई वादे किए। इस जोरदार प्रचार अभियान के दौरान, भाजपा नेतृत्व ने सत्ताधारी टीएमसी पर पश्चिम बंगाल को घुसपैठियों का गढ़ बनाने का आरोप लगाया। वहीं, ममता बनर्जी ने भगवा दल पर विभाजनकारी राजनीति करने, राज्य को बांटने का प्रयास करने और मछली व अंडे के सेवन के हतोत्साहित करने का आरोप लगाया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह सहित कई भाजपा नेताओं ने राज्य में प्रचार किया। उन्होंने टीएमसी पर कानून व्यवस्था बिगड़ने, महिलाओं के खिलाफ बढ़ते अपराधों, राजनीतिक अशांति, घुसपैठ और भ्रष्टाचार को लेकर हमला किया। मोदी ने मतुआ समुदाय से संपर्क साधा और उनसे नागरिकता (संशोधन) अधिनियम (सीएए) पर टीएमसी के झूठ से गुमराह न होने का आग्रह किया। उन्होंने सभी शरणार्थियों को देश में स्थायी निवास का -शेष पृष्ठ दो पर

## न्यूज गैलरी

### 12वीं परीक्षा के नतीजे आज

**गुवाहाटी (हि.स.)।** असम उच्चतर माध्यमिक शिक्षा परिषद (एएचएसईसी) द्वारा संचालित असम हायर सेकेंडरी फाइनल परीक्षा (12वीं) 2026 के नतीजे 28 अप्रैल को सुबह 10.30 बजे घोषित किए जाएंगे। नतीजों के संबंध में आधिकारिक बयान मंगलवार की सुबह जारी किये जाएंगे। इस घोषणा से उन हजारों छात्रों में उत्सुकता बढ़ गई है, जिन्होंने इस -शेष पृष्ठ दो पर

### गुजरात में आप को झटका, प्रदेश महासचिव ने दिया इस्तीफा

**अहमदाबाद (हि.स.)।** गुजरात में स्थानीय निकाय चुनाव की मतगणना पूरी होने से पहले आम आदमी पार्टी (आआपा) को एक और बड़ा झटका लगा है। पार्टी के वरिष्ठ नेता और प्रदेश महासचिव सागर रबारी ने अपने सभी पदों से इस्तीफा दे दिया है। हाल ही में राजू करपाड़ा के पार्टी छोड़ने के बाद अब सागर रबारी के इस्तीफे -शेष पृष्ठ दो पर

## रास में भाजपा के सांसदों की संख्या हुई 113, सभापति ने दी विलय को मंजूरी

**नई दिल्ली (हि.स.)।** राज्यसभा में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की ताकत और बढ़ गई है। आम आदमी पार्टी (आआपा) छोड़कर भाजपा में शामिल हुए राघव चड्ढा समेत सात सांसदों को राज्यसभा के सभापति सी.पी. राधाकृष्णन ने औपचारिक मंजूरी दे दी है। इसके बाद राज्यसभा में भाजपा सांसदों की संख्या 106 से बढ़कर 113 हो गई है। सोमवार को राज्यसभा सचिवालय द्वारा सदन में सभी दलों के सांसदों की -शेष पृष्ठ दो पर

## भारत बना दुनिया का 5वां सबसे बड़ा रक्षा खर्च करने वाला देश

*2025 में 92 अरब डॉलर तक पहुंचा बजट*

**नई दिल्ली।** वैश्विक स्तर पर बढ़ती हथियारों की होड़ के बीच भारत ने रक्षा खर्च के मामले में बड़ी छलांग लगाई है। स्टॉकहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट (एसआईपीआरआई) की ताजा रिपोर्ट के मुताबिक, भारत 2025 में 92.1 अरब डॉलर के रक्षा बजट के साथ दुनिया का पांचवां सबसे बड़ा सैन्य खर्च करने वाला देश बन गया है। भारत के रक्षा खर्च में 8.9 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। रिपोर्ट के अनुसार, 2025 में वैश्विक सैन्य खर्च 2.89 ट्रिलियन डॉलर के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया, जो लगातार 11वें साल वृद्धि को दर्शाता है। एसआईपीआरआई ने मई 2025 में भारत और पाकिस्तान के बीच हुए संक्षिप्त लेकिन तीव्र संघर्ष को क्षेत्रीय रक्षा खर्च में बढ़ोतरी का -शेष पृष्ठ दो पर

## कोलंबिया में राष्ट्रपति चुनाव से पहले बम विस्फोट, 19 की मौत, 38 घायल

**बोगोटा (कोलंबिया) (हि.स.)।** कोलंबिया में राष्ट्रपति चुनाव से पहले हुए बम विस्फोट में कम से कम 19 लोगों की जान चली गई। मृतकों में पांच बच्चे भी शामिल हैं। इस धमाके में 38 से ज्यादा लोग घायल हुए हैं। यह धमाका देश के दक्षिण-पश्चिमी कोका (काउका) क्षेत्र में पैन-अमेरिकन हाइवे पर शनिवार को हुआ। देश में 31 मई को राष्ट्रपति चुनाव होना है। कोलंबिया वन डॉट कॉम और सीएनएन की रिपोर्ट के अनुसार, स्थानीय अधिकारियों ने बताया कि यह धमका व्यस्त सड़क पर बम फटने से हुआ है। इस विस्फोट में -शेष पृष्ठ दो पर

## भारत, न्यूजीलैंड ने एफटीए पर किए हस्ताक्षर
### 100 फीसदी भारतीय निर्यात टैक्स-फ्री

**नई दिल्ली (हि.स)।** भारत और न्यूजीलैंड के बीच द्विपक्षीय व्यापार और निवेश को बढ़ावा देने के मकसद से मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) पर सोमवार को हस्ताक्षर किए। इस समझौते पर केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल और न्यूजीलैंड के व्यापार एवं निवेश मंत्री टॉड मैक्ले की मौजूदगी में हस्ताक्षर किए गए। पीयूष गोयल ने एक्स पोस्ट में कहा कि भारत और न्यूजीलैंड ने आज एक मुक्त व्यापार समझौता पर हस्ताक्षर किए हैं, जिसका उद्देश्य दोनों देशों के बीच व्यापार और निवेश को बढ़ावा देना है। इस समझौते पर न्यूजीलैंड के दौरे पर आए व्यापार और निवेश मंत्री टॉड मैक्ले की मौजूदगी में हस्ताक्षर किए गए। भारत और न्यूजीलैंड के बीच नई दिल्ली में हुए इस ऐतिहासिक समझौते का उद्देश्य द्विवार्षिक व्यापार को पांच वर्षों में दोगुना करके 5 अरब डॉलर तक पहुंचाना है। इस समझौते के तहत भारतीय उत्पादों को न्यूजीलैंड में शुल्क-मुक्त पहुंच मिलेगी, जबकि भारतीय पेशेवरों के लिए भी नए अवसर खुलेंगे। इस समझौते से दोनों देशों के बीच आर्थिक संबंधों के -शेष पृष्ठ दो पर

## 2029 तक पूर्वोत्तर से खत्म होगा उग्रवाद
### केंद्र सरकार की पहली प्राथमिकता मणिपुर

**नई दिल्ली।** सरकार ने एलडब्ल्यूई यानी नक्सलवाद को देश से लगभग पूरी तरह खत्म कर दिया है। सरकार का लक्ष्य मार्च 2026 तक एलडब्ल्यूई खत्म करने का था, वो लगभग हासिल हो गया है। अब सरकार अपना फोकस नॉर्थ ईस्ट के बाकी बचे उग्रवाद को खत्म करने पर शिफ्ट कर रही है। बीते कुछ महीनों में गुरिल्ला युद्ध में प्रशिक्षित चुनिंदा यूनिट्स जैसे कि सीआरपीएफ की *कोबरा* (कमांडो बटालियन फॉर रेजोल्यूट एक्शन) को माओवादी उग्रवाद से निपटने के लिए गठित किया गया था। अब ये पूर्वोत्तर क्षेत्र में तैनात की जाएंगी। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि एलडब्ल्यूई-प्रभावित क्षेत्रों से सुरक्षा बलों की वापसी पूरी तरह से नहीं होगी, बल्कि ये एक प्लानिंग के तहत धीरे-धीरे किया जाएगा। उग्रवादियों के निशाने पर रहे राज्यों में से एक मणिपुर को कई खास किस्म की सुरक्षित गाड़ियां मिलना शुरू हो गई हैं। अधिकारियों ने नई *माइन-प्रोटेक्टेड* गाड़ियों की पहली खेप मिली है। इस तरह की गाड़ी का इस्तेमाल संवेदनशील इलाकों में किया जाता है। पूर्वोत्तर -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

# ईरान ने अमेरिका को होर्मुज खोलने का सशर्त प्रस्ताव भेजा

**वाशिंगटन ( हि.स. )।** ईरान ने पाकिस्तान के माध्यम से अमेरिका को होर्मुज जलडमरूमध्य (स्ट्रेट ऑफ होर्मुज) खोलने का सशर्त प्रस्ताव भेजा है। यह प्रस्ताव व्हाइट हाउस को मिल गया है। ईरान और अमेरिका के बीच मूंछ की लड़ाई बन चुके होर्मुज के बंद होने से सारी दुनिया परेशान है। तेल और गैस के संकट ने कई देशों को संकट में डाल दिया है। तेल और गैस से लदे जहाज गुजर नहीं पा रहे हैं। महत्वपूर्ण और रणनीतिक इस जलमार्ग पर ईरान और अमेरिकी की आंखें निगहबान हैं। कई देश दोनों देशों के बीच सुलह कराने के लिए मध्यस्थता कर रहे हैं। पाकिस्तान में तो एक बार बातचीत भी हो चुकी है। इसके बाद राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप सैन्य विराम बढ़ा चुके हैं। पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद में बातचीत का दूसरा चरण शुरू नहीं हो पाया है। दोनों को मनाने के लिए मध्यस्थ देशों के प्रयास जारी हैं। अमेरिकी न्यूज पोर्टल एक्सियोस और संयुक्त अरब अमीरात के अंग्रेजी अखबार द नेशनल की रिपोर्ट के अनुसार ईरान ने प्रस्ताव में युद्ध खत्म करने और होर्मुज को फिर से खोलने पर जोर दिया है। प्रस्ताव का मुख्य फोकस वैश्विक ऊर्जा संकट को कम करना और अमेरिकी नौसैनिक नाकाबंदी को खत्म करना बताया जा रहा है। इसमें ईरान ने शर्त रखी है कि परमाणु कार्यक्रम पर बातचीत को बाद के चरण में शुरू किया जाए। प्रस्ताव व्हाइट हाउस पहुंच तो चुका है, लेकिन अभी यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि ट्रंप प्रशासन इस पर आगे बढ़ेगा या नहीं? व्हाइट हाउस की प्रवक्ता ओलिविया वेल्स ने कहा कि अमेरिका ऐसे संवेदनशील कूटनीतिक मुद्दों पर मीडिया के जरिए बातचीत नहीं करेगा। साथ ही अमेरिका किसी भी समझौते में अपनी प्राथमिकताओं से समझौता नहीं करेगा और ईरान को परमाणु हथियार हासिल करने की अनुमति नहीं दी जाएगी। यह प्रस्ताव ऐसे समय पर आया है जब दोनों देशों के बीच बातचीत लगभग ठप है। हाल ही में डोनाल्ड ट्रंप ने अपने दूतों की पाकिस्तान यात्रा रद्द कर दी थी। इस यात्रा को शांति वार्ता का अहम हिस्सा माना जा रहा था। इस बीच ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची पाकिस्तान से लगातार बातचीत कर रहे हैं। वह पाकिस्तान के सेना प्रमुख असीम मुनीर से बात कर रूस पहुंच गए हैं। वहां उनकी मुलाकात राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से होने वाली है। एक अमेरिकी अधिकारी और बातचीत से परिचित दो सूत्रों ने पुष्टि की है कि ईरान ने अमेरिका के सामने होर्मुज जलडमरूमध्य को फिर से खोलने और युद्ध को समाप्त करने का प्रस्ताव रखा है। तीन अमेरिकी अधिकारियों के अनुसार ट्रंप सोमवार को अपनी शीर्ष राष्ट्रीय सुरक्षा और विदेश नीति टीम के साथ ईरान पर *सिचुएशन रूम* में एक बैठक करने वाले हैं।

# दिनेश त्रिवेदी बांग्लादेश में उच्चायुक्त नियुक्त, विदेश मंत्रालय ने की घोषणा

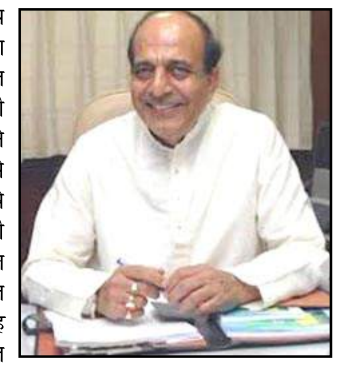

**नई दिल्ली ( हि.स. )।** पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं भारतीय जनता पार्टी के नेता दिनेश त्रिवेदी को बांग्लादेश में भारत का अगला उच्चायुक्त बनाए जाने की घोषणा की गई है। विदेश मंत्रालय ने सोमवार को आधिकारिक रूप से इसकी जानकारी दी और कहा कि वे जल्द ही कार्यभार संभाल लेंगे। त्रिवेदी प्रणय वर्मा का स्थान लेंगे, जिन्हें हाल ही में बेल्जियम में भारत का राजदूत नियुक्त किया गया है। साथ ही वह यूरोपीय यूनियन में भारत के राजदूत की भी जिम्मेदारी संभालेंगे। बांग्लादेश में त्रिवेदी की यह नियुक्ति इसलिए विशेष है क्योंकि आमतौर पर इस पद पर भारतीय विदेश सेवा (आईएफएस) के अधिकारी को भेजा जाता है, लेकिन इस बार एक वरिष्ठ राजनेता को चुना गया है। त्रिवेदी का एक लंबा राजनीतिक जीवन रहा है। उन्होंने 1987 में जन मोर्चा के गठन में भूमिका निभाई। जन मोर्चा का बाद में जनता दल में विलय हो गया। वे 1990 से 1996 तक गुजरात से राज्यसभा सदस्य रहे। वर्ष 1998 में तृणमूल कांग्रेस की स्थापना में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। मनमोहन सिंह के नेतृत्व वाली संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन की सरकार में उन्होंने रेल मंत्री के रूप में कार्य किया। 2012 के रेल बजट में किराया बढ़ाने के प्रस्ताव के कारण उन्हें इस्तीफा देना पड़ा। वर्ष 2021 में वे तृणमूल कांग्रेस छोड़कर भाजपा में शामिल हो गए। त्रिवेदी गुजरात से हैं लेकिन उनकी बांग्ला पर अच्छी पकड़ है। भारत और बांग्लादेश के बीच संबंध शेख हसीना सरकार के अपदस्थ होने के बाद से काफी पीछे चले गए थे। हालांकि तारिक रहमान के नेतृत्व में बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी की सरकार बनने के बाद संबंध फिर से पटरी पर लौटते दिख रहे हैं।

## जुआ खेलते छह जुआरी गिरफ्तार

**तिनसुकिया ( हिंस )।** तिनसुकिया जिलांतर्गत तेल नगरी डिगबोई में पुलिस ने अभियान चलाते हुए छह जुआरियों को गिरफ्तार कर लिया। आरोपियों में तीन इंडिया ऑयल कार्पोरेशन (आईओसी) के कर्मचारी बताये गये हैं। पुलिस सूत्रों ने आज बताया है कि गुप्त सूचना मिली थी कि डिगबोई शहर के लाजित नगर स्थित जेजे ब्वाइज होस्टल में जुआ खेला जा रहा है। सूचना मिलते ही डिगबोई सम जिला पुलिस अधीक्षक हिमांशु गोहाईं के नेतृत्व में पुलिस ने छापेमारी कर आरोपियों को रंगे हाथों गिरफतार कर लिया। गिरफतार आरोपियों की पहचान अरुण चार्की, नरेश कुमार शिलसूत, माडू माधव राव के साथ ही मोहम्मद हासन, पंकज दास और गोल्डी बागरा के रूप में की गयी है। पुलिस ने जुआरियों के पास से नकद धन के साथ ही जुआ खेलने के सामानों को भी जब्त किया है। सूत्रों ने बताया है कि हॉस्टल के नाम पर उक्त घर में लंबे समय से जुआ का कारोबार चल रहा था। पुलिस इस संबंध में प्राथमिकी दर्ज कर आगे की कानूनी कार्रवाई जारी रखे हुए है।

# मुरादाबाद : तीसरे दिन 5759 परीक्षार्थियों ने छोड़ी होमगार्ड लिखित भर्ती परीक्षा

**मुरादाबाद ( हिंस )।** मुरादाबाद जनपद में सोमवार को कड़ी सुरक्षा के बीच लगातार तीसरे दिन 28 परीक्षा केंद्रों पर पहली व दूसरी पाली की होमगार्ड लिखित परीक्षा हुई। जिसमें दोनों पालियों में 5759 परीक्षार्थियों ने होमगार्ड लिखित भर्ती परीक्षा छोड़ दी। पहली पाली में 2966 और दूसरी पाली में 2793 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। पहले दिन शनिवार को दोनों पालियों में कुल 5702 और दूसरे दिन रविवार को 5599 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे थे। मुरादाबाद के जिला विद्यालय निरीक्षक कार्यालय के अनुसार जनपद में होमगार्ड परीक्षा तीसरे दिन सोमवार को 28 परीक्षा केंद्रों पर शांतिपूर्ण और कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच संपन्न हुई। जिले में आज दोनों पालियों में 24, 864 परीक्षार्थियों को परीक्षा देनी थी। जिसमें पहली पाली में 12432 परीक्षार्थी पंजीकृत थे जिसमें से 9466 परीक्षार्थी उपस्थित रहे और 2966 छात्राओं ने परीक्षा छोड़ दी। वहीं दूसरी पाली में 12432 परीक्षार्थी पंजीकृत थे जिसमें से 9639 परीक्षार्थी उपस्थित रहे और 2793 छात्र-छात्राओं ने परीक्षा छोड़ दी।

## सड़क दुर्घटना में साइकिल चालक की मौत

**डिब्रूगढ़ ( हिंस )।** डिब्रूगढ़ जिले के मोरान इलाके में हुई एक सड़क हादसे में साइकिल चालक की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने सोमवार को बताया कि मोरान इलाके में राष्ट्रीय राजमार्ग पर अज्ञात वाहन द्वारा ठोकर मारे जाने से साइकिल चालक की मौके पर ही मौत हो गई। मृतक की पहचान खटखटी निवासी फुकन चंद्र दे के रूप में की गई है। घटना के समय मृतक चाय बागाना से अपने घर की ओर जा रहा था, इसी दौरान यह हादसा हुआ।

# पश्चिम बंगाल में चुनावी जब्ती 510 करोड़ पार

**नई दिल्ली ( हि.स. )।** चुनाव आयोग ने पश्चिम बंगाल में चुनाव के दौरान अब तक अवैध नकदी, शराब, ड्रग्स, कीमती धातु और अन्य वस्तुओं को मिलाकर कुल मूल्य 510 करोड़ रुपए से अधिक की चीजें जब्त की हैं। यह आंकड़ा 2021 के विधानसभा चुनावों में दर्ज 339 करोड़ रुपए की जब्ती से भी अधिक है। चुनाव आयोग ने बताया कि अब तक पश्चिम बंगाल में 2,728 फ्लाइंग स्क्वाड टीमों और 3,142 निगरानी टीमों को तैनात किया गया है। ये टीमें शिकायतों पर 100 मिनट के भीतर कार्रवाई करती हैं और विभिन्न स्थानों पर अचानक नाके लगाकर जांच करती हैं। इसके अलावा अवैध शराब के निर्माण, भंडारण और वितरण के खिलाफ विशेष अभियान चलाए जा रहे हैं। चुनाव आयोग के अनुसार 27 अप्रैल तक पश्चिम बंगाल में 30 करोड़ रुपए नकद, 48 लाख लीटर से अधिक शराब जिसकी कीमत 126.85 करोड़ रुपए है, 110.12 करोड़ रुपए मूल्य के ड्रग्स, 58.28 करोड़ रुपए कीमती धातु और 184.85 करोड़ रुपए मूल्य के अन्य सामान जब्त किए गए। उल्लेखनीय है कि आयोग ने 15 मार्च को असम, केरल, पुडुचेरी, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनावों तथा उपचुनावों की घोषणा की थी। आयोग ने राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की सरकारों को मॉडल आचार संहिता का सख्ती से पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए थे।

# पृष्ठ एक का शेष

## पश्चिम एशिया में ...

और उस पर नाकेबंदी लगी हुई है। उन्होंने दावा किया कि जब तेल का बहाव अचानक रोकना पड़ता है, तो पाइपलाइन के अंदर दबाव बनता है और तकनीकी व प्राकृतिक कारणों से वह फट सकती है। ट्रम्प के मुताबिक, अगर ऐसा हुआ तो पाइपलाइन को पहले जैसी हालत में दोबारा बनाना लगभग नामुमकिन होगा और उसकी क्षमता भी काफी घट जाएगी। वहीं रूस ने अमेरिका और इजराइल के ईरान पर हमलों को लेकर बड़ी चेतावनी दी है। रूस ने कहा है कि इस सैन्य कार्रवाई के दूरगामी असर होंगे और इसका असर अंतर्राष्ट्रीय संबंधों से लेकर परमाणु अप्रसार व्यवस्था तक पड़ेगा। रूस के विशेष दूत आंद्रेई बेलोउसॉव ने कहा कि ईरान पर हमला गंभीर और अभूतपूर्व कदम है। इससे वैश्विक तनाव बढ़ सकता है और कई देशों के रिश्तों पर असर पड़ेगा। उन्होंने कहा कि इस कार्रवाई से परमाणु अप्रसार संधि (एनपीटी) के ढांचे और सदस्य देशों के बीच सहयोग को नुकसान पहुंच सकता है। रूस ने यह भी कहा कि ईरान के परमाणु ठिकानों पर हमलों से अंतर्राष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईएईए) की साख को झटका लगा है। बेलोउसॉव ने आरोप लगाया कि यह कार्रवाई संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद को नजरअंदाज कर की गई। रूस इस मुद्दे को न्यूयॉर्क में शुरू हो रहे परमाणु अप्रसार संधि सम्मेलन में उठाएगा।

## 1 मई से एलपीजी ...

भारतीय तेल कंपनियों ने पूरे देश में 14.2 किलोग्राम वाले एलपीजी सिलिंडरों की कामतों में 60 रुपए की बढ़ोतरी की है। लेकिन 19 किलोग्राम वाले एलपीजी सिलिंडरों की कीमतों में तो सिर्फ एक महीने के भीतर ही तीन बार बढ़ोतरी की गई है। अप्रैल 2026 में, मेट्रो शहरों में 19 किलोग्राम वाले एलपीजी सिलिंडरों की कामतों में 196 रुपए से लेकर 218 रुपए तक की बढ़ोतरी की गई थी। यह बढ़ोतरी तब हुई, जब ओएमसीएस ने 7 मार्च को प्रति सिलिंडर 114.5 रुपए की कीमतें बढ़ाई थीं, और यह बढ़ोतरी तब हुई थी, जब 1 मार्च, 2026 को कीमतों में पहले ही 28 रुपए से लेकर 31 रुपए तक की वृद्धि की जा चुकी थी। इसके अलावा, यह भी उम्मीद की जा रही है कि कंपनियां एलपीजी सिलिंडर बुक करने के लिए *लॉक-इन पीरियड* में बदलाव कर सकती हैं, जो अभी 25 दिनों का है। साथ ही ओटीपी आधारित डिलीवरी सिस्टम को स्थायी किए जाने की भी उम्मीद है। सरकार के ताजा अपडेट के अनुसार, मौजूदा भू-राजनीतिक स्थिति के बावजूद, सरकार ने यह सुनिश्चित किया है कि घरेलू एलपीजी, घरेलू पीएनजी और सीएनजी की 100 प्रतिशत सप्लाई की जा रही है। ऑनलाइन एलपीजी सिलिंडर बुकिंग लगभग 98 प्रतिशत तक बढ़ गई है, जबकि गलत इस्तेमाल को रोकने के लिए डिलीवरी ऑथेंटिकेशन कोड पर आधिरित डिलीवरी लगभग 94 प्रतिशत तक बढ़ गई है। कमर्शियल एलपीजी के लिए, अस्पतालों और शिक्षण संस्थानों को प्राथमिकता दी गई है। इसके अलावा, फार्मा, स्टील, ऑटोनमोबाइल, बीज, कृषि आदि क्षेत्रों को भी प्राथमिकता दी गई है। इसके साथ ही, प्रवासी मजदूरों को 5 किलो ग्राम एफटीएल की सप्लाई भी दोगुनी कर दी गई है। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय के मुताबिक, सरकार ने सप्लाई और डिमांड दोनों तरफ कई सुधार उपाय पहले ही लागू कर दिए गए हैं। इसमें रिफाइनरी उत्पादन बढ़ाना, शहरी इलाकों में बुकिंग का अंतराल 21 से बढ़ाकर 25 दिन और ग्रामीण इलाकों में 45 दिन तक करना और सप्लाई के लिए विभिन्न क्षेत्रों को प्राथमिकता देना शामिल है। सरकार ने प्रधानमंत्री उज्जवला योजना के लाभार्थियों के लिए आधार-आधारित ऑथेंटिकेशन करवाना अनिवार्य है कर दिया है। नए निर्देशों के अनुसार, मंत्रालय ने स्पष्ट किया है कि ईकेवाईसी की जरूरत उन एलपीजी उपभोक्ताओं को होती है, जिन्होंने अब तक ईकेवाईसी नहीं करवाया है। तेल और गैस सप्लाई में आई रुकावटों के बीच, सरकार ने एलपीजी से पीएनजी में बदलाव को प्राथमिकता दी है। बड़े शहरों और शहरी इलाकों में रहने वाले कमर्शियल एलपीजी उपभोक्ताओं को पीएनजी कनेक्शन लेने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। वे ईमेल, पत्र या सिटी गैस डिस्ट्रीब्यूशन कंपनियों के कस्टमर पोर्टल के माध्यम से आवेदन कर सकते हैं। उन्हें नए एलपीजी कनेक्शन के लिए आवेदन करने से भी मना कर दिया है।

## एजल निगम चुनाव ...

महिला उम्मीदवारों की संख्या में भी काफी बढ़ोतरी हुई, कुल नौ महिलाएं चुनी गईं। इनमें से छह रिजर्व महिला वार्ड से जीतीं, जबकि तीन ने जनरल वार्ड से जीत हासिल की। मिजो नेशनल फ्रंट की अकेली जीतने वाली उम्मीदवार — बी लालावम्पुई — ने म्युनिसिपल चुनावों में अपनी तीसरी जीत दर्ज की। वह पहली बार 2015 में वार्ड 9 से रिजर्व महिला सीट पर चुनी गई थीं और बाद में जनरल कैटेगरी से लगातार दो बार जीतीं। पिछली एएमसी बॉडी एमएनएफ के नेतृत्व में थी, जिसने 2021 के चुनावों में बहुमत हासिल किया था। इस साल के चुनावों में फाइनल वोटर लिस्ट में महिला वोटरों की संख्या पुरुषों से 19,000 से ज्यादा थी। इस चुनाव में पहली बार घर से वोटिंग की शुरुआत भी हुई। 13 से 16 अप्रैल के बीच सीनियर सिटिजन्स और दिव्यांग लोगों के लिए आयोजित इस पहल में रजिस्टर्ड लोगों में से 93।71 प्रतिशत वोटिंग हुई। पार्टी की जबरदस्त जीत के बारे में बताते हुए विधायक और मुख्यमंत्री के सलाहकार, टीबीसी लालवेंछूंगा ने कहा कि एजल के लोगों ने जोरम पीपल्स मूवमेंट सरकार के विकास के कामों का समर्थन किया है। लालवेंछूंगा ने कहा कि हमने मिजोरम राज्य को बदलने और राज्य को विकास के एक नए दौर में ले जाने के लिए वह सब कुछ किया है जो हम कर सकते थे; यह साफ है कि एजल की शहरी आबादी ने अपने जनादेश का इस्तेमाल करके हमें धन्यवाद दिया। मिजोरम प्रदेश कांग्रेस कमेटी के कोषाध्यक्ष लालमलसावमा न्हाका ने राज्य में पिछले दो विधानसभा चुनावों में जीतने में नाकाम रहने के बाद वार्ड 19 से अपनी पहली चुनावी जीत दर्ज की। जेएनएनयूआरएम के तहत शहरी सुधारों के दबाव के बाद, 1 जुलाई 2008 को एजल म्युनिसिपल काउंसिल का उद्घाटन हुआ। काउंसिल का पहला आम चुनाव 2010 में 19 वार्ड के लिए हुआ था, जिसमें छह सीटें महिलाओं के लिए रिजर्व थीं। अक्टूबर 2015 में शहर की आबादी तीन लाख से ज्यादा होने के बाद काउंसिल को कॉर्पोरेशन में अपग्रेड किया गया। एक-तिहाई सीटें 19 में से छह महिलाओं के लिए रिजर्व हैं और हर पांच साल में बदलती रहती हैं। 2026 के एएमसी चुनावों के लिए, सत्ताधारी जेडपीएम, एमएनएफ और मिजोरम प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने सभी 19 वार्ड में उम्मीदवार खड़े किए, जबकि भाजपा ने 11 वार्ड में चुनाव लड़ा। 19 वार्ड में से छह महिलाओं के लिए रिजर्व थे, लेकिन सात महिला उम्मीदवारों जेडपीएम और कांग्रेस से तीन-तीन, और एमएनएफ से एक ने भी आम सीटों से चुनाव लड़ा।

## प्रधानमंत्री मोदी आज ...

में तेजी लाने के लिए उन्होंने मुख्यमंत्री कोनराड के. सांग्मा से हस्तक्षेप करने का आग्रह किया था। उन्होंने कहा कि मैंने एकेडमी के निर्माण कार्य को तेजी से पूरा करवाने के लिए मुख्यमंत्री के हस्तक्षेप का अनुरोध किया था। मैं उनका आभारी हूं कि उनके हस्तक्षेप के कारण ही, यह इनडोर क्रिकेट एकेडमी अब उद्घाटन और उपयोग के लिए पूरी तरह तैयार है। इस सुविधा केंद्र को चालू करने से पहले एक बड़ी बाधा बिजली की कमी थी। मेघालय एनर्जी कॉरपोरेशन लिमिटेड से मात्र 12 दिनों के भीतर बिजली का कनेक्शन प्राप्त कर लिया गया, जिससे अंतिम तैयारियां समय पर पूरी की जा सकीं। एमसीए अध्यक्ष ने इस उद्घाटन को राज्य और पूरे पूर्वोत्तर क्षेत्र के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि यह हमारे लिए सचमुच बड़े सम्मान की बात है कि प्रधानमंत्री स्वयं इस इनडोर क्रिकेट एकेडमी का उद्घाटन कर रहे हैं। इस क्षेत्र में क्रिकेट को बढ़ावा देने की दिशा में, यह हमारे राज्य और पूरे पूर्वोत्तर क्षेत्र के लिए सामूहिक रूप से बहुत मायने रखेगा। जेम्स पीके सांग्मा ने बताया कि इस केंद्र पर प्रशिक्षण और विकास संबंधी गतिविधियों की योजना बनाने के लिए, आंतरिक समितियों (जिसमें पूर्व खिलाड़ियों का एक क्रिकेट सलाहकार समूह भी शामिल है) के साथ चर्चाएं पहले से ही जारी हैं। कुरकालंग स्थित इस सुविधा केंद्र का विकास भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के सहयोग से किया गया है। उम्मीद है कि यह एकेडमी मेघालय के खिलाड़ियों को एक आधुनिक इनडोर वातावरण प्रदान करके, पूरे वर्ष चलने वाले प्रशिक्षण कार्यक्रमों को और अधिक सुदृढ़ बनाएगी।

## भय बहुत हुआ...

रोडमैप रखने का अवसर मिला। मोदी ने कहा कि वह इस पत्र के माध्यम से बंगाल के हर परिवारजन को अपनी भावनाएं व्यक्त कर रहे हैं। उन्हें पूरे चुनाव अभियान के दौरान जनता से अपार स्नेह और आशीर्वाद मिला, जिसने उन्हें नई ऊर्जा दी। प्रधानमंत्री ने लिखा कि बंगाल के युवा, महिलाएं, किसान, श्रमिक और व्यापारी—सभी *विकसित बंगाल* के निर्माण के लिए संकल्पित हैं। उन्होंने कहा कि इस पत्र के माध्यम से उन्होंने जनता के प्रति अपनी भावनाएं व्यक्त की हैं। साथ ही उन्होंने एक ऑडियो संदेश भी जारी किया, जिसमें उन्होंने कहा कि उनका कर्तव्य और जिम्मेदारी बंगाल की सेवा और सुरक्षा करना है। अपने पत्र में प्रधानमंत्री ने चुनावी अनुभव साझा करते हुए कहा कि रैलियों और रोड शो के दौरान मिले संदेशों और तस्वीरों को वे समय मिलने पर ध्यानपूर्वक देखते हैं और जनता के प्रेम को अपनी सबसे बड़ी पूंजी मानते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि जनवरी 2024 में अयोध्या में रामलला की प्राण-प्रतिष्ठा से पहले किए गए आध्यात्मिक अनुष्ठान की तरह इस चुनाव में भी उन्हें विशेष अनुभूति हुई। युवाओं, महिलाओं और किसानों की आकांक्षाओं का उल्लेख करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि राज्य का हर वर्ग अब विकास और बेहतर भविष्य चाहता है।

## बंगाल में दूसरे चरण...

आश्वासन दिया। शाह ने कहा कि भाजपा के सत्ता में आने पर पशु तस्करी रोकने और मवेशियों की रक्षा के लिए एक विशेष दस्ता बनाया जाएगा। उन्होंने ममता बनर्जी पर तस्करों की मदद करने का आरोप लगाते हुए *गुंडा राज* और *सिंडिकेट राज* खत्म करने का वादा किया। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि एक पूर्व विधायक हुमायूं कबीर को मुर्शिदाबाद जिले में बाबरी मस्जिद की तर्ज पर एक मस्जिद का निर्माण शुरू करने की अनुमति दी गई थी। शाह ने 4 मई के बाद *भाइपो कर* खत्म करने और महिलाओं व बेरोजगार युवाओं के लिए 3,000 रुपए मासिक भत्ता तथा राज्य परिवहन में महिलाओं के लिए मुफ्त यात्रा का भी वादा किया। टीएमसी नेता और सांसद अभिषेक बनर्जी ने पलटवार करते हुए आरोप लगाया कि भाजपा अपने वादों को पूरा करने में विफल रही है। इनमें *हर बैंक खाते में 15 लाख रुपए और सालाना दो करोड़ नौकरियां* जैसे वादे शामिल हैं। 23 अप्रैल को पहले चरण के मतदान के बाद अपनी एक रैली में टीएमसी प्रमुख ममता बनर्जी ने दावा किया कि उनकी पार्टी ने 100 सीटों का आंकड़ा पार कर लिया है। उन्होंने सत्ता बरकरार रखने का विश्वास व्यक्त किया। बनर्जी ने शाह पर चुनाव के बाद तृणमूल कार्यकर्ताओं के खिलाफ उनके *उल्टा लटका देंगे* वाले बयान को लेकर भी निशाना साधा। उन्होंने एक संवैधानिक प्राधिकरण द्वारा इस्तेमाल की गई भाषा पर सवाल उठाया और कहा कि उनकी पार्टी उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई शुरू करेगी। उन्होंने मतदाता सूची से नाम हटाने पर भी चिंता जताई और चुनाव आयोग द्वारा नियुक्त प्रशासन पर पक्षपात का आरोप लगाते हुए अधिकारियों को कथित ज्यादतियों के खिलाफ चेतावनी दी। 29 अप्रैल को होने वाले इस चरण के चुनाव में कुल 3,21,73,837 मतदाता मतदान के पात्र हैं। इनमें 1,64,35,627 पुरुष, 1,57,37,418 महिलाएं और 792 तीसरे लिंग के मतदाता शामिल हैं। मतदान 41,001 केंद्रों पर होगा, जिसमें सभी मतदान केंद्रों पर वेबकास्टिंग की जाएगी। चुनाव आयोग ने व्यापक सुरक्षा व्यवस्था की है, जिसमें सात जिलों में केंद्रीय बलों की 2,321 कंपनियां तैनात की गई हैं। कुल 142 सामान्य पर्यवेक्षक, 95 पुलिस पर्यवेक्षक और 100 व्यय पर्यवेक्षक तैनात किए गए हैं। अधिकारियों ने बताया कि चुनाव प्रक्रिया की निगरानी के लिए कैमरा लगे ड्रोन का भी इस्तेमाल किया जा रहा है। कोलकाता में केंद्रीय बलों की सबसे अधिक 273 कंपनियां तैनात की गई हैं। इस चरण में जिन निर्वाचन क्षेत्रों में मतदान होगा, उनमें भांगर में सबसे अधिक 19 उम्मीदवार हैं, जबकि गोगट में सबसे कम पांच उम्मीदवार हैं।

## रास में भाजपा के ...

अद्यतन सूची जारी की गई, जिसमें इन सातों नेताओं के नाम भाजपा सांसदों की सूची में शामिल कर दिए गए। इससे भाजपा को उच्च सदन में और अधिक राजनीतिक मजबूती मिली है। उल्लेखनीय है कि 24 अप्रैल को आम आदमी पार्टी छोड़कर भाजपा में शामिल होने वाले सांसदों में राघव चड्ढा, अशोक कुमार मित्तल, हरभजन सिंह, संदीप कुमार पाठक, डॉ. विक्रमजीत सिंह साहनी, स्वाति मालीवाल और राजिंदर गुप्ता शामिल हैं। ये सभी अब आधिकारिक रूप से भाजपा संसदीय दल का हिस्सा बन चुके हैं। केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने सोमवार को सोशल मीडिया मंच एक्स पर इस घटनाक्रम की पुष्टि करते हुए कहा कि राज्यसभा के सभापति सी. पी. राधाकृष्णन ने आम आदमी पार्टी के सात सांसदों के भाजपा में विलय को स्वीकार कर लिया है। अब राघव चड्ढा, संदीप पाठक, अशोक मित्तल, हरभजन सिंह, स्वाति मालीवाल, राजिंदर गुप्ता और विक्रमजीत सिंह साहनी भाजपा संसदीय दल के सदस्य हैं। रिजिजू ने इन सांसदों की कार्यशैली की भी सराहना की। उन्होंने कहा कि लंबे समय से उन्होंने देखा है कि इन सात सांसदों ने कभी भी अभद्र भाषा का प्रयोग नहीं किया और न ही कोई अनुशासनहीन या गैर-संसदीय आचरण किया। उन्होंने इसे सकारात्मक राजनीति का उदाहरण बताया। उन्होंने आगे कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में राष्ट्र निर्माण के लिए राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) में सभी का स्वागत है। साथ ही उन्होंने विपक्षी गठबंधन पर निशाना साधते हुए *टुकड़े-टुकड़े* गठबंधन को अलविदा कहने की बात भी कही।

## भारत बना दुनिया ...

बड़ा कारण बताया है। इस संघर्ष में लड़ाकू विमान, ड्रोन और मिसाइलों का इस्तेमाल हुआ था। इसके बाद भारत ने अपने रक्षा बजट को बढ़ाया, जबकि पाकिस्तान ने भी अपना सैन्य खर्च 11 प्रतिशत बढ़ाकर 11.9 अरब डॉलर कर दिया। रिपोर्ट के मुताबिक, पाकिस्तान ने चीन से नए विमान और मिसाइलों की खरीद के लिए ऑर्डर दिए, जिससे उसके रक्षा खर्च में तेजी आई। 2025 में रक्षा खर्च के मामले में शीर्ष पांच देश रहे- अमेरिका, चीन, रूस, जर्मनी और भारत। इन पांच देशों का कुल वैश्विक सैन्य खर्च में 58 प्रतिशत हिस्सा है, जो करीब 1,686 अरब डॉलर के बराबर है। रिपोर्ट में बताया गया है कि दुनिया का *मिलिट्री बर्डन* यानी जीडीपी का रक्षा पर खर्च 2.5 प्रतिशत तक पहुंच गया है, जो 2009 के बाद सबसे ज्यादा है। औसतन हर देश अपनी कुल बजट का 6.9 प्रतिशत सैन्य खर्च पर कर रहा है, यानी दुनिया के हर व्यक्ति पर करीब 352 डॉलर का खर्च। एक दिलचस्प बदलाव में अमेरिका का रक्षा खर्च 7.5 प्रतिशत घटकर 954 अरब डॉलर रह गया। इसकी वजह यूक्रेन को नए सैन्य पैकेज की कमी बताई गई है। हालांकि 2026 के लिए अमेरिका का बजट फिर से 1 ट्रिलियन डॉलर से ज्यादा रहने का अनुमान है। वहीं, यूरोप में रक्षा खर्च 14 प्रतिशत बढ़कर 864 अरब डॉलर पहुंच गया। यूक्रेन युद्ध और नाटो देशों के तेजी से हथियारों के आधुनिकीकरण ने इस बढ़ोतरी को बढ़ावा दिया। एशिया और ओशिनिया में रक्षा खर्च 8.1 प्रतिशत बढ़कर 681 अरब डॉलर हो गया। चीन ने अपना बजट 7.4 प्रतिशत बढ़ाकर 336 अरब डॉलर कर लिया, जो लगातार 31वें साल वृद्धि को दर्शाता है। पश्चिम एशिया में कुल खर्च में मामूली बढ़ोतरी हुई, लेकिन कुछ देशों में गिरावट भी देखी गई। इजरायल का रक्षा खर्च 4.9 प्रतिशत घटकर 48.3 अरब डॉलर रहा, जबकि ईरान का खर्च लगातार दूसरे साल घटकर 7.4 अरब डॉलर हो गया। एसआईपीआरआई के अनुसार, वैश्विक संकट, युद्ध और भू-राजनीतिक तनावों को देखते हुए 2026 और उसके बाद भी रक्षा खर्च में बढ़ोतरी जारी रहने की संभावना है।

## कोलंबिया में राष्ट्रपति ...

कम से कम 19 लोगों की मौत हो गई और कम से कम 38 लोग घायल हो गए। मृतकों में पांच बच्चे भी शामिल हैं। अधिकारियों का मानना है कि यह आतंकी हमला है। इस सप्ताहांत हुए आतंकवादी हमलों ने देश को दहला दिया। काउका के गवर्नर ऑक्टेवियो गुजमैन ने एक्स पोस्ट में कहा कि पैन-अमेरिकन हाइवे पर काजीबियो के एल टनल इलाके में आम नागरिकों को निशाना बनाकर यह बम धमाका किया गया। सूचना मिलते ही कोलंबिया के रक्षामंत्री पेड्रो सांचेज मौके पर पहुंचे। गवर्नर ने कहा कि अधिकारी गंभीर स्थिति से निपटने के लिए राष्ट्रीय स्तर की एक सुरक्षा परिषद का गठन कर रहे हैं। अधिकारियों के अनुसार, एल ट्यूनेल, एल टैम्बो, कैलोटो, पोपायान, गुआचेने, मर्कडेरेस और मिरांडा में भी धमाके होने की सूचना मिली हैं। कोलंबियाई सैन्य बलों के जनरल कमांडर ह्यूगो अलेजांद्रो लोपेज बैरेटो ने धमाकों को *हमलों की खतरनाक लहर* बताया है। सोशल मीडिया पर वायरल धमाके के बाद के वीडियो में सड़क के बीचों-बीच एक गहरा गड्ढा और क्षतिग्रस्त वाहनों के साथ शव नजर आ रहे हैं। राष्ट्रपति गुस्तावो पेट्रो ने इस हमले के लिए कुख्यात फार्क (कोलंबिया रिवोल्यूशनरी आर्म्ड फोर्सेस) के विद्रोही गुट और उनके सरगना इवान मोरडिस्को ( नेस्तोर ग्रेगोरियो वेरा फर्नांडीज) को जिम्मेदार ठहराया है।

## भारत, न्यूजीलैंड ने ...

काफी मजबूत होने की उम्मीद है। यह एफटीए भारत के 100 फीसदी निर्यात को न्यूजीलैंड में शुल्क-मुक्त पहुंच प्रदान करता है। इसमें सभी टैरिफ लाइन यानी उत्पाद श्रेणियां शामिल हैं। इससे वस्त्र, परिधान, चमड़ा, जूते, रत्न एवं आभूषण, इंजीनियरिंग सामान और प्रसंस्कृत खाद्य जैसे श्रम-प्रधान क्षेत्रों की प्रतिस्पर्धी क्षमता बढ़ेगी। इससे सूक्ष्म, लघु एवं मझोले उद्यमों (एमएसएमई) और रोजगार को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है। इससे पहले न्यूजीलैंड सिरेमिक, कालीन, मोटर वाहन एवं उसके कलपुर्जों जैसे भारतीय उत्पादों पर 10 प्रतिशत तक का शुल्क लगाता था। अब बिना किसी शुल्क के बाजार पहुंच मिलने से भारतीय उत्पाद वहां अन्य देशों की वस्तुओं से प्रतिस्पर्धा कर सकेंगे। समझौते के तहत भारत को अपने विनिर्माण क्षेत्र के लिए लकड़ी के लट्ठे, कोकिंग कोयला और धातुओं के कबाड़ जैसे कच्चे माल भी शुल्क-मुक्त मिलेंगे जिससे उत्पादन लागत घटेगी एवं वैश्विक प्रतिस्पर्धी क्षमता बढ़ेगी। भारत ने 70.03 फीसदी शुल्क श्रेणियों (जिसकी मूल्य के हिसाब से द्विपक्षीय व्यापार में 95 फीसीदी हिस्सेदारी है) पर शुल्क में रियायत देने की पेशकश की है, जबकि 29.97 फीसदी शुल्क श्रेणियों को संवेदनशील क्षेत्रों की सुरक्षा के लिए बाहर रखा गया है। इन संवेदनशील उत्पादों में मुख्य रूप से दुग्ध (दूध, क्रीम, पनीर आदि), अन्य पशु उत्पाद (भेड़ के मांस को छोड़कर), कृषि उत्पाद (प्याज, चना, मटर, मक्का, बादाम), चीनी, कृत्रिम शहद, वसा एवं तेल, हथियार एवं गोला-बारूद, रत्न एवं आभूषण, तांबा और एल्युमिनियम से जुड़े उत्पाद शामिल हैं।

## 2029 तक पूर्वोत्तर ...

में कुल 16 विद्रोही समूह सक्रिय हैं, इनमें से सबसे ज्यादा 8 समूह मणिपुर में हैं। इसके बाद असम में 3, मेघालय में 2, त्रिपुरा में 2 और नगालैंड में 1 समूह है। सरकारी आंकड़ों से पता चलता है कि पिछले एक दशक में उग्रवाद से जुड़ी हिंसा में भारी कमी आई है। 2014 में ऐसी 824 घटनाएं हुईं, जिनमें 1,934 उग्रवादियों को अरेस्ट किया गया। यहां 181 मारे गए और 212 नागरिकों की मौत हुई। 2024 तक घटनाओं की संख्या घटकर 294 रह गई, जिनमें 31 उग्रवादी मारे गए, 571 अरेस्ट किए गए और 30 नागरिकों की मौत हुई। 2024 में हुई इनमें से ज्यादातर घटनाएं और मौत मणिपुर में चल रहे जातीय संघर्ष से जुड़ी थीं। इस क्षेत्र में उग्रवाद से जुड़े कुल मामलों में से 77त्न मामले अकेले मणिपुर राज्य से थे। मणिपुर के एक अधिकारी ने बताया कि सेना की तैनाती की शुरुआत मणिपुर से होगी। यहां पूर्वोत्तर (एनई) के दूसरे राज्यों के मुकाबले उग्रवाद एक बड़ी चुनौती है। बंद दरवाजों के पीछे हुई बैठकों में सरकार के आला अधिकारियों ने पहले ही ये साफ कर दिया है कि पूर्वोत्तर में उग्रवाद और नशीले पदार्थों की तस्करी का धंधा अब खत्म होना चाहिए। अधिकारी ने बताया कि 2029 की समय-सीमा का जिक्र कई बार किया गया है। सेना के पास पहले के एलडब्ल्यूई (वामपंथी उग्रवाद प्रभावित) राज्यों में जो कई माइन-प्रोटेक्टेड गाड़ियां और बुलेटप्रूफ कारें थीं, वे अब पूर्वोत्तर में लाई जाएंगी। कुछ हल्की बुलेटप्रूफ गाड़ियां तो मणिपुर के उखरुल जिले में पहुंच भी चुकी हैं। यहां नगा और कुकी समुदायों के बीच झड़पों की खबरें आई हैं। हमें यह नहीं पता कि ये गाड़ियां छत्तीसगढ़ से लाई गई हैं या किसी और राज्य से। मणिपुर को भी उग्रवाद-रोधी अभियानों के लिए अपनी खुद की गाड़ियां मिल रही हैं।

## 12वीं परीक्षा के ...

साल हायर सेकेंडरी की फाइनल परीक्षा दी थी और अपने अंकों का इंतजार कर रहे हैं। हायर सेकेंडरी फाइनल परीक्षा उन छात्रों के लिए एक महत्वपूर्ण शैक्षणिक पड़ाव है, जो स्नातक पाठ्यक्रमों और पेशेवर संस्थानों में प्रवेश लेना चाहते हैं। नतीजे जारी होने के बाद छात्र आधिकारिक प्लेटफॉर्म के माध्यम से अपने नतीजे देख सकेंगे। नतीजे घोषित होने के बाद पास होने का प्रतिशत, टॉपर्स, स्ट्रीम-वार प्रदर्शन और जिला-वार आंकड़ों के बारे में विस्तृत जानकारी भी साझा किए जाने की उम्मीद है।

## गुजरात में आप को ...

से संगठन को बड़ा नुकसान माना जा रहा है। सागर रबारी ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट के जरिए इस्तीफे की घोषणा की। उन्होंने लिखा कि मैं आज आम आदमी पार्टी के साथ अपनी यात्रा यहीं समाप्त करता हूं। पार्टी की सदस्यता, पद और जिम्मेदारियों से खुद को मुक्त करता हूं। अब तक मिले सहयोग के लिए सभी साथियों का हृदय से आभार। खुद को किसान नेता के रूप में स्थापित कर चुके सागर रबारी पार्टी के मजबूत स्तंभ माने जाते थे। खासकर ग्रामीण क्षेत्रों और किसानों के मुद्दों को उठाने में उनकी अहम भूमिका रही है।

## दुलियाजान के ऑयल मार्केट में भीषण आगजनी

**डिब्रूगढ़ (हिंस)।** दुलियाजान के ऑयल मार्केट क्षेत्र में रविवार की रात भीषण आग लगने से कई व्यावसायिक प्रतिष्ठान जलकर राख हो गए और मौके पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, आग की शुरुआत अबु बक्कर सिद्दीक नामक व्यक्ति की किराना की दुकान से हुई। देखते ही देखते आग ने आसपास की कई दुकानों को अपनी चपेट में ले लिया, जिससे कई व्यवसायिक इकाइयों को भारी नुकसान पहुंचा। अचानक लगी इस आग से बाजार में मौजूद व्यवसायियों और ग्राहकों के बीच हाहाकार की स्थिति उत्पन्न हो गई और लोग अपनी जान बचाने के लिए इधर-उधर भागते नजर आए। घटना की सूचना मिलते ही ऑयल इंडिया लिमिटेड की कई दमकल गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और आग बुझाने का अभियान शुरू किया। दमकल कर्मियों की तत्परता और लगातार प्रयासों के चलते आग पर काबू पा लिया गया। फिलहाल इस घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है, हालांकि संपत्ति के नुकसान का आंकलन किया जा रहा है। आग लगने के कारणों की जांच जारी है।

## क्राइम ब्रांच ने 59.94 लाख रुपए नकद जब्ती मामले में दक्षिण त्रिपुरा के डीएफओ के आवास पर छापा मारा

**अगरतला।** अधिकारियों ने बताया कि क्राइम ब्रांच ने शनिवार को दक्षिण त्रिपुरा के जिला वन अधिकारी (डीएफओ) गौरव रविंद्र वाघ के आधिकारिक आवास पर छापा मारा। यह छापा इस सप्ताह की शुरुआत में अगरतला रेलवे स्टेशन पर जब्त की गई लगभग 60 लाख रुपए की नकदी की जांच के तहत मारा गया। बेलोनिया में अधिकारी के आवास पर तलाशी के दौरान, जांचकर्ताओं ने जांच के लिए कई दस्तावेज, सीसीटीवी फुटेज, एक लैपटॉप और एक ड्रोन कैमरा जब्त किया। पुलिस के अनुसार, मामला 23 अप्रैल को अगरतला रेलवे स्टेशन पर नियमित जांच के दौरान शुरू हुआ, जहां डीएफओ के मुंबई स्थित रिश्तेदार राजेंद्र चिंतामन काकलिज के पास से कथित तौर पर 59.94 लाख रुपए नकद बरामद हुए। उन्हें पूछताछ के लिए अगरतला जीआरपी पुलिस स्टेशन ले जाया गया। प्रभारी अधिकारी राजू भौमिक ने कहा कि काकलिज पैसे के स्रोत या इतनी बड़ी मात्रा में नकदी ले जाने के उद्देश्य के बारे में संतोषजनक स्पष्टीकरण नहीं दे सका। उन्हें भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम और भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की संबंधित धाराओं के तहत गिरफ्तार किया गया। बाद में अदालत ने उन्हें पांच दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया। पुलिस ने आगे बताया कि काकलिज ने दक्षिण त्रिपुरा के बेलोनिया से अगरतला रेलवे स्टेशन तक यात्रा करने के लिए डीएफओ के आधिकारिक वाहन का इस्तेमाल किया था। मामले की गंभीरता को देखते हुए, जांच बाद में अपराध शाखा को सौंप दी गई, जिसने तलाशी शुरू की और डीएफओ के आवास से सबूत एकत्र किए। इस बीच, वन विभाग ने डीएफओ को नकदी जब्ती मामले में निष्पक्ष जांच की सुविधा प्रदान करने के लिए विभाग के मुख्यालय आर्यना भवन में रिपोर्ट करने का निर्देश दिया है।

## तामुलपुर में बाढ़ की तैयारियों पर बैठक आयोजित

**तामुलपुर (हिंस)।** आगामी मॉनसून के मौसम को देखते हुए, सोमवार को तामुलपुर जिला आयुक्त कार्यालय के कांफ्रेंस हॉल में बाढ़ की तैयारियों पर एक बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता जिला आयुक्त और जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (डीडीएमए) की अध्यक्ष, सिमी करण ने की। बैठक के दौरान, आपातकालीन सेवाओं के समन्वय, महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे की सुरक्षा, सड़क संचार प्रणालियों, राहत शिविरों के प्रबंधन, क्षति के आकलन और रिपोर्टिंग तंत्र पर विस्तृत चर्चा की गई। महिला एवं बाल विकास, शिक्षा, पशु चिकित्सा, समाज कल्याण, जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी (पीएचई), लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी), जल संसाधन, कृषि, मृदा संरक्षण, बिजली, स्वास्थ्य आदि विभागों से पूरी तरह से तैयार और सतर्क रहने का आग्रह किया गया। जिला आयुक्त ने संबंधित विभागों से संभावित राहत शिविर स्थलों का निरीक्षण करने का भी आह्वान किया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि सभी विभागों को बाढ़ की किसी भी स्थिति से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए पहले से तैयार रहना चाहिए और अपनी-अपनी विभागीय आपदा प्रबंधन योजनाओं को तैयार रखना चाहिए। बैठक में सहायक आयुक्त बिदिशा बोरा, जिला परियोजना प्रबंधक डॉ. सुशांत बरगोहाईं, साथ ही पुलिस, एसएसबी और अन्य सुरक्षा एजेंसियों के अधिकारियों के अलावा संबंधित विभागों के अधिकारियों ने भी भाग लिया।

### शिलांग लोकसभा उपचुनाव : एनपीपी ने तैयारियां शुरू की

## उम्मीदवारों की सूची का पूर्वावलोकन जारी

**शिलांग।** मेघालय में नेशनल पीपुल्स पार्टी (एनपीपी) ने आगामी शिलांग लोकसभा उपचुनाव के लिए तैयारियां शुरू कर दी हैं, और आंतरिक चर्चाओं के बाद संभावित उम्मीदवारों की सूची को लगभग पांच तक सीमित कर दिया गया है। हालांकि पार्टी ने नामों का खुलासा नहीं किया है, लेकिन वरिष्ठ नेताओं ने पुष्टि की है कि जिन लोगों पर विचार किया जा रहा है वे संगठन के भीतर जाने-माने और प्रभावशाली व्यक्ति हैं। उपमुख्यमंत्री स्नियावभलांग धर ने कहा कि पार्टी अपनी रणनीति के अनुसार आगे बढ़ रही है और उन्होंने यह भी बताया कि मेघालय डेमोक्रेटिक अलायंस (एमडीए) के तहत एक साझा उम्मीदवार को मैदान में उतारने को लेकर अभी तक कोई बातचीत नहीं हुई है। उन्होंने टिप्पणी की कि एनपीपी अन्य राजनीतिक दलों से स्वत: समर्थन की उम्मीद नहीं कर सकती। धर ने कहा कि हमने देखा है कि वीपीपी ने पहले ही अपने उम्मीदवार की घोषणा कर दी है, और मुझे उम्मीद है कि यूडीपी, भाजपा और कांग्रेस भी अपने-अपने उम्मीदवार मैदान में उतारेंगे। उन्होंने यह भी पुष्टि की कि पार्टी के भीतर चयन प्रक्रिया चल रही है। उन्होंने कहा कि हमने चार से पांच लोगों को शॉर्टलिस्ट किया है जिन पर पार्टी सांसद चुनाव के लिए विचार करेगी। मैं अभी उन नामों का खुलासा नहीं कर सकता। हमें थोड़ा समय दीजिए। कई पार्टियों के स्वतंत्र रूप से चुनाव लड़ने की संभावना को देखते हुए, आगामी उपचुनाव में बहुकोणीय चुनावी मुकाबला देखने को मिल सकता है। मौजूदा सांसद रिकी ए.जे. सिंगकॉन के निधन के बाद उपचुनाव कराना आवश्यक हो गया था, जिनका 19 फरवरी, 2026 को निधन हो गया, जो 2024 के लोकसभा चुनावों में सीट जीतने के दो साल से भी कम समय बाद हुआ था। उनकी मृत्यु से शिलांग संसदीय क्षेत्र खाली हो गया, जिससे मेघालय के सबसे चर्चित निर्वाचन क्षेत्रों में से एक में नए सिरे से चुनावी मुकाबले का मंच तैयार हो गया।

### मणिपुर के मुख्यमंत्री ने एनडीए विधायकों की बैठक की अध्यक्षता की

## शांति बहाल करने के लिए समन्वित कार्रवाई पर जोर दिया

**इंफाल।** मणिपुर के मुख्यमंत्री युमनाम खेमचंद सिंह ने सोमवार को राज्य सचिवालय में राष्ट्रीय लोकतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) के विधायकों की बैठक की अध्यक्षता की, जहां शासन और राज्य की कानून-व्यवस्था की स्थिति से संबंधित प्रमुख मुद्दों पर चर्चा की गई। एक आधिकारिक बयान में कहा गया है कि विचार-विमर्श में राज्य में शांति और सुरक्षा को मजबूत करने के लिए प्रशासन के सभी स्तरों पर समन्वित और ठोस कार्रवाई की आवश्यकता पर ध्यान केंद्रित किया गया। सरकार ने सभी नागरिकों की सुरक्षा, कल्याण और खुशहाली सुनिश्चित करने की अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि की। एक्स पर एक पोस्ट में, सीएम खेमचंद ने लिखा कि राज्य में शांति और सुरक्षा बहाल करने के लिए समन्वित और निर्णायक कार्रवाई के दृढ़ संकल्प के साथ, प्रमुख शासन संबंधी मुद्दों पर विचार-विमर्श करने के लिए आज सचिवालय में माननीय एनडीए विधायकों के साथ एक बैठक की अध्यक्षता की। उन्होंने आगे कहा कि सरकार जनकेंद्रित शासन के माध्यम से प्रत्येक नागरिक के कल्याण की रक्षा करने, शांति, समृद्धि और समावेशी प्रगति सुनिश्चित करने के लिए दृढ़ संकल्पित है। मणिपुर में एनडीए सरकार का नेतृत्व भाजपा कर रही है, जिसे राष्ट्रीय जन पार्टी (एनपीपी) और नागा जन मोर्चे (एनपीएफ) के साथ-साथ निर्दलीय विधायकों का भी समर्थन प्राप्त है। यह बैठक मणिपुर अखंडता समन्वय समिति (सीओकोमी) द्वारा नए सिरे से जन लामबंदी के समय हो रही है, जिसने 25 अप्रैल को इंफाल में एक राज्यव्यापी रैली का आयोजन किया था। प्रदर्शन तनावपूर्ण हो गया, जिसके बाद राज्य सरकार को एक ज्ञापन सौंपा गया।

## गुवाहाटी में नवविवाहिता की हत्या से सनसनी

**गुवाहाटी (हिंस)।** गुवाहाटी के उदालाबक्रा इलाके में नवविवाहिता की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत का मामला सामने आने से सोमवार को सनसनी फैल गई है। आरोप है कि पति ने अपनी पत्नी को जहर देकर उसकी हत्या कर दी। मृतका की पहचान श्रुति रॉय के रूप में हुई है। बताया गया है कि उसके पति रूपक सेन ने कथित रूप से उसे जहर खिलाया, जिससे उसकी मौत हो गई। इस घटना के बाद इलाके में दहशत और चिंता का माहौल है। जानकारी के अनुसार, दोनों की शादी महज चार महीने पहले ही हुई थी। अचानक हुई इस घटना से स्थानीय लोग स्तब्ध हैं। पुलिस ने आरोपी पति रूपक सेन को गिरफ्तार कर लिया है और मामले की जांच जारी है। रुपक ने मीडिया से बातचीत करते हुए अपनी पत्नी की हत्या करने से इंकार किया है।

## सर्कल ऑफिस का कर्मचारी बनकर ठगी करने वाले चार व्यक्ति गिरफ्तार

**शोणितपुर (हिंस)।** सोनापुर पुलिस ने जमीन-रजिस्ट्रेशन में धोखाधड़ी का एक मामला उजागर करते हुए शोणितपुर जिले से चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस सूत्रों ने सोमवार को बताया है कि यह मामला तब प्रकाश में आया जब कचुतली के 70 वर्षीय निवासी ने शिकायत की कि सोनापुर सर्कल ऑफिस का कर्मचारी बनकर किसी व्यक्ति ने उसके साथ धोखाधड़ी की है। आरोप है कि आरोपी ने जमीन के रजिस्ट्रेशन में मदद करने के बहाने पीड़ित से एक महीने के दौरान 17,260 रुपए ठग लिए और उसके बाद उससे संपर्क तोड़ लिया। जांच करने पर, अधिकारियों ने पुष्टि की कि सर्कल ऑफिस में ऐसा कोई भी व्यक्ति काम नहीं करता है, जिससे यह साबित हो गया कि यह जानबूझकर की गई पहचान छिपाने और धोखाधड़ी का मामला है। शिकायत पर कार्रवाई करते हुए, पुलिस की ईजीपीडी टीम ने जांच शुरू की और आरोपियों का पता शोणितपुर जिले के तेजपुर में लगाया। इस अभियान के दौरान चार लोगों को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार लोगों की पहचान रियाजुल इस्लाम (22), सैफुल इस्लाम (26), मोजामिल हक (40) और इस्ताकुल हुसैन (21) के रूप में हुई है। पुलिस ने कानून की संबंधित धाराओं के तहत आरोपियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है।

## मुख्यमंत्री ने प्रो. दिलीप कुमार बरुवा की पुण्यतिथि पर अर्पित की श्रद्धांजलि

**गुवाहाटी (हिंस)।** मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने प्रख्यात शिक्षाविद्, अर्थशास्त्री और क्विज संस्कृति के अग्रदूत प्रोफेसर दिलीप कुमार बरुवा की पुण्यतिथि पर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की है। मुख्यमंत्री डॉ. शर्मा ने सोशल मीडिया के जरिए एक पोस्ट शेयर करते हुए राज्य के सिपाझार में जन्मे प्रख्यात शिक्षाविद्, अर्थशास्त्री प्रोफेसर दिलीप कुमार बरुवा की पुण्यतिथि पर उन्हें गहरी श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा है कि उन्होंने अपना पूरा जीवन असम में शिक्षा के विकास के लिए समर्पित किया। उन्होंने असम में क्वीज संस्कृति को लोकप्रिय बनाने में भी अग्रणी भूमिका निभाई। मुख्यमंत्री ने कहा कि शिक्षा, सोच और समाज सेवा में उनका योगदान असम के जीवन में हमेशा ताजा रहेगा। उनके आदर्श और विचार हमेशा अगली पीढ़ी को ज्ञान के मार्ग पर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करते रहेंगे। ज्ञात हो कि दिलीप कुमार बरुआ (जन्म 16 मार्च 1943, निधन 27 अप्रैल, 2017) असम के एक शिक्षक, लेखक और अर्थशास्त्री थे। वे एक तर्क शास्त्री और क्विज मास्टर के रूप में प्रसिद्ध थे। उन्हें असम में क्विज का जनक भी माना जाता है। उनका जन्म दरंग जिले के सिपाझार में हुआ था। उन्होंने अपना बचपन अपने पिता की नौकरी के लिए शिलांग में बिताया और वहीं से मैट्रिक की परीक्षा पास की। उन्होंने सेंट एंथोनी कॉलेज, कॉटन कॉलेज और दिल्ली विश्वविद्यालय में अध्ययन किया। उन्होंने 1966 में कॉटन कॉलेज में अर्थशास्त्र विभाग में व्याख्याता के रूप में प्रवेश लिया। वे 2001 में हाफलोंग कॉलेज के प्राचार्य के पद से सेवानिवृत्त हुए। अपनी सेवानिवृत्ति के बाद, उन्होंने विभिन्न संस्थानों में सक्रिय भूमिका निभाना जारी रखा। दिलीप कुमार बरुवा ने 1967 में कॉटन कॉलेज में असम और उत्तर पूर्व भारत में पहली क्विज प्रतियोगिता आयोजित की 27 अप्रैल 2017 को रात करीब 11 बजे गुवाहाटी के एक निजी अस्पताल में उनका निधन हो गया।

## आईपीएल के जरिए जुआ संचालित करने वाले पांच आरोपी गिरफ्तार

**कछार (हिंस)।** कछार पुलिस ने आईपीएल के जरिए जुआ संचालित होने से जुड़ी एक विश्वसनीय सूचना पर कार्रवाई करते हुए समीर अजीज नामक व्यक्ति को गिरफ्तार किया। उसकी निशानदेही पर टीम ने चार अन्य आरोपियों को भी गिरफ्तार किया है। आरोपियों के पास से मोबाइल फोन, नगदी एवं अन्य सामग्री बरामद की है। कछार जिला पुलिस अधीक्षक ने सोमवार को मीडिया के साथ बातचीत के दौरान इस संबंध में विस्तार से जानकारी दी। गिरफ्तार अन्य चार आरोपियों की पहचान सैबुल हुसैन लस्कर, जाहिर हुसैन लस्कर, रजत कुमार सिंह और आफताब लस्कर के रूप में की गयी है। जुआरियों के कब्जे से बरामद सामग्रियों में नकद राशि 80,230 रुपये, सात एंड्राइड मोबाइल फोन, एक नोटबुक, जिसमें आईपीएल जुए से जुड़े हिसाब-किताब दर्ज थे, चार हिसाब-किताब की शीटें, जो आईपीएल जुए से संबंधित थीं, शामिल हैं। उपर्युक्त सभी चीजों को तय प्रक्रिया के अनुसार विधिवत जब्त कर लिया गया है। आरोपियों को जब्त की गई चीजों के साथ आज न्यायालय में पेश किया गया। जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया। इस संबंध में कछार जिला मुख्यालय शहर सिलचर थाने में केस संख्या 387/2026 दर्ज किया गया है।

## कामरूप जिले में मतगणना प्रक्रिया में लगे अधिकारी-कर्मचारियों के लिए प्रशिक्षण

**रंगिया (विभास)।** कामरूप जिले के 6 विधानसभा क्षेत्रों अर्थात 27 नंबर चमरिया, 28 नंबर बोको-छयगांव, 29 नंबर पलाशबाड़ी, 30 नंबर हाजो-शुवालकुचि, 31 नंबर रंगिया और 32 नंबर कमलपुर विधानसभा क्षेत्रों के लिए असम विधानसभा के सामान्य निर्वाचन के 4 मई को आयोजित होने वाली मतगणना प्रक्रिया सुचारू रूप से मतगणना संपन्न कराने के उद्देश्य से आज गुवाहाटी बायोटेक पार्क हेलिक्स सभागार में प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस प्रशिक्षण कार्यशाला में निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार गणना प्रक्रिया, विधि-विधान और दायित्वसमूहों तथा मतगणना प्रक्रिया की नियमावली के बारे में विस्तार से प्रशिक्षण प्रदान किया गया। उल्लेखनीय है कि भारत के निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार 4 मई को सुबह 8 बजे से मतगणना प्रक्रिया आरंभ की जाएगी। प्रशिक्षण में प्रथम और द्वितीय चरण में आज गणना पर्यवेक्षक, गणना सहायक, चतुर्थ श्रेणी के कर्मचारी और माइक्रो पर्यवेक्षक उपस्थित रहे। प्रशिक्षण कार्यशाला में कामरूप जिले के जिला आयुक्त तथा जिला निर्वाचन अधिकारी देव कुमार मिश्र, जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी सिद्धार्थ गोस्वामी, जिला विकास आयुक्त सुशांत कुमार दत्त के साथ-साथ अतिरिक्त जिला आयुक्त, सहायक जिला आयुक्त और अन्य प्रशासनिक अधिकारियों की उपस्थिति रही। यह प्रशिक्षण कार्यशाला चरणबद्ध रूप से जारी रहेगी ताकि गणना प्रक्रिया में लगे सभी अधिकारी-कर्मचारी पूर्ण रूप से तैयार हो और पारदर्शी, निष्पक्ष एवं सुचारू रूप से मतगणना सम्पन्न कर सकें। उल्लेखनीय है कि कामरूप जिले के 6 विधानसभा क्षेत्रों में आयोजित असम विधानसभा के सामान्य निर्वाचन में जिले के 11 लाख से अधिक मतदाताओं ने मतदान किया और मतदान का प्रतिशत 88.25 रहा।

## गुवाहाटी सड़क दुर्घटना की जांच नूनमाटी पुलिस को सौंपी गई

**गुवाहाटी (हिंस)।** राजधानी गुवाहाटी के मठघरिया इलाके में रविवार तड़के हुई भीषण सड़क दुर्घटना की जांच अब नूनमाटी पुलिस को सौंप दी गई है। उल्लेखनीय है कि इस हादसे में तीन युवतियों की मौत हो गई थी। प्राप्त जानकारी के अनुसार, इस मामले की प्रारंभिक जांच ट्रैफिक पुलिस द्वारा की जा रही थी, जिसे अब औपचारिक रूप से नूनमाटी थाने को हस्तांतरित कर दिया गया है, ताकि घटना की विस्तृत जांच की जा सके। उल्लेखनीय है कि रविवार सुबह मठघरिया क्षेत्र में एक तेज रफ्तार वाहन ने सड़क किनारे खड़े ट्रक को जोरदार टक्कर मार दी थी, जिससे वाहन में सवार तीन युवतियों की मौके पर ही मौत हो गई। इस घटना के बाद शहर में सड़क सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ गई है। पुलिस सूत्रों के अनुसार, मामले की जांच जारी है और फरार चालक की तलाश के साथ-साथ दुर्घटना के सभी पहलुओं की गहन जांच की जा रही है। रास्ता किनारे ट्रक लगाकर ट्रक के अंदर सो रहे ड्राइवर सुभाष पाटर को भी आज गिरफ्तार कर लिया गया है।

## एसएसबी का *टीबी मुक्त भारत अभियान* के तहत 100 दिवसीय जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

**कोकराझाड़ (विभास)।** छठी वाहिनी, सशस्त्र सीमा बल, रानीगुली के प्रांगण में कमांडेंट श्री रविंद्र कुमार के कुशल मार्गदर्शन में *टीबी मुक्त भारत अभियान* के अंतर्गत 100 दिवसीय जागरूकता कार्यक्रम का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य बलकर्मियों के बीच क्षय रोग (टीबी) के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा समय पर जांच एवं उपचार के महत्व को रेखांकित करना था। इस अवसर पर छठी वाहिनी के पैरामेडिकल स्टाफ एवं कोकराझाड़ सिविल अस्पताल के डॉ. विवेक पांडे तथा उनकी टीम के संयुक्त सहयोग से कार्यक्रम का प्रभावी संचालन किया गया। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित बलकर्मियों को टीबी रोग के लक्षण, कारण, संक्रमण के तरीके, बचाव के उपाय तथा उपलब्ध उपचार सुविधाओं के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। साथ ही यह भी बताया गया कि समय पर जांच और उचित उपचार से टीबी पूर्णत: ठीक किया जा सकता है। कार्यक्रम के अंतर्गत 20 बलकर्मियों का टीबी स्क्रीनिंग परीक्षण भी किया गया, जिससे संभावित रोगियों की समय रहते पहचान सुनिश्चित हो सके। इसके अतिरिक्त, कुल 145 बलकर्मियों को जागरूक कर उन्हें अपने स्वास्थ्य के प्रति सजग रहने एवं नियमित जांच कराने के लिए प्रेरित किया गया। यह पहल स्वास्थ्य जागरूकता को बढ़ावा देने के साथ-साथ *टीबी मुक्त भारत* के राष्ट्रीय लक्ष्य की प्राप्ति की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। छठी वाहिनी द्वारा भविष्य में भी इस प्रकार के जन-जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन निरंतर जारी रखने का संकल्प व्यक्त किया गया है, ताकि बलकर्मियों के स्वास्थ्य की सुरक्षा एवं समग्र कल्याण सुनिश्चित किया जा सके।

संपादकीय

## हम 'आप' के नहीं

**अभी** तो आम आदमी पार्टी (आप) के 7 राज्यसभा सांसदों ने दलबदल किया है और भाजपा के पाले में चले गए हैं। पंजाब के 50-60 विधायक भी पार्टी नेतृत्व से नाराज और असंतुष्ट हैं। वे 'आप' की बिखरती ईकाई हैं। रपटें ये भी हैं कि भाजपा 'आप' के 3 लोकसभा सांसदों को भी तोडने के मिशन में जुट गई है। यह कोई सामान्य दलबदल अथवा राजनीतिक टूट, बिखरन नहीं है। बेहद अहम राजनीतिक घटना है, जो कमोबेश 'आप' का परिदृश्य बदल सकती है। इस बगावत ने पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक केजरीवाल के गुमान को खंडित कर दिया है। केजरीवाल मात्र दो साल के लिए संयोजक बने थे, लेकिन 2018 में पार्टी संविधान में संशोधन कराया गया। अब केजरीवाल हमेशा के लिए पार्टी के 'आलाकमान' हो गए हैं। 'आप' 14 साल पुरानी पार्टी हो गई है। कार्यकर्ताओं और नेताओं के एक गुट को 'आलाकमान संस्कृति' पसंद नहीं है, नतीजतन बिखराव और टूटन शाश्वत हो गई है। केजरीवाल कहा करते थे कि 'आप' के कार्यकर्ता और नेता इतने मजबूत हैं कि उन्हें कोई भी लालच, पैसा, पद या जांच एजेंसियों का दबाव तोड़ नहीं सकता। उन्हें ऐसे साथियों पर गर्व और गुमान है। राज्यसभा सांसदों की टूट और उनके भाजपा में शामिल होने की घटना ने तमाम धारणाएं खंडित की हैं और सवाल उठाए हैं कि आखिर राघव चड्ढा और संजीव पाठक ने बगावत क्यों की? राघव पेशेवर चार्टर्ड अकाउंटेंट हैं और संजीव पाठक आईआईटी प्रोफेसर थे। वे तो केजरीवाल के 'प्रियतम' में एक थे। उन्हें केजरीवाल ही राजनीति में लाए और संसद के सर्वोच्च सदन तक पहुंचने का मौका दिया। कमोबेश इन दोनों 'आप' नेताओं का अलग होना और अंततः भाजपा में शामिल होना बहुत बड़ा आश्चर्य है। केजरीवाल को आत्ममंथन, आत्मचिंतन करना चाहिए कि ऐसे लोग पार्टी क्यों छोड़ रहे हैं? इन दोनों नेताओं पर किसी 'दागदार मामले' की छाया तक नहीं है, जो सीबीआई या ईडी की जांच का डर, खौफ हो। शेष सांसद या तो उद्योगपति हैं अथवा हरभजन की तरह पेशेवर हैं। अशोक मित्तल को तो इसी माह राज्यसभा में 'आप' संसदीय दल का उपनेता बनाया गया था। 15 अप्रैल को ईडी ने उनकी 'लवली यूनिवर्सिटी' और अन्य ठिकानों पर छापेमारी की और 24 अप्रैल को वह टूट कर भाजपा की गोद में आ गए। मित्तल यूनिवर्सिटी के चांसलर भी हैं। साफ है कि जांच एजेंसियों के प्रभाव और जेल जाने की संभावनाएं अपना काम जरूर करती हैं, लिहाजा नेतागण दलबदल करने को विवश होते हैं। बहरहाल इस टूटन के अंतिम फलितार्थ ऐसे हो सकते हैं कि 'आप' राष्ट्रीय पार्टी का दर्जा खो सकती है। सबसे अहम संकट और चुनौती पंजाब में है, क्योंकि वहां विधानसभा चुनाव फरवरी, 2027 में होने हैं। बेशक विधायकों के टूटने की आशंका तो है, लिहाजा मुख्यमंत्री भगवंत मान ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात का समय मांगा है। मुख्यमंत्री राष्ट्रपति से मांग करना चाहते हैं कि जो पंजाब विधायकों के वोट से राज्यसभा सांसद चुने गए थे, उन्हें 'अयोग्य' करार दिया जाए। सवाल है कि राष्ट्रपति किसी भी सांसद को 'अयोग्य' कैसे घोषित कर सकते हैं? यह संवैधानिक अधिकार उपराष्ट्रपति एवं राज्यसभा सभापति को ही है, जिसकी अपनी एक प्रक्रिया है। 'आप' संसदीय दल के नेता संजय सिंह भी सभापति राधाकृष्णन को पत्र लिख कर सांसदों की सदस्यता खत्म करने की मांग करेंगे। यह इतना आसान नहीं है, क्योंकि भाजपा ने तमाम औपचारिकताएं पहले ही पूरी करवा रखी हैं। इस दलबदल से राज्यसभा में भाजपा के 113 सदस्य हो जाएंगे। सामान्य बहुमत से मात्र 10 सांसद ही कम हैं।

पंजाब के 50-60 विधायक भी पार्टी नेतृत्व से नाराज और असंतुष्ट हैं। वे 'आप' की बिखरती ईकाई हैं। रपटें ये भी हैं कि भाजपा 'आप' के 3 लोकसभा सांसदों को भी तोडने के मिशन में जुट गई है। यह कोई सामान्य दलबदल अथवा राजनीतिक टूट, बिखरन नहीं है। बेहद अहम राजनीतिक घटना है, जो कमोबेश 'आप' का परिदृश्य बदल सकती है। इस बगावत ने पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक केजरीवाल के गुमान को खंडित कर दिया है। केजरीवाल मात्र दो साल के लिए संयोजक बने थे, लेकिन 2018 में पार्टी संविधान में संशोधन कराया गया। अब केजरीवाल हमेशा के लिए पार्टी के 'आलाकमान' हो गए हैं। 'आप' 14 साल पुरानी पार्टी हो गई है। कार्यकर्ताओं और नेताओं के एक गुट को 'आलाकमान संस्कृति' पसंद नहीं है, नतीजतन बिखराव और टूटन शाश्वत हो गई है। केजरीवाल कहा करते थे कि 'आप' के कार्यकर्ता और नेता इतने मजबूत हैं कि उन्हें कोई भी लालच, पैसा, पद या जांच एजेंसियों का दबाव तोड़ नहीं सकता। उन्हें ऐसे साथियों पर गर्व और गुमान है। राज्यसभा सांसदों की टूट और उनके भाजपा में शामिल होने की घटना ने तमाम धारणाएं खंडित की हैं और सवाल उठाए हैं कि आखिर राघव चड्ढा और संजीव पाठक ने बगावत क्यों की? राघव पेशेवर चार्टर्ड अकाउंटेंट हैं और संजीव पाठक आईआईटी प्रोफेसर थे। वे तो केजरीवाल के 'प्रियतम' में एक थे। उन्हें केजरीवाल ही राजनीति में लाए और संसद के सर्वोच्च सदन तक पहुंचने का मौका दिया। कमोबेश इन दोनों 'आप' नेताओं का अलग होना और अंततः भाजपा में शामिल होना बहुत बड़ा आश्चर्य है। केजरीवाल को आत्ममंथन, आत्मचिंतन करना चाहिए कि ऐसे लोग पार्टी क्यों छोड़ रहे हैं? इन दोनों नेताओं पर किसी 'दागदार मामले' की छाया तक नहीं है, जो सीबीआई या ईडी की जांच का डर, खौफ हो। शेष सांसद या तो उद्योगपति हैं अथवा हरभजन की तरह पेशेवर हैं।

### किसानों व कृषि क्षेत्र के समक्ष दिखाई दे रही आसन्न चुनौतियों का सामना करने के लिए बहुआयामी रणनीति जरूरी है

# अब कमजोर मानसून व अल नीनो का जोखिम

**हाल** ही में विश्व बैंक के द्वारा जारी रिपोर्ट में कहा गया है कि वर्ष 2026 में कमजोर मानसून से भारत में कृषि की पैदावार और ग्रामीण अर्थव्यवस्था पर दबाव बढ़ सकता है। इससे महंगाई बढने और विकास दर में कमी की चुनौती होगी। उल्लेखनीय है कि पिछले दिनों 13 अप्रैल को भारतीय मौसम विभाग ने अल नीनो के कारण 2026 में सामान्य से कम मॉनसून का अनुमान लगाया है। यह पूर्वानुमान पिछले 26 वर्षों में मानसून का सबसे कम शुरुआती अनुमान है। इससे देश में कृषि उत्पादन और खाद्य कीमतों पर असर पड़ सकता है। मौसम विभाग ने बारिश के दीर्घकालिक औसत (एलपीए) के 92 प्रतिशत रहने की संभावना बताई है। यह पूर्वानुमान 5 फीसदी अधिक या कम की मॉडल त्रुटि के साथ जारी किया गया है। निजी मौसम एजेंसी स्काईमेट की रिपोर्ट में भी इसी तरह का पूर्वानुमान जारी किया गया है। इस रिपोर्ट के अनुसार देश में 75 प्रतिशत वर्षा पर आधारित मॉनसून सीजन (जून से सितंबर) में 5 प्रतिशत कम या ज्यादा के साथ 94 प्रतिशत वर्षा हो सकती है। यद्यपि पिछले आंकड़े बताते हैं कि सामान्य से कम मॉनसून वाले वर्षों में जब बारिश का समय, वितरण और फैलाव लगभग समान रहा, तब खरीफ के उत्पादन में अधिक कमी नहीं हुई, किन्तु गैर-सिंचित क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर उगाई जाने वाली दलहन और तिलहन जैसी फसलों के लिए जोखिम हो सकती हैं। साथ ही दलहन और तिलहन का कम उत्पादन खाद्य महंगाई पर असर डाल सकता है। एक ऐसे समय में जब पश्चिम एशिया संघर्ष से महंगे उर्वरक, महंगे तेल और आपूर्ति श्रृंखला बाधित होने से खेती की लागत बढ़ी है, तब कमजोर मानसून से न केवल किसानों और कृषि पर, वरन आम आदमी और अर्थव्यवस्था पर नकारात्मक असर हो सकता है। साथ ही पेयजल समस्या की चुनौतियां भी बढ़ सकती हैं। ऐसे में किसानों व कृषि क्षेत्र के समक्ष दिखाई दे रही आसन्न चुनौतियों का सामना करने के लिए बहुआयामी रणनीति जरूरी है। गौरतलब है कि नीति आयोग के मुताबिक देश के कुल फसल रकबे का केवल 55 फीसदी सिंचित है और 45 प्रतिशत खेती मॉनसून पर निर्भर है। कम्पोजिट वॉटर मैनेजमेंट इंडेक्स (सीडब्ल्यूएमआई) के अनुसार लगभग 74 प्रतिशत गेहूं और 65 प्रतिशत चावल की खेती वाले क्षेत्र पहले से ही भारी जल संकट का सामना कर रहे हैं। व्यावसायिक फसलों और औद्योगिकीकरण की ओर बढ़ते रुझान से भारत में मॉनसून की वर्षा पर निर्भरता बढ़ी हुई है। अब अल नीनो के खतरे और कमजोर मॉनसून की आशंका से जलाशय के सूखने और खेती के लिए पानी की कमी की चिंता बढ़ गई है। यह महत्वपूर्ण है कि केंद्रीय जल आयोग (सीडब्ल्यूसी) देश में कुल 183.565 बिलियन क्यूबिक मीटर (बीसीएम) क्षमता वाले 166 प्रमुख जलाशयों के भंडारण पर नजर रखता है। सीडब्ल्यूसी का कहना है कि इस समय इन जलाशयों में कुल क्षमता का 44.71 प्रतिशत है। हाल के महीनों में इसमें तेजी से कमी आई है। प्राकृतिक पुनर्भरण प्रणाली कमजोर होने से भी हालात बिगड़ रहे हैं। वस्तुतः जलाशयों में पर्याप्त पानी 2025 के मॉनसून सीजन में अच्छी बारिश के कारण है, लेकिन अब इस साल कमजोर मॉनसून की आशंका से पानी का संग्रहित स्टॉक जल्दी खत्म हो सकता है। वास्तव में देश के किसानों और कृषि क्षेत्र की चिंताएं बढ़ाने वाला यह परिदृश्य देश के वर्तमान सुकूनदायक कृषि क्षेत्र के समक्ष एक चुनौती बनकर दिखाई दे रहा है। उल्लेखनीय है कि पिछले वर्ष 2024-25 में भारत में 35.70 करोड़ टन खाद्यान्न का रिकॉर्ड उत्पादन हुआ है और इस वर्ष 2025-26 में इससे भी अधिक खाद्यान्न उत्पादन की संभावना है। 2026 में गेहूं की खेती का रकबा भी पिछले वर्ष के 328.04 लाख हेक्टेयर की तुलना में बढ़कर लगभग 334.17 लाख हेक्टेयर हो गया है और एक और अच्छी फसल की संभावना का संकेत देता है। भारतीय खाद्य निगम (एफसीआई) के पास केंद्रीय पूल में एक अप्रैल 2026 को लगभग गेहूं और चावल का 600 लाख टन से अधिक का उपलब्ध स्टॉक खाद्य सुरक्षा के मामले में भारत की मजबूती है। इस समय देश के 80 करोड़ से अधिक कमजोर वर्ग के लोगों को निशुल्क खाद्यान्न वितरित किया जा रहा है। यह भी उल्लेखनीय है कि हाल ही में प्रकाशित निर्यात आंकड़ों के अनुसार वित्त वर्ष 2025-26 में भारत ने 55 अरब डॉलर मूल्य का कृषि निर्यात किया है और भारत दुनिया का 7वां सबसे बड़ा कृषि निर्यात के लिए देश के कृषि निर्यात परिदृश्य पर यह उभरकर दिखाई दे रहा है कि वर्ष 2014 से 2025 के बीच प्रसंस्कृत खाद्य उत्पादों का निर्यात चार गुना, फलों और दालों का निर्यात तीन गुना, खाद्यान्न का निर्यात दो गुना और चावल के निर्यात में करीब 62 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। इतना ही नहीं पिछले करीब चार साल तक निर्यात पर नियंत्रण रखने के बाद भारत ने एक बार फिर अप्रैल 2026 से गेहूं के वैश्विक बाजार में वापसी का बड़ा संकेत दिया है। भारत सरकार ने घरेलू बाजारों को स्थिर करने और उत्पादकों को लाभकारी प्रतिफल सुनिश्चित करने के लिए एक निर्णायक और किसान-केंद्रित कदम उठाते हुए 50 लाख मीट्रिक टन गेहूं और अतिरिक्त 10 लाख मीट्रिक टन गेहूं उत्पादों के निर्यात को मंजूरी दे दी है। मिस्र, बांग्लादेश, इंडोनेशिया, म्यांमार और अफ्रीका के कई देश भारतीय गेहूं में गहरी रुचि दिखा रहे हैं। ऐसे में इस वर्ष सामान्य से कम मानसून और खेती की बढ़ती लागत के मद्देनजर कई बातों पर ध्यान दिया जाना जरूरी है। यद्यपि अभी निर्धारित गेहूं के निर्यात आदेशों की पूर्ति अवश्य की जाए, लेकिन आगामी निर्यात आदेशों की पूर्ति के लिए सजगता रखी जाए। देश ने देखा है कि वर्ष 2021-22 में 70 लाख टन से अधिक गेहूं का निर्यात किया था, लेकिन वर्ष 2024 में गेहूं का आयात करना पड़ा। इस बात पर ध्यान देना होगा कि कम बारिश से जलाशयों में पानी का स्तर गिरने से सिंचाई और पीने के पानी की उपलब्धता प्रभावित होगी, ऐसे में अभी से जल संरक्षण के प्रयास शुरू होने चाहिए। कृषि उत्पादन घटने की आशंका से खाद्य पदार्थों की कीमतों में बढ़ोतरी हो सकती है। इस समय जो खुदरा महंगाई दर 3.40 प्रतिशत है, उसके बढने की आशंका होगी। अतएव मूल्यों की रोकथाम की रणनीति के साथ आगे बढना होगा। अब कृषि में प्रौद्योगिकी संस्कृति को बढ़ावा देने और डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना के विकास पर जोर दिया जाना होगा। व्यापक भंडारण अभियान और कृषि-वित्तीय प्रौद्योगिकी तथा आपूर्ति श्रृंखलाओं में नवाचार को बढ़ाने के प्रयास करने होंगे। चूंकि देश के विभिन्न हिस्सों में विविध जलवायु है और कृषि अनुकूल जलवायु क्षेत्रों के मामले में वह समृद्ध है, अतएव ऐसे में भारत को फसल विविधीकरण और खेती में आधुनिक तकनीक के एकीकरण के साथ आगे बढना होगा। चूंकि देश में अभी भी अनाज, दाल तथा तिलहन के उत्पादन का स्तर मौसम पर ही निर्भर होता है, ऐसे में क्षेत्रवार और फसलवार आधार का व्यापक अध्ययन करते हुए सिंचाई व्यवस्था की नई नीति तैयार करना लाभप्रद होगी। अनाज बर्बाद होने से बचाने के लिए देश में वर्ष 2028 तक सहकारी क्षेत्र में 700 लाख टन अनाज भंडारण की नई क्षमता विकसित करने की महत्वाकांक्षी योजना को तेजी से आगे बढ़ाया जाना होगा। उम्मीद करें कि ऐसे प्रयासों से इस वर्ष 2026 में किसानों और कृषि क्षेत्र को मुश्किलों से बचाते हुए आम आदमी व अर्थव्यवस्था की चिंताएं भी कम की जा सकेंगी।

भारतीय मौसम विभाग ने अल नीनो के कारण 2026 में सामान्य से कम मॉनसून का अनुमान लगाया है। यह पूर्वानुमान पिछले 26 वर्षों में मानसून का सबसे कम शुरुआती अनुमान है। इससे देश में कृषि उत्पादन और खाद्य कीमतों पर असर पड़ सकता है। मौसम विभाग ने बारिश के दीर्घकालिक औसत (एलपीए) के 92 प्रतिशत रहने की संभावना बताई है। यह पूर्वानुमान 5 फीसदी अधिक या कम की मॉडल त्रुटि के साथ जारी किया गया है। निजी मौसम एजेंसी स्काईमेट की रिपोर्ट में भी इसी तरह का पूर्वानुमान जारी किया गया है। इस रिपोर्ट के अनुसार देश में 75 प्रतिशत वर्षा पर आधारित मॉनसून सीजन (जून से सितंबर) में 5 प्रतिशत कम या ज्यादा के साथ 94 प्रतिशत वर्षा हो सकती है।

कुछ अलग

## निर्मल असो स्वतंत्र लेखक

**जूते** की धूलअचानक सरकार को लगा कि सचिवालय में आने वाले लोगों के जूते माहौल खराब कर रहे हैं। दरअसल वहां बिछी हुई टाइलें घिसने लगी थीं। विपक्ष ने कहा टाइलें घटिया सामग्री से बनी थीं, इसलिए घिस रही हैं। जरूर ठेकेदार ने सचिवालय की टाइलों में भ्रष्टाचार किया है। उधर सरकार की सारी मशीनरी का आने वालों के जूतों पर शक बढ़ गया, 'ये जनता के जूते हैं, एक बार हिम्मत से चले तो कुछ भी कर सकते हैं।' बावजूद इसके सरकार जनता को जूते उतार कर सचिवालय आने का सीधा निर्देश नहीं दे पा रही थी, लेकिन यह पता लगाने की कोशिश शुरू हुई कि जनता आजकल कैसे-कैसे जूते पहनने लगी है। नतीजे कमाल के थे। पाया गया कि सचिवालय के लिए सबसे कम हानिकारक हैं खुद घिसे हुए जूते। घिसे हुए जूतों की कीलें घिस चुकी होती हैं। आम तौर पर फरियादियों के जूते घिसे होते हैं। जो कर्मचारी बार-बार ट्रांसफर रुकवाने के माहिर होते हैं, वे घिसे हुए जूतों से ही सचिवालय तक पहुंचते हैं। पहले पत्रकार भी पैदल चल-चल कर, घिसे हुए जूतों से सचिवालय आते थे, लेकिन अब मंत्रियों की गाड़ियों में आने के कारण ऐसा संभव ही नहीं कि घिसे जूते में किसी को पत्रकार माना जाए। हैरानी यह थी कि विपक्ष के जूते भी घिसे हुए पाए गए, लेकिन सबसे अधिक चमक रहे थे सरकार के सलाहकारों, ब्यूरोक्रेट्स और अधिकारियों के जूते। सचिवालय कर्मियों के जूते मजबूती में सबसे ऊपर थे। जांच का निष्कर्ष यही था कि मजबूत, चमकदार और सख्त जूतों के नीचे सबसे अधिक ताकत होती है, इसलिए इनकी चाल से टाइलें बार-बार घिसती हैं।

देश दुनीया से

# उच्च न्यायालय का कर्मचारी हितैषी फैसला

**सरकारी** सेवा में प्रवेश पाने वाले युवा केवल एक नौकरी नहीं प्राप्त करते, बल्कि वर्षों की कड़ी मेहनत, प्रतियोगी परीक्षाओं की तपस्या, आर्थिक-मानसिक संघर्ष और पूरे परिवार की आशाओं को भी साथ लेकर आते हैं। जब वे लोक सेवा आयोग या चयन आयोग के माध्यम से कठिन परीक्षाएं पार कर चयनित होते हैं, तो उनके मन में एक मजबूत विश्वास जागता है कि अब उनकी सेवा शर्तें स्थिर, न्यायपूर्ण और संवैधानिक संरक्षण के अधीन होंगी। हिमाचल प्रदेश उच्च न्यायालय का हालिया फैसला, जिसमें हिमाचल प्रदेश सरकारी कर्मचारी भर्ती एवं सेवा शर्तें अधिनियम 2024 को पूरी तरह निरस्त कर दिया गया, इसी विश्वास की रक्षा का एक मजबूत प्रतीक है। यह निर्णय केवल एक विधेयक को रद्द करने तक सीमित नहीं है। यह राज्य सरकारों को स्पष्ट संदेश देता है कि कर्मचारियों के वैध अधिकारों को वित्तीय दबाव के नाम पर कुचला नहीं जा सकता। खासकर अनुबंध पर कार्यरत कर्मचारियों की वरिष्ठता, वार्षिक वेतन वृद्धि, वित्तीय लाभ, पदोन्नति और अन्य सेवा शर्तों को उनकी प्रारंभिक नियुक्ति की तिथि से ही गिनने का सिद्धांत न्यायालय ने फिर से मजबूती से स्थापित किया है। इस फैसले से प्रदेश के हजारों अनुबंध कर्मचारियों और नियमितीकरण की प्रक्रिया से गुजर रहे युवाओं को बड़ी राहत मिली है। हिमाचल प्रदेश सरकार ने वर्ष 2024 के शीतकालीन सत्र में यह अधिनियम पारित कराया था, जिसे फरवरी 2025 में राज्यपाल की सहमति भी मिल गई। विधेयक का मुख्य उद्देश्य अनुबंध कर्मचारियों को नियमित कर्मचारियों के समकक्ष लाभ प्रारंभिक नियुक्ति की तिथि से देने से इनकार करना था। इसके अनुसार वेतन, वरिष्ठता, वृद्धि, पदोन्नति और पेंशन जैसे लाभ केवल नियमितीकरण की तिथि से ही दिए जाते। इससे अनुबंध पर लंबे समय से सेवा दे रहे हजारों कर्मचारियों को न केवल आर्थिक नुकसान होता, बल्कि उनकी वरिष्ठता, पदोन्नति की संभावनाएं और भविष्य के पेंशनरी लाभ भी गंभीर रूप से प्रभावित होते। सरकार का तर्क था कि इससे राज्य पर वित्तीय बोझ कम होगा और नियमित तथा अनुबंध कर्मचारियों के बीच समानता स्थापित होगी। लेकिन कर्मचारी संगठनों ने इसे कर्मचारी-विरोधी रवैया बताया। उन्होंने कहा कि यह अधिनियम अनुबंध कर्मचारियों की वर्षों की सेवा को नकारने का प्रयास है, जो पहले से ही कम वेतन पर कड़ी मेहनत करते हैं। उच्च न्यायालय ने याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए इस अधिनियम के प्रमुख प्रावधानों को असंवैधानिक ठहराया और पूरे कानून को रद्द कर दिया। न्यायालय ने स्पष्ट रूप से कहा कि एक बार अदालत द्वारा दिए गए लाभों या स्थापित कानूनी सिद्धांतों को रेट्रोस्पेक्टिव कानून बनाकर निरस्त नहीं किया जा सकता। न्यायाधीशों की खंडपीठ ने जोर दिया कि अनुबंध सेवा को भी प्रारंभिक नियुक्ति मानते हुए वित्तीय लाभ, वरिष्ठता और परिणामी लाभ नियुक्ति की तिथि से ही दिए जाएं। सरकार को इन लाभों को लागू करने की प्रक्रिया तीन माह के भीतर शुरू करने का निर्देश भी दिया गया। भारतीय संविधान के अनुच्छेद 14 समानता का अधिकार और अनुच्छेद 16 सरकारी नौकरियों में अवसर की समानता कर्मचारियों के अधिकारों की मजबूत गारंटी हैं। उच्च न्यायालय ने इस फैसले में पुष्टि की कि राज्य कल्याणकारी राज्य की अवधारणा को केवल भाषणों और चुनावी घोषणाओं तक सीमित नहीं रख सकता। जब सरकारें वित्तीय संकट का हवाला देकर कर्मचारियों के अधिकारों में कटौती करती हैं, तो न्यायपालिका का हस्तक्षेप संवैधानिक संतुलन बनाए रखने के लिए अनिवार्य हो जाता है। यह फैसला इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि यह रेट्रोस्पेक्टिव कानून के दुरुपयोग को रोकता है। विधायिका कानून बना सकती है, लेकिन न्यायालय के फैसलों को प्रभावहीन बनाने या कर्मचारियों के हक को छीनने के लिए नहीं। इससे लोकतंत्र में शक्ति विभाजन का सिद्धांत और मजबूत होता है। हिमाचल उच्च न्यायालय ने पहले भी कई मामलों में अनुबंध सेवा को गिनने का सिद्धांत स्थापित किया है, जैसे दैनिक वेतनभोगी या अनुबंध कर्मचारियों की नियमितीकरण नीति में प्रारंभिक तिथि से सेवा गिनने के मामले। आज सरकारी नौकरियों में चयनित होने वाले युवा दो मुख्य श्रेणियों में आते हैं। पहली वे जो सीधे लोक सेवा आयोग या चयन आयोग के माध्यम से नियमित रूप से आते हैं। दूसरी वे जो अनुबंध पर शुरुआत करते हैं लेकिन वर्षों तक बिना किसी सुरक्षा के सेवा देते हैं। दोनों ही श्रेणियों में मेहनत समान है। अनुबंध कर्मचारी अक्सर कम वेतन, बिना पेंशन और अन्य सुविधाओं के लंबे समय तक काम करते हैं, फिर भी वे शिक्षा, स्वास्थ्य, वन, पर्यटन, राजस्व और अन्य विभागों में शासन व्यवस्था की रीढ़ की हड्डी की तरह काम करते हैं। यदि उनकी सेवा अवधि को केवल नियमितीकरण की तिथि से गिना जाए, तो यह उनके साथ दोहरा अन्याय होगा- पहले कम वेतन पर काम करवाना, फिर वरिष्ठता और लाभों से वंचित रखना। उच्च न्यायालय का फैसला इस दोहरे मापदंड को अस्वीकार करता है। यह जोर देता है कि यदि प्रारंभिक नियुक्ति नियमों के अनुसार हुई है और सेवा निरंतर रही है, तो पूरी सेवा अवधि वरिष्ठता, वेतन वृद्धि और अन्य लाभों के लिए गिनी जाए। इसके अलावा प्रतियोगी परीक्षाओं से आए कर्मचारियों का मनोबल बनाए रखना बहुत जरूरी है। वर्षों की तैयारी के बाद नौकरी पाने वाले युवा अगर सेवा शर्तों में अस्थिरता महसूस करते हैं, तो न केवल उनका उत्साह घटता है, बल्कि भ्रष्टाचार और कम कार्यक्षमता जैसी समस्याएं भी बढ़ सकती हैं। कई अध्ययनों और अनुभवों से पता चलता है कि सुरक्षित सेवा शर्तें कर्मचारियों की उत्पादकता बढ़ाती हैं और जनसेवा की गुणवत्ता सुधारती हैं। कोई भी राज्य सरकार वित्तीय चुनौतियों से अछूती नहीं है। बढ़ता कर्ज, सीमित संसाधन, बढ़ती जन अपेक्षाएं और केंद्र से मिलने वाले अनुदानों की सीमाएं- ये वास्तविकताएं हैं। लेकिन समाधान कर्मचारियों के अधिकारों में कटौती नहीं हो सकता। कर्मचारी शासन की कार्यक्षमता के केंद्र बिंदु हैं। यदि उनका मनोबल गिरता है, तो प्रशासनिक दक्षता, नीतियों का क्रियान्वयन और अंततः जनसेवा दोनों प्रभावित होती हैं। सरकार को वैकल्पिक रास्ते अपनाने चाहिए। कर्मचारी हित सुरक्षित होने चाहिएं।

हिमाचल प्रदेश उच्च न्यायालय का हालिया फैसला, जिसमें हिमाचल प्रदेश सरकारी कर्मचारी भर्ती एवं सेवा शर्तें अधिनियम 2024 को पूरी तरह निरस्त कर दिया गया, इसी विश्वास की रक्षा का एक मजबूत प्रतीक है। यह राज्य सरकारों को स्पष्ट संदेश देता है कि कर्मचारियों के वैध अधिकारों को वित्तीय दबाव के नाम पर कुचला नहीं जा सकता। खासकर अनुबंध पर कार्यरत कर्मचारियों की वरिष्ठता, वार्षिक वेतन वृद्धि, वित्तीय लाभ, पदोन्नति और अन्य सेवा शर्तों को उनकी प्रारंभिक नियुक्ति की तिथि से ही गिनने का सिद्धांत न्यायालय ने फिर से मजबूती से स्थापित किया है। इस फैसले से प्रदेश के हजारों अनुबंध कर्मचारियों और नियमितीकरण की प्रक्रिया से गुजर रहे युवाओं को बड़ी राहत मिली है।

आप का नजरीया

# हफ्ता गुजारें हिमाचल में

**सवाल** यह नहीं कि हिमाचल में पर्यटक सबसे अधिक संख्या में कहां जाना चाहते हैं, मगर यह बताने की जरूरत है कि वे अब तक कहां नहीं जा पाए। कुछ सैलानी केवल एक बार आएंगे, कुछ बार-बार आएंगे। कुछ सुबह आएंगे, शाम को लौट जाएंगे और कुछ कहीं सुकून में ठहर जाएंगे। पर्यटन के मार्फत इनसानी रूह का सुकून विकसित हो, तो इस सफर के कई आयाम निकल आएंगे। हिमाचल के संदर्भ में नए दौर के पर्यटन को समझना जरूरी है और सैलानियों को किसी एक गंतव्य की बड़ी खरीद से बचा कर, उन्हें कुछ नया दिखाने की जिद होनी चाहिए, ताकि हिमाचल में भीड़ कम, पर्यटकों का ठहराव कहीं ज्यादा बढ़े। इस दृष्टि से हमें पूरी पर्यटन इंडस्ट्री को कई हिस्सों में बांट कर देखना होगा। यह भी देखना होगा कि किस वय और किस वर्ग में हिमाचल लोकप्रिय डेस्टिनेशन है। हमारे पास मंदिरों की इतनी श्रृंखला तो है कि आस्था के सारे कदम यहां तक पहुंचें। विडंबना यह है कि मंदिरों का प्रशासन एक रूटीन है, जबकि इन्हें धार्मिक पर्यटन के लहजे में विकसित करना होगा। मंदिर सिर्फ दर्शन नहीं, यात्राओं के समागम, शांति के स्थल, सांस्कृतिक-धार्मिक ऊर्जा के मंच, हिमाचली उत्पादों की पसंद और जीवन की उथल-पुथल से हट कर, चंद रोज का पैकेज बनें। क्या हमने यह जिम्मेदारी पर्यटन विभाग या उसकी योजनाओं को दी। हम ज्वालाजी, चिंतपूर्णी, कांगड़ा, चामुंडा, दियोटसिद्ध, नयनादेवी, बाला सुंदरी या बैजनाथ की यात्रा पर निकले श्रद्धालु को कैसे पांच-सात दिन रोक पाएंगे, इसके ऊपर आधारित योजनाएं बनानी चाहिएं। उदाहरण के लिए चिंतपूर्णी या दियोटसिद्ध की मंदिर परिधि को अगर दस-पंद्रह किलोमीटर के दायरे में एक मास्टर प्लान के तहत विस्तार दें, तो पर्यटकों को लाजिमी तौर पर कुछ दिन बिताने का बहाना मिलेगा। हमारे पर्यटन का स्लोगन होना चाहिए, 'हिमाचल में एक हफ्ता तो गुजारें।' मंदिरों के वार्षिक, धार्मिक व सांस्कृतिक समारोहों को नई अधोसंरचना के तहत निखारें, ताकि ये हिमाचल के कला केंद्र बनें। अगर हर प्रमुख मंदिर के साथ कला केंद्र विकसित करते हुए हम कलाओं, वास्तुकलाओं के साथ कलाकारों के माध्यम से हिमाचल में गीत-संगीत एवं नृत्य को पेश करते हुए, इससे रोजगार पैदा करेंगे, तो पर्यटक ठहराव के बहाने बढ़ जाएंगे। मंदिरों के माध्यम से केवल चंद पुजारियों के हित न देखते हुए, इन्हें एक केंद्रीय ट्रस्ट या मंदिर विकास प्राधिकरण के तहत चलाएं, तो स्थायी रूप से प्रबंधकीय सुधार होंगे। हिमाचल की आबो हवा में ऋतुएं अगर रंग बदलती हैं, तो इनके सदके में पर्यटन को अपनी विशेषताएं ढूंढते हुए सैलानियों के लिए रंग, सरगम और त्योहार सौंपने होंगे। हम हरोली उत्सव में नचा सकते हैं, लेकिन पूरे मेलों को पर्यटन की रेहड़ी पर सजाएं, तो विविधताओं के कई ताज सामने आएंगे। जाहिर है इसके लिए भी मेला विकास प्राधिकरण का गठन करके तमाम छोटे-बड़े मेलों के प्रारूप, सांस्कृतिक महत्त्व, ट्रेड की संभावनाओं और कुश्तियों के अखाड़ों को पर्यटन की दृष्टि से समृद्ध कर सकते हैं। इस समय हिमाचल में पर्यटन व मेलों के सीजन एक साथ चल रहे हैं, लेकिन क्या दोनों में कोई तालमेल है या मेले पर्यटकों के लायक बने। जाहिर है मेलों के स्थल, स्तर, प्रारूप और आकर्षणों को तराश कर इस महफिल को घुमक्कड़ी का ठहराव बना सकते हैं। पर्यटकों के चार-छह चुनिंदा गंतव्यों को अब नए प्रदर्शन का प्रस्थान केंद्र भी बनाना होगा। इस संदर्भ में एचआरटीसी को अपना पर्यटक विंग बनाते हुए ऐसे रूट बनाने होंगे, जो एक स्थल पर रुके मेहमानों को दूसरे स्थल तक ले जाकर फिर वापस छोड़ सकें। मसलन धर्मशाला में ठहरे पर्यटकों को रोजाना ऐसी बसें या छोटी गाडियों के पैकेज उपलब्ध हों, जो उन्हें पालमपुर, बीड़-बिलिंग ले जाकर शाम को वापस छोड़ दें। इसी तरह बीड़-बिलिंग, डलहौजी, शिमला, मनाली व अन्य पर्यटक स्थलों से विशेष वाहन अन्य स्थानों को जोड़ कर यात्रा पैकेज बनाएं, ताकि रोजाना सैलानी एक नए अनुभव से गुजरें।

हिमाचल के संदर्भ में नए दौर के पर्यटन को समझना जरूरी है और सैलानियों को किसी एक गंतव्य की बड़ी खरीद से बचा कर, उन्हें कुछ नया दिखाने की जिद होनी चाहिए, ताकि हिमाचल में भीड़ कम, पर्यटकों का ठहराव कहीं ज्यादा बढ़े। इस दृष्टि से हमें पूरी पर्यटन इंडस्ट्री को कई हिस्सों में बांट कर देखना होगा। यह भी देखना होगा कि किस वय और किस वर्ग में हिमाचल लोकप्रिय डेस्टिनेशन है। हमारे पास मंदिरों की इतनी श्रृंखला तो है कि आस्था के सारे कदम यहां तक पहुंचें। विडंबना यह है कि मंदिरों का प्रशासन एक रूटीन है, जबकि इन्हें धार्मिक पर्यटन के लहजे में विकसित करना होगा। मंदिर सिर्फ दर्शन नहीं, यात्राओं के समागम, शांति के स्थल, सांस्कृतिक-धार्मिक ऊर्जा के मंच, हिमाचली उत्पादों की पसंद और जीवन की उथल-पुथल से हट कर, चंद रोज का पैकेज बनें। क्या हमने यह जिम्मेदारी पर्यटन विभाग या उसकी योजनाओं को दी। हम ज्वालाजी, चिंतपूर्णी, कांगड़ा, चामुंडा, दियोटसिद्ध, नयनादेवी, बाला सुंदरी या बैजनाथ की यात्रा पर निकले श्रद्धालु को कैसे पांच-सात दिन रोक पाएंगे, इसके ऊपर आधारित योजनाएं बनानी चाहिएं। उदाहरण के लिए चिंतपूर्णी या दियोटसिद्ध की मंदिर परिधि को अगर दस-पंद्रह किलोमीटर के दायरे में एक मास्टर प्लान के तहत विस्तार दें, तो पर्यटकों को लाजिमी तौर पर कुछ दिन बिताने का बहाना मिलेगा।

दृष्टि कोण

# आखिर दुनिया का "थानेदार" ट्रंप और उनका अमेरिका खुद इतना असुरक्षित क्यों है?

**आखिर** दुनिया का "थानेदार" कहे जाने वाला अमेरिका खुद असुरक्षित क्यों दिखता है? असल में यह एक मिथक और हकीकत का मिश्रण है। अमेरिका के नेता, जैसे डोनाल्ड ट्रम्प के "असुरक्षित" दिखने के पीछे कई परतें होती हैं, क्योंकि उनकी मौजूदगी वाले स्थल पर यह तीसरा बड़ा हमला है। इसलिए यह सिर्फ व्यक्तिगत नहीं, बल्कि राजनीतिक, संस्थागत और वैश्विक कारणों का मिश्रण है। पहला, वैश्विक नेतृत्व का दबावः अमेरिका लंबे समय से खुद को विश्व नेतृत्व की भूमिका में रखता है। जब कोई देश या नेता इतनी बड़ी जिम्मेदारी उठाता है, तो हर निर्णय पर आलोचना और चुनौती स्वाभाविक होती है- चाहे वह शीत युद्ध के बाद की वैश्विक व्यवस्था हो या आज की बहुध्रुवीय दुनिया, अमेरिका ने हर चुनौतियों से सीखा और बेहतर समाधान देने की कोशिश की। दूसरा, घरेलू राजनीति की तीखी प्रतिस्पर्धाः डॉनल्ड ट्रंप की राजनीति बहुत ध्रुवीकृत रही है। अमेरिका के अंदर ही डेमोक्रेट और रिपब्लिकन के बीच तीखी टकराहट, मीडिया की आलोचना, और चुनावी दबाव—ये सब किसी भी नेता को "रक्षात्मक" या असुरक्षित दिखा सकते हैं। तीसरा, कानूनी और व्यक्तिगत विवादः ट्रंप कई कानूनी मामलों, जांचों और विवादों से घिरे रहे हैं। ऐसी स्थिति में कोई भी नेता अपनी छवि और राजनीतिक भविष्य को लेकर सतर्क—कभी-कभी असुरक्षित—दिख सकता है। चौथा, बदलती वैश्विक शक्ति-संतुलनः अब दुनिया एकध्रुवीय नहीं रही। चीन, रूस जैसे देश चुनौती दे रहे हैं। इससे अमेरिका की "थानेदार" वाली स्थिति पहले जैसी निर्विवाद नहीं रही, और यह असुरक्षा की भावना पैदा कर सकता है। ट्रंप की राजनीति में "हम बनाम वे" का नैरेटिव मजबूत रहा है। इस शैली में नेता अक्सर खतरे को बड़ा दिखाते हैं—चाहे वह बाहरी हो या आंतरिक—ताकि समर्थकों को एकजुट रखा जा सके। इससे भी "असुरक्षा" का आभास होता है। अमेरिका में लंबे समय में अपराध दर (crime rate) घटी है, खासकर 1990 के बाद से, लेकिन फिर भी लगभग 46% लोग खुद को असुरक्षित महसूस करते हैं। यानी समस्या सिर्फ अपराध नहीं, बल्कि डर का माहौल भी है कारण स्पष्ट है कि मीडिया, सोशल मीडिया, और मास शूटिंग जैसी घटनाएं लोगों के दिमाग में डर बढ़ाती हैं। सातवां, आर्थिक असमानताः अमेरिका दुनिया का सबसे अमीर देशों में है, लेकिन अमीर-गरीब का अंतर बहुत बड़ा है बेरोजगारी, घर विहीनता, opioid crisis जैसी समस्याएं अपराध को बढ़ाती हैं। जहां असमानता ज्यादा होती है, वहां अपराध और असुरक्षा भी ज्यादा होती है। आठवां, हथियार संस्कृतिः अमेरिका में आम नागरिक के पास बड़ी संख्या में हथियार हैं। इससे छोटी घटनाएं भी घातक बन सकती हैं, जैसे शूटिंग इंसीडेंट्स। यही कारण है कि हिंसात्मक अपराध का डर ज्यादा रहता है। नौवां, अपराध का "केंद्रित" होनाः पूरे अमेरिका में समान खतरा नहीं है, बल्कि अपराध कुछ खास शहरों या इलाकों में ज्यादा केंद्रित होता है। इसलिएः कुछ जगह बहुत सुरक्षित है पर कुछ जगह बहुत खतरनाक। दसवां,, मीडिया और राजनीति का प्रभावः लगातार चौबीस घण्टे सातों दिन न्यूज और सोशल मीडिया "खतरे" को अम्प्लीफाय (amplify) करते हैं। लोग वास्तविकता से ज्यादा डर महसूस करते हैं। "भय अर्थव्यवस्था" भी एक फैक्टर है। ग्यारहवां, पुलिस और सिस्टम की सीमाएँः अमेरिका पुलिस और जेल पर बहुत खर्च करता है, फिर भी मूल कारणों, जैसे- गरीबी, मानसिक स्वास्थ्य, नशा आदि पर कम ध्यान दिया जाता है। इसलिए सुरक्षा का ढांचा "प्रतिक्रियावादी" है, "सुरक्षात्मक/संरक्षात्मक" कम। बारहवां, सामाजिक व्यवहार और जीवनशैलीः सड़क हादसे, नशा, मानसिक तनाव—ये भी असुरक्षा के बड़े कारण हैं कई मामलों में व्यवहार भी जिम्मेदार है।

# पायलट कही नहीं जाएंगे, वे कांग्रेस में थे, है और रहेंगे : अशोक गहलोत

**जयपुर ( हिंस )।** पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने दावे के साथ कहा है कि सचिन पायलट कांग्रेस में हैं और कांग्रेस में रहेंगे। जो पहले गुमराह कर हमारे लोगों को मानेसर ले गए थे उनके मन की मन में ही रह जाएगी। सचिन पायलट को अनुभव हो गया है कि इस प्रकार की गलती करने के क्या अंजाम होते हैं। इसलिए अब वो समझ गए हैं, संभल भी गए हैं। मैं उम्मीद करता हूं अब वो हमें छोड़ के कभी नहीं जाएंगे और हमारी पूरी पार्टी उनके साथ एकजुट है। गहलोत सोमवार को एयरपोर्ट पर पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। इस दौरान भाजपा के प्रदेश प्रभारी राधा मोहन दास अग्रवाल के सोमवार को टोंक में पायलट पर तंज कसते हुए दिए गए बयान पर गहलोत ने यह बात कही। अग्रवाल ने कहा था कि पायलट टोंक के स्थानीय विधायक हैं, वे बहुरूपिया हैं, उनकी एक टांग कांग्रेस में रहती है, एक जाने कहां रहती है। जयपुर एयरपोर्ट पर गहलोत ने बीजेपी प्रदेश प्रभारी के बयान पर पलटवार करते हुए पायलट के कांग्रेस में ही रहने और अब उनके संभलने और समझने की बात कही। गहलोत ने कहा कि *उनकी दोनों टांगे कांग्रेस में हैं और आगे भी कांग्रेस में ही रहेंगी।* उन्होंने संकेत दिया कि जो लोग पहले भटक गए थे, वे अब वापस पार्टी में आएंगे। इस दौरान गहलोत ने भाजपा और चुनावी प्रक्रिया पर तीखा हमला बोला। उन्होंने पश्चिम बंगाल चुनाव को लेकर कहा कि वहां *हथकंडों वाला चुनाव* हो रहा है और निष्पक्षता पर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। गहलोत ने कहा कि अभी परिणाम को लेकर कुछ भी कहना जल्दबाजी होगी। चार तारीख का इंतजार कीजिए, वहां कड़ी टक्कर है। उन्होंने आरोप लगाया कि चुनाव में धन का दुरुपयोग हो रहा है। उन्होंने ईसीआई की भूमिका पर भी सवाल खड़े किए। गहलोत ने कहा कि आजादी के बाद इस तरह का माहौल कभी नहीं देखा, चुनाव आयोग की जिम्मेदारी है कि निष्पक्ष चुनाव कराए। गहलोत ने कहा कि सड़कों पर भारी सुरक्षा बलों और बख्तरबंद गाड़ियों की तैनाती से डर का माहौल बनाया जा रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि लोगों को धमकाया जा रहा है और वोटिंग प्रक्रिया प्रभावित हो रही है। उन्होंने कहा कि अगर पश्चिम बंगाल में भाजपा जीतती है तो यह उनकी जीत नहीं बल्कि उनके हथकंडों की जीत होगी। वहीं अगर चुनाव आयोग निष्पक्षता बनाए रखने में असफल रहता है, तो यह लोकतंत्र के लिए खतरनाक संकेत होगा। गहलोत ने राहुल गांधी के बयान का समर्थन करते हुए कहा कि कुछ परिस्थितियों और शिकायतों के कारण भाजपा को बंगाल में घुसपैठ का मौका मिला है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि पहले भी षड्यंत्रों के जरिए सरकारों को गिराने की कोशिशें हुई हैं। गहलोत के बयान से साफ है कि कांग्रेस पश्चिम बंगाल चुनाव को लेकर आक्रामक रुख अपनाए हुए है। उन्होंने एक ओर पार्टी एकजुटता का संदेश दिया, वहीं दूसरी ओर चुनावी प्रक्रिया की निष्पक्षता पर गंभीर सवाल उठाए।

## बांसवाड़ा के टामटिया गांव में हिंसा के बाद तनाव युवक की हत्या के बाद 30 से अधिक घर जलाए

**बांसवाड़ा ( हिंस )।** बांसवाड़ा जिले के मोटा गांव थाना क्षेत्र स्थित टामटिया गांव में रविवार देर रात हुए हिंसक विवाद के बाद सोमवार को भी तनाव बना हुआ है। हालात को देखते हुए मौके पर चार थानों की पुलिस तैनात की गई है, जबकि जिला मुख्यालय से अतिरिक्त पुलिस बल भी भेजा गया है। बाहरी लोगों के गांव में प्रवेश पर रोक लगा दी गई है। पुलिस के अनुसार प्रेम-प्रसंग और पुरानी रंजिश के चलते दो पक्षों में विवाद हुआ, जिसमें कुल्हाड़ी से वार कर गोविंद पुत्र छगनलाल की हत्या कर दी गई। घटना के बाद आक्रोशित परिजनों और ग्रामीणों ने दूसरे पक्ष के घरों और बाड़ों में तोड़फोड़ करते हुए आगजनी कर दी। इस दौरान 30 से अधिक घरों को आग के हवाले कर दिया गया तथा पथराव भी हुआ। कई वाहनों को भी नुकसान पहुंचाया गया। घटना की सूचना पर जब पुलिस मौके पर पहुंची तो उग्र भीड़ ने पथराव कर पुलिस को गांव में प्रवेश करने से रोक दिया। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए अतिरिक्त बल बुलाया गया। रात में फायर ब्रिगेड की गाड़ियां भेजकर आग पर काबू पाया गया, हालांकि कई घर पूरी तरह जलकर खाक हो गए। मोटा गांव थानाधिकारी रमेश चंद्र ने बताया कि मामला प्रेम-प्रसंग से जुड़ा है और दोनों पक्षों के बीच पहले भी विवाद हो चुका था। फिलहाल पुलिस दोनों पक्षों से बातचीत कर शांति बहाल करने का प्रयास कर रही है। पुलिस अधीक्षक सुधीर जोशी तथा एसडीएम मनसुख डामोर मौके पर पहुंच और स्थिति पर लगातार नजर रखे हुए हैं। पुलिस ने आरोपियों की पहचान कर ली है तथा उनकी गिरफ्तारी के लिए दबिश दी जा रही है। सोमवार सुबह भी बड़ी संख्या में ग्रामीण मोटा गांव थाने पहुंच रहे हैं और आरोपियों की शीघ्र गिरफ्तारी की मांग कर रहे हैं। प्रशासन ने गांव के प्रमुख स्थानों पर लोगों के एकत्र होने पर रोक लगाई है और क्षेत्र में शांति बनाए रखने की अपील की है।

## गौभक्तों ने प्रदर्शन कर एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

**जींद ( हिंस )।** जयति-जयति हिंदू महान संगठन के आह्वान पर जिलाभर में गोभोक्तों ने शहर में प्रदर्शन किया और गो सम्मान दिवस मनाया। प्रदर्शनकारी गौभक्त लघु सचिवालय पहुंचे और मांगों को लेकर एसडीएम को सौंपा। प्रदर्शन से पहले गौभक्तों को संबोधित करते हुए जयति-जयति हिंदू महान संगठन के संयोजक अतुल चौहान ने सोमवार को कहा कि भारतीय वेदलक्षणा गोमाता एवं अखंड नंदी बाबा की प्रेरणा से गो सम्मान आह्वान अभियान चलाया जा रहा है। जिसके तहत सोमवार को प्रदेशभर में गौभक्तों ने गो सम्मान को लेकर प्रशासन के माध्यम से सरकार को ज्ञापन भेजे हैं। ज्ञापन में भारतीय संविधान के अनुच्छेद 48 एवं 51एजी की मूल भावना का हवाला देते हुए अखिल भारतीय वेदलक्षणा गोवंश की रक्षा के लिए सख्त कानून बनाने की मांग की गई है। केंद्र सरकार राष्ट्रमाता, राष्ट्र आराध्या के रूप में गोमाता को सांविधानिक दर्जा प्रदान करे और केंद्रीय गोसेवा मंत्रालय का गठन किया जाए। उन्होंने कहा कि हाल ही में ब्रज क्षेत्र के पावन प्रवास के दौरान जीवनधन अभियान के तहत गोपूजन कार्यक्रम आयोजित किया गया था। जिससे पूरे राष्ट्र में गोवंश संरक्षण की चेतना जागृत हुई है। आज गोवध, तस्करी और क्रूरता के कारण देशी गोवंश की संख्या तेजी से घट रही है। ऐसे में गोसंवर्धन के लिए और पशुधन संरक्षण के लिए प्रभावी कदम उठाने की आवश्यकता है। उन्होंने संविधान के अनुच्छेद 48 के तहत राज्य नीति निर्देशक तत्वों का हवाला देते हुए मांग की कि गोवंश संरक्षण को राष्ट्रीय नीति का हिस्सा बनाया जाए। साथ ही खेतों में गोमूत्र और गोबर के उपयोग को बढ़ावा देकर किसानों की आय बढ़ाने और पर्यावरण संरक्षण पर विशेष जोर दिया गया। गोवंश की रक्षा के लिए सभी गोभक्त पूर्ण प्रतिबद्ध हैं। गोमाता की रक्षा करना सिर्फ धार्मिक कर्तव्य नही बल्कि संवैधानिक दायित्व और राष्ट्र की सांस्कृतिक पहचान को मजबूत करना है। वहीं सफीदों में दीपक चौहान के नेतृत्व में गौभक्त नागक्षेत्र हाल में एकत्रित हुए और गाय को राष्ट्र माता का दर्जा दिलवाने भारत में गो हत्या का पूर्ण प्रतिबंध गौ सेवा के लिए केंद्रीय कानून एवं गौ मंत्रालय का गठन के लिए हस्ताक्षर करवाए। गौरक्षक प्रमोद श्योकंद के नेतृत्व में नरवाना में भी ज्ञापन सौंपा गया।

## एक माह बाद जोधपुर एयरपोर्ट आज से शुरू

**जोधपुर ( हिंस )।** रनवे मरम्मत कार्य के चलते पिछले करीब एक महीने से बंद जोधपुर एयरपोर्ट मंगलवार से फिर शुरू हो रहा है। इसी के साथ जोधपुर एयरपोर्ट पर समर शेड्यूल लागू हो जाएगा। इस बार छह शहरों के लिए 9 उड़ानें संचालित होनी हैं। सभी फ्लाइट्स समर शेड्यूल के तहत चलेंगी। बताया गया है कि दिल्ली, मुंबई, बेंगलुरू, अहमदाबाद, पुणे और हैदराबाद सहित छह शहरों से कनेक्टिविटी रहेगी। हमेशा की तरह इस गर्मी में भी जयपुर-जोधपुर फ्लाइट बंद कर दी गई है। इसके अलावा इंदौर के लिए भी फ्लाइट नहीं है, लेकिन दूसरी तरफ इस साल पहली बार गर्मियों में जैसलमेर एयरपोर्ट का संचालन शुरू किया जा रहा है। जैसलमेर एयरपोर्ट से 3 मई से एकमात्र जैसलमेर-जयपुर उड़ान का संचालन एलायंस एयर की ओर से किया जाएगा। इससे जोधपुर आने वाले यात्री जैसलमेर जाकर वापसी में आसानी से जयपुर होते हुए दिल्ली लौट सकेंगे। एयरपोर्ट निदेशक मनोज उनियाल ने बताया कि 28 अप्रैल से फ्लाइट्स का संचालन वापस शुरू हो जाएगा। एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया ने हाल में फ्लाइट्स का समर शिड्यूल जारी किया था, जो पूरे देश में 28 मार्च से लागू हो गया था, लेकिन जोधपुर एयरपोर्ट 28 अप्रैल से खुलने के साथ समर शिड्यूल लागू होगा। इसमें दिल्ली, मुंबई, बेंगलुरू, अहमदाबाद, पुणे और हैदराबाद के लिए कुल 9 फ्लाइट्स के 18 फेरे संचालित होंगे। पहली फ्लाइट सुबह 8.45 बजे लैंड करेगी और आखिरी शाम 4.15 बजे। जबकि टेकऑफ सुबह 9.20 से शाम 4.45 बजे तक होंगे। इंडिगो और एयर इंडिया के अलावा इस बार एयर इंडिया एक्सप्रेस ने भी जोधपुर से अपनी सेवाएं जारी रखने का निर्णय किया है। एयर इंडिया अपनी एकमात्र जोधपुर-बेंगलूरू उड़ान का संचालन करेंगी। नए शिड्यूल में जोधपुर से दिल्ली व मुंबई के लिए रोजना दो दो फ्लाइट्स होंगी। बेंगलुरू के लिए दो फ्लाइट्स होगी, लेकिन प्रतिदिन नहीं होगी। इंडिगो की फ्लाइट सोमवार, बुधवार, शुक्रवार व रविवार को उड़ेंगी। जबकि एयर इंडिया एक्सप्रेस की शनिवार को छोड़कर प्रतिदिन संचालित होगी। अहमदाबाद के लिए बुधवार के अलावा सप्ताह के बाकी दिनों फ्लाइट्स मिलेगी। पुणे और हैदराबाद के लिए रोजाना एक एक उड़ान होगी। उन्होंने बताया कि एयरफोर्स स्टेशन का रनवे भूजल से प्रभावित होने से वापस तैयार हो रहा है। इसके तहत एक से 28 मार्च तक बिना ऑपरेशन रोके ही काम चलता रहा। सेकंड फेज में 29 मार्च से एक माह के लिए फ्लाइट्स बंद रखी गई। 28 मार्च को फ्लाइट्स शुरू होने के साथ साथ काम भी चलता रहेगा।

## सात नए आईएएस मिलने से राजस्थान कैडर को मिलेगी अधिक मजबूती : मुख्य सचिव

**जयपुर ( हिंस )।** मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने एचसीएमरीपा में राजस्थान कैडर में शामिल हो रहे आईएएस बैच 2025 के 7 प्रशिक्षुओं अधिकारी के साथ संवाद करते हुए उनका राजस्थान की गौरवशाली प्रशासनिक परंपरा में स्वागत किया तथा राज्य के शासन दर्शन *मैक्सिमम गवर्नेंस-मिनिमम गवर्नमेंट* पर बल दिया। इस संवाद में एचसीएमरीपा की महानिदेशक श्रेया गुहा ने भी प्रशिक्षु अधिकारियों का मार्गदर्शन किया। श्रीनिवास ने राजस्थान के नागरिक-केंद्रित शासन मॉडल को विस्तार से समझाते हुए समयबद्ध जन-शिकायत निवारण, प्रत्येक पात्र तक कल्याणकारी योजनाओं की पहुंच और लाभ, आधारभूत संरचना विकास, डिजिटल शासन, प्रशासनिक सुधार तथा संस्थागत ईमानदारी पर विशेष ध्यान देने की बात कही। उन्होंने प्रशिक्षु अधिकारियों को मिशन कर्मयोगी, तकनीक-आधारित शासन, जनसंपर्क, मुख्यमंत्री ग्राम विकास अभियान, राज उन्नति तथा महिला सशक्तीकरण जैसी पहलों का प्रभावी उपयोग करते हुए संवैधानिक मूल्यों, निष्पक्षता, पारदर्शिता और लोक सेवा की भावना को बनाए रखने के लिए प्रेरित किया। मुख्य सचिव ने सभी 07 अधिकारियों से समर्पण, नवाचार और नेतृत्व के साथ कार्य करने का आह्वान किया ताकि वे प्रशासनिक संस्थाओं को सुदृढ़ करते हुए विकसित राजस्थान ञ्च2047, विकसित भारतएटरेट2047, आत्मनिर्भर भारत के विजन को साकार करने में सार्थक योगदान दे सकें।

## जिले के बनमा ईटहरी में एक ही परिवार के 6 लोगों ने खाया जहर दो बच्चों की हालत नाजुक

**सहरसा ( हिंस )।** बिहार के सहरसा जिले के बनमा ईटहरी थाना क्षेत्र स्थित भगवानपुर गांव में सोमवार को उस वक्त हड़कंप मच गया, जब एक ही परिवार के छह लोगों द्वारा संदिग्ध परिस्थितियों में जहर खाने की घटना सामने आई। इस हृदयविदारक घटना में एक महिला और उसके पांच बच्चे शामिल हैं, जिन्हें गंभीर हालत में इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। स्थानीय लोगों की तत्परता से सभी पीड़ितों कोआनन-फानन में शहर के एक निजी अस्पताल में पहुंचाया गया, जहां डॉक्टरों की टीम उनका इलाज कर रही है। चिकित्सकों के अनुसार, छह में से दो बच्चों की स्थिति अत्यंत नाजुक बनी हुई है, जबकि अन्य चार की हालत फिलहाल स्थिर बताई जा रही है। घटना की सूचना मिलते ही सदर थाना पुलिस अस्पताल पहुंची और पीड़ितों से जुड़े परिजनों एवं स्थानीय लोगों से पूछताछ शुरू कर दी है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि जहर खाने के पीछे के कारणों का अभी तक स्पष्ट पता नहीं चल सका है। प्रारंभिक जांच में घरेलू विवाद सहित अन्य संभावित कारणों को ध्यान में रखते हुए जांच आगे बढ़ाई जा रही है। वहीं, बनमा ईटहरी थाना पुलिस को भी मामले की सूचना दे दी गई है और घटनास्थल पर छानबीन जारी है। इस घटना के बाद पूरे इलाके में दहशत और चिंता का माहौल बना हुआ है। पुलिस ने आश्वासन दिया है कि जल्द ही मामले का खुलासा कर लिया जाएगा।

## राजस्थान की शान में सजी खूबसूरती की महफिल : दामिनी बनीं मिसेज राजस्थान

**जयपुर ( हिंस )।** गुलाबी नगरी के सूर्या पैराडाइज में सौंदर्य प्रतियोगिता *राजस्थान की शान* का ग्रैंड फिनाले हर्षोल्लास के साथ आयोजित किया गया। इस भव्य समारोह में प्रदेशभर से आए हुनरमंद प्रतिभागियों ने रैंप पर अपना जलवा बिखेरा। कार्यक्रम में विवाहित और अविवाहित श्रेणियों में विजेताओं की घोषणा की गई, जिसमें दामिनी वर्मा ने *मिसेज राजस्थान* का खिताब अपने नाम किया। प्रतियोगिता के कड़े मुकाबलों के बीच शिक्षा कुमारी और हीर दासवानी को *मिस राजस्थान* चुना गया। इनके साथ ही अबनूर कौर और आद्विका भी प्रतियोगिता की विभिन्न श्रेणियों में विजेता बनकर उभरीं। विजेताओं के नामों की घोषणा होते ही पूरा हॉल तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा। फिनाले की शाम को और भी यादगार बनाने के लिए बॉलीवुड अभिनेता अंकित शर्मा और सेलिब्रिटी पूजा शर्मा मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। समारोह में ग्लैमर जगत की कई नामी हस्तियों ने शिरकत की। जिनमें फिल्म अभिनेत्री सनाया सैनी और मॉडल ईशा कोहली, आंचल पुरी, किशोर गीठाला, शगुन वर्मा और गुरु रेखा सैनी, हेमेंद्र गोस्वामी और सुशीला सारस्वत सहित कई गणमान्य लोग मौजूद रहे। शो की आयोजक स्नेहा शर्मा ने सफल आयोजन पर खुशी जाहिर करते हुए बताया कि इस शो को सफल बनाने में *पैशन* की पूरी इवेंट टीम का विशेष योगदान रहा। उन्होंने स्पॉन्सर राधिका कल्चर सोसायटी और भगवती प्रॉपर्टी के कमलेश भारद्वाज सहित सभी साथियों के सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया और धन्यवाद ज्ञापित किया।

## प्रथम चरण की भारी सफलता, दूसरे चरण का ऐतिहासिक जनसैलाब, बंगाल में भाजपा की सरकार तय : प्रेम रंजन

**पटना ( हिंस )।** भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता एवं पूर्व विधायक प्रेम रंजन पटेल ने प्रेस बयान जारी कर कहा है कि पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के प्रथम चरण से ही जनता का रुझान स्पष्ट रूप से परिवर्तन की दिशा में दिखाई दे रहा है। पहले चरण के मतदान ने स्पष्ट संकेत दे दिया है कि राज्य की जनता अब विकास, सुशासन और सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए एक नई सरकार बनाने के लिए मन बना चुकी है। उन्होंने कहा कि दूसरे चरण के अंतिम दिन प्रचार के दौरान देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह तथा उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्य नाथ की सभाओं में उमड़ी भीड़ ने स्पष्ट कर दिया कि पश्चिम बंगाल में बदलाव की लहर चल रही है। जनता का उत्साह, भागीदारी और समर्थन इस बात का प्रमाण है कि राज्य में अब निर्णायक परिवर्तन होना तय हो चुका है। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी ने परिवर्तन के साथ विकास और सुरक्षा के साथ स्थिर शासन का जो संकल्प रखा है, वह आज बंगाल की जनता की अपेक्षाओं के साथ दिखता नजर आ रहा है। लम्बे समय से चली आ रही राजनीतिक अस्थिरता, हिंसा और अव्यवस्था से त्रस्त आम जनता अब ऐसी सरकार चाहता है जो कानून-व्यवस्था को मजबूत करे, युवाओं को रोजगार दे, महिलाओं को सुरक्षा दे और राज्य को राष्ट्रीय विकास की मुख्यधारा से जोड़े। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार की योजनाओं का लाभ देश के अन्य राज्यों की तरह पश्चिम बंगाल के प्रत्येक वर्ग तक पहुंचे, यह जनता की प्रमुख अपेक्षा बन चुकी है। बंगाल का विकास केवल राज्य तक सीमित नहीं है, बल्कि यह राष्ट्र की समग्र प्रगति से जुड़ा हुआ है। इसलिए राष्ट्र की नीतियों के साथ बंगाल का खड़ा होना आज समय की मांग बन गया है। उन्होंने कहा कि आज की परिस्थितियों को देखते हुए यह कहा जा सकता है कि पश्चिम बंगाल की जनता परिवर्तन के लिए तैयार है और दूसरे चरण के होने वाले मतदान के साथ यह जनादेश और भी स्पष्ट हो जाएगा। भाजपा के पक्ष में बनता माहौल इस बात का संकेत है कि राज्य में एक नई दिशा, नई सोच और नए नेतृत्व के साथ सरकार बनने की पूरी संभावना बन चुकी है, जो विकास, सुरक्षा और सुशासन के नए मानक स्थापित करेगी।

## विपक्षी दल महिलाओं के सशक्तिकरण से घबराते हैं : अनिल कुमार

**मुरादाबाद ( हिंस )।** भारतीय जनता पार्टी मुरादाबाद के तत्वावधान में सोमवार को बुद्धि विहार स्थित व्हाइट हाउस में नारी शक्ति वंदन अधिनियम के अंतर्गत महिलाओं के अधिकार एवं सम्मान के समर्थन में जन आक्रोश महिला सम्मेलन का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में उत्तर प्रदेश सरकार में कैबिनेट मंत्री व मुरादाबाद जनपद के प्रभारी मंत्री अनिल कुमार ने कहा कि विपक्षी दल महिलाओं के सशक्तिकरण से घबराते हैं और लोकतंत्र में उनकी भागीदारी को बढ़ते हुए नहीं देखना चाहते। इसीलिए लोकसभा में यह संविधान संशोधन बिल गिराया गया। महिलाएं हर क्षेत्र में बेहतर प्रदर्शन करती हैं, जरूरत सिर्फ उन्हें अवसर देने की है। प्रभारी मंत्री अनिल कुमार ने आगे कहा कि यह केवल एक सम्मेलन नहीं, बल्कि महिलाओं के सम्मान और अधिकारों की लड़ाई का प्रतीक है। उन्होंने बताया कि 16, 17 और 18 अप्रैल को संसद का विशेष सत्र बुलाकर महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण देने का प्रयास किया गया था, लेकिन विपक्ष के विरोध के चलते यह संभव नहीं हो सका। सम्मेलन में विशिष्ट अतिथि भाजपा महिला मोर्चा की प्रदेश मंत्री रश्मि रावल ने कहा कि संसद में पेश नारी शक्ति वंदन अधिनियम को पारित न होने देना विपक्ष की सोची-समझी रणनीति का हिस्सा है। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस और सपा ने इस ऐतिहासिक बिल का विरोध कर महिलाओं के अधिकारों को कमजोर करने का प्रयास किया है। जिला पंचायत अध्यक्ष डॉ. शेफाली सिंह चौहान ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का स्पष्ट विजन है कि विकसित भारत का निर्माण तभी संभव है, जब महिलाएं सशक्त और निर्णय प्रक्रिया में सहभागी हों। कार्यक्रम संयोजक बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ अभियान की महानगर संयोजक अल्पना रितेश गुप्ता ने कहा कि भाजपा सरकार महिलाओं को आगे बढ़ाने के लिए निरंतर काम कर रही है। एनसीसी मेजर डॉ. मीनू मेहरोत्रा ने कहा कि महिलाओं ने अब सब कुछ समझ लिया है। कहा कि समय आने पर महिलाएं अपने अधिकारों के खिलाफ खड़े होने वालों को करारा जवाब देंगी। कार्यक्रम का संचालन भाजपा महानगर महामंत्री व नारी शक्ति वंदन अभियान के महानगर संयोजक विशाल त्यागी ने किया। कार्यक्रम में भाजपा जिला अध्यक्ष आकाश पाल, महानगर अध्यक्ष गिरीश भंडूला, महानगर महामंत्री विशाल त्यागी, शमी भटनागर, अमित शर्मा जिला महामंत्री नवीन चौधरी, प्रांतीय परिषद सदस्य निमित जायसवाल, आदेश चौधरी, अश्विनी शर्मा, कमला वर्मा, अशोक सैनी, रमेश सैनी, रचना अग्रवाल, क्षमा अग्रवाल आदि उपस्थित रहीं।

## गुरुग्राम की धरती पर एक लाख लोगों द्वारा हनुमान चालीसा पाठ का बना विश्व रिकॉर्ड

### हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने भी किया गायन

**गुरुग्राम ( हिंस )।** गुरु द्रोण की नगरी गुरुग्राम की धरती से एक लाख लोगों द्वारा हनुमान चालीसा पाठ का विश्व रिकॉर्ड बना। यहां ताऊ देवीलाल स्टेडियम में रविवार की देर रात एक समारोह में यह पाठ किया गया। इस समारोह में हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी और उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की मौजूदगी रही। इस अवसर पर भव्य ड्रोन शो भी आयोजित किया गया। यहां सेक्टर-29 स्थित लेजरवैली मैदान में डायरेक्ट सेलिंग कंपनी एडब्ल्यूपीएल की ओर से आयोजित विजय पर्व समारोह आयोजित किया गया। इस समारोह में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी और उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी मुख्य अतिथि रहे। एडब्ल्यूपीएल के विजय पर्व में एक अनोखा रिकॉर्ड बनाया गया। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सैनी और उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के साथ एक लाख से अधिक लोगों ने सामुहिक रूप से हनुमान चालीसा का पाठ किया। यह पाठ पूर्ण होने के साथ ही हनुमान चालीसा गायन का विश्व रिकॉर्ड बन गया। एक लाख से अधिक लोगों द्वारा हनुमान चालीस पाठ के विश्व रिकॉर्ड को प्रमाणित करने के लिए वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड्स लंदन की टीम को आमंत्रित किया गया था। हनुमान चालीसा पाठ पूर्ण होने के साथ ही टीम ने मौके पर ही दोनों मुख्यमंत्रियों को वर्ल्ड रिकॉर्ड का प्रमाण पत्र सौंपा। इस समारोह में देर रात ड्रोन शो भी आयोजित किया गया, जिसके जरिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, मुख्यमंत्री नायब सैनी, मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के चित्र आकाश में बनाए गए। एडब्ल्यूपीएल के कार्यक्रम में बड़ी संख्या में महिला उद्यमियों ने भी हिस्सा लिया। बड़ी संख्या में उपस्थित महिलाओं का उल्लेख करते हुए दोनों मुख्यमंत्रियों ने कहा कि आज महिलाएं केवल घर तक सीमित नहीं हैं, बल्कि आर्थिक विकास की मजबूत भागीदार बन चुकी हैं। डायरेक्ट सेलिंग प्लेटफॉर्म महिलाओं को घर बैठे काम करने और आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनने का अवसर प्रदान कर रहे हैं। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने गुरुग्राम में आयोजित विजय पर्व कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि आज आत्मनिर्भर भारत का संकल्प एक जन-आंदोलन बन चुका है।

# हिंदुस्तान जिंक का विस्तार कार्यक्रम : वैश्विक जिंक उत्पादन में शीर्ष पर पहुंचने तैयारी

**कंपनी 50-60 करोड़ डालर के पूंजीगत व्यय से 3-4 साल में उत्पादन दोगुना करेगी**

नई दिल्ली

पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष के कारण बढ़ती इनपुट लागतों के बावजूद, हिंदुस्तान जिंक (एचजेडएल) एक महत्वाकांक्षी विस्तार योजना के लिए कमर कस रहा है। कंपनी अगले 3 से 4 वर्षों में अपने धातु उत्पादन को दोगुना करने के लिए 50 से 60 करोड़ डालर का पूंजीगत व्यय कार्यक्रम तैयार कर रही है। इसका प्राथमिक लक्ष्य दुनिया की सबसे बड़ी जिंक उत्पादक बनना और चांदी व महत्वपूर्ण खनिजों के कारोबार का विस्तार करना है। हालांकि, मौजूदा भू-राजनीतिक स्थिति से इस साल जिंक उत्पादन लागत में प्रति टन 50 से 60 डालर का इजाफा होने की आशंका है। यह जानकारी हिंदुस्तान जिंक के एक मुख्य अधिकारी ने हाल ही में एक साक्षात्कार में दी। अधिकारी के अनुसार कंपनी का लक्ष्य वर्तमान 10 लाख टन धातु उत्पादन क्षमता को बढ़ाकर 20 लाख टन तक पहुंचाना है। इस विस्तार के साथ अकेले जिंक का उत्पादन लगभग 8 लाख टन से बढ़कर 16 लाख टन हो जाएगा, जिससे हिंदुस्तान जिंक दुनिया की सबसे बड़ी जिंक उत्पादक कंपनी बन जाएगी। कंपनी अधिक दक्षता वाली आधुनिक इकाइयां भी स्थापित कर रही है, जो उत्पादन लागत को कम करने में सहायक होंगी। इसके साथ ही, नवीकरणीय ऊर्जा के उपयोग को भी वर्तमान 70 फीसदी से बढ़ाकर 80-90 फीसदी तक ले जाने की योजना है। कालांतर में निवेशक कंपनी से 1,200 से 1,500 टन के बीच चांदी उत्पादन की उम्मीद कर सकते हैं। भू-राजनीतिक तनाव के कारण बढ़ती इनपुट लागत इस साल कंपनी के लिए एक चुनौती पेश कर रही है। उन्होंने बताया कि पश्चिम एशिया की लड़ाई की वजह से जिंक उत्पादन लागत में प्रति टन 50 से 60 डालर का इजाफा हो सकता है। वित्त वर्ष 2027 के दौरान, कंपनी ने जिंक लागत 975 से 1,000 डालर प्रति टन रहने का अनुमान लगाया है, जिसमें यह जोखिम प्रीमियम शामिल है। उन्होंने पिछले वित्त वर्ष की पहली छमाही में हुए उत्पादन नुकसान का भी जिक्र किया, जो नए आर6 रोस्टर की स्थापना में देरी के कारण हुआ था। इस देरी से उत्पादन प्रभावित हुआ, क्योंकि पुराने रोस्टर बंद होने वाले थे और नया तैयार नहीं था। हालांकि, दूसरी छमाही तक आर6 के सफलतापूर्वक चालू होने से कंपनी ने रिकार्ड उत्पादन दर्ज किया।

## न्यूज ब्रीफ

### नई कंट्रीमैन सी के लिए देशभर में प्री-बुकिंग शुरू

नई दिल्ली। अपनी नई कंट्रीमैन सी के लिए मिनी इंडिया ने देशभर में प्री-बुकिंग शुरू कर दी है। इच्छुक ग्राहक अपने नजदीकी अधिकृत शोरूम पर जाकर या उनसे संपर्क करके इस एसयूवी को बुक कर सकते हैं। यह मॉडल बीएमडब्ल्यू ग्रुप के चेन्नई स्थित प्लांट में असेंबल किया जाएगा, जिससे यह फुली इंपोर्टेड मॉडल्स की तुलना में काफी किफायती होने की उम्मीद है। कंट्रीमैन सी मिनी के भारतीय लाइनअप में पेट्रोल से चलने वाले वाहनों में एक अधिक सुलभ विकल्प के तौर पर उपलब्ध होगी। इसे परफॉर्मेंस-केंद्रित मिनी जेसीडब्ल्यू कंट्रीमैन ऑल4 से नीचे की श्रेणी में रखा जाएगा और यह कंट्रीमैन ई तथा एसई ऑल4 जैसे इलेक्ट्रिक वेरिएंट के साथ ब्रांड की पेशकश को मजबूत करेगी। इस कदम से मिनी अब भारतीय खरीदारों के लिए पेट्रोल और इलेक्ट्रिक दोनों विकल्पों का एक व्यापक मिश्रण प्रदान करेगी। डिजाइन की बात करें तो, नई कंट्रीमैन सी में मिनी की ट्रेडमार्क स्टाइलिंग बरकरार रहने की संभावना है, जिसमें गोलाकार आकार के साथ आधुनिक लुक और कुछ हद तक मजबूत (रफ एंड टफ) तत्व भी शामिल हैं। यह एसयूवी पिछले मॉडलों की तुलना में अधिक जगह और आराम प्रदान करने के लिए डिजाइन की गई है, जो इसे शहर के उपयोग और लंबी यात्रा दोनों के लिए उपयुक्त बनाती है। इंटीरियर में लगभग 9.4 इंच का राउंड ओएलईडी टचस्क्रीन, स्टीयरिंग-माउंटेड कंट्रोल, हेड-अप डिस्प्ले, हरमन कार्डन साउंड सिस्टम, 360-डिग्री कैमरा और कई एयरबैग्स जैसे फीचर्स मिलने की उम्मीद है।

### एमजी मैजेस्टर से मिलेगी फॉर्च्यूनर को कड़ी टक्कर

नई दिल्ली। एमजी कंपनी ने अपनी एमजी मैजेस्टर की कीमतों की घोषणा 27 अप्रैल को करने की पुष्टि कर दी है। लॉन्च के समय यह शार्प और सैवी नामक दो ट्रिम्स में उपलब्ध होगी, जिसकी एक्स-शोरूम कीमत 35 लाख रुपये से 45 लाख रुपये के बीच रहने का अनुमान है। मैजेस्टर, एमजी की नई फ्लैगशिप आईसीई एसयूवी होगी जो ग्लॉस्टर की जगह लेगी। यह एसयूवी भारतीय बाजार में टोयोटा फॉर्च्यूनर, फॉक्सवैगन टायरोन आर-लाइन और स्कोडा कोडिएक जैसी दमदार एसयूवी को कड़ी टक्कर देगी। मैजेस्टर में एक शक्तिशाली 2.0 लीटर का ट्विन-टर्बो डीजल इंजन लगा है, जो 215 हॉर्सपावर की शक्ति और 478.5 एनएम का टॉर्क पैदा करता है। इसमें 8-स्पीड ऑटोमैटिक गियरबॉक्स और लो रेंज वाला फोर-व्हील ड्राइव सिस्टम दिया गया है, जो इसे शहरी और ऑफ-रोड दोनों तरह की ड्राइविंग के लिए आदर्श बनाता है। यह कई टेरेन मोड्स जैसे स्नो, सैंड, मड, रॉक और नॉर्मल से लैस है, साथ ही बेहतर कंट्रोल के लिए इसमें तीन लॉकिंग डिफरेंशियल भी दिए गए हैं। इसका डिजाइन बॉक्सी और आक्रामक है, जिसमें एक बड़ी फ्रंट ग्रिल, वर्टिकल एलईडी हेडलाइट्स और 19 इंच के अलॉय व्हील्स शामिल हैं। बॉडी क्लैडिंग और साइड स्टेप्स इसे एक दमदार लुक देते है। इंटीरियर में ब्लैक और सिल्वर थीम वाला प्रीमियम केबिन है, जिसमें इन्फोटेनमेंट और ड्राइवर डिस्प्ले के लिए दो 12.4 इंच की स्क्रीन मिलती हैं। सुरक्षा के लिए 6 एयरबैग स्टैंडर्ड हैं, साथ ही लेवल 2 अडास, 360-डिग्री कैमरा, हिल होल्ड और टायर प्रेशर मॉनिटरिंग सिस्टम जैसे आधुनिक फीचर भी मौजूद हैं।

### अरविंदो फार्मा बायबैक : निवेशकों के पास सिर्फ 2 दिन शेष, पाएं बाजार से बेहतर दाम

मुंबई। फार्मा क्षेत्र की दिग्गज कंपनी अरविंदो फार्मा के 800 करोड़ रुपए के शेयर बायबैक में हिस्सा लेने के लिए योग्य निवेशकों के पास अब केवल दो दिन शेष हैं। यह टेंडर ऑफर 29 अप्रैल 2026 को बंद हो रहा है, जिसमें कंपनी मौजूदा बाजार भाव से 4.31 फीसदी अधिक दाम पर शेयर वापस खरीद रही है, जो निवेशकों के लिए लाभ कमाने का एक अहम अवसर है। अरविंदो फार्मा 1,475 रुपये प्रति शेयर के भाव पर करीब 54.23 लाख इक्विटी शेयर वापस खरीद रही है। यह टेंडर ऑफर 23 अप्रैल को शुरू हुआ था और 29 अप्रैल को बंद हो जाएगा। इसमें भाग लेने के लिए 17 अप्रैल को रिकॉर्ड डेट तय की गई थी, यानी उस दिन तक कंपनी के शेयर रखने वाले निवेशक ही इस बायबैक के लिए पात्र हैं। निवेशकों को मिल रहा 1,475 रुपये प्रति शेयर का यह भाव 24 अप्रैल को बंद हुए 1,414 रुपये के बाजार भाव से लगभग 4.31 प्रतिशत अधिक है। कंपनी ने योग्य शेयरधारकों को लेटर ऑफ ऑफर 21 अप्रैल को ईमेल के जरिए भेजा था। टेंडर फॉर्म जमा करने की अंतिम तिथि 29 अप्रैल है, और इस पूरी प्रक्रिया का सेटलमेंट 7 मई 2026 तक पूरा होने की उम्मीद है। जिन निवेशकों के पास रिकॉर्ड डेट पर शेयर थे, उनके लिए यह अपने शेयरों को ऊंचे दाम पर बेचने का अंतिम मौका है।

# मेटा व माइक्रोसाफ्ट करेगी कर्मचारियों की छंटनी

सैन फ्रांसिस्को

दिग्गज प्रौद्योगिकी कंपनियां मेटा और माइक्रोसाफ्ट अपने हजारों आईटी कर्मचारियों की छंटनी करने की तैयारी कर रही है। बताया जा रहा है कि एआई में इन कंपनियों के भारी निवेश के कारण ही हजारों आईटी नौकरियों में कटौती की जा रही है। कंपनी मेटा ने अपने कर्मचारियों को एक आंतरिक मेमो, जिसे इटरनल मेमो कहा जा रहा है, के माध्यम से सूचित किया है कि कंपनी अपनी कुल कार्यबल का लगभग 10 प्रतिशत, यानी 8,000 नौकरियों में कटौती करने की योजना बना रही है। यह छंटनी प्रक्रिया 20 मई से शुरू होने की उम्मीद है। कंपनी के मुखिया मार्क जुकरबर्ग के नेतृत्व में चल रहे इस व्यापक पुनर्गठन अभियान के तहत लगभग 6,000 रिक्त पदों को भी नहीं भरने का निर्णय लिया गया है। इसी तरह, प्रौद्योगिकी क्षेत्र की एक और दिग्गज कंपनी माइक्रोसाफ्ट ने भी अपने अमेरिकी कर्मचारियों के एक बड़े हिस्से को स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति का प्रस्ताव दिया है।

कई रिपोर्टों के अनुसार, अमेरिका में लगभग 7 प्रतिशत कर्मचारी इस कार्यक्रम के लिए योग्य हैं, जिससे मौजूदा कर्मचारियों की संख्या के आधार पर करीब 8,750 कर्मचारी प्रभावित हो सकते हैं। यह महत्वपूर्ण पुनर्गठन ऐसे समय में हो रहा है जब ये दोनों कंपनियां एआई इंफ्रास्ट्रक्चर और उससे संबंधित तकनीकों, विशेष रूप से डेटा सेंटर पर अपने खर्च में लगातार बढ़ोतरी कर रही हैं। माइक्रोसाफ्ट अपने वैश्विक डेटा सेंटर नेटवर्क का विस्तार कर रहा है, और हाल ही में जापान और आस्ट्रेलिया जैसे महत्वपूर्ण बाजारों में एआई से संबंधित बड़े निवेश की घोषणा की है। वहीं, मेटा ने भी इस वर्ष रिकार्ड पूंजीगत व्यय का अनुमान लगाया है और हाल के महीनों में प्रमुख एआई भागीदारों के साथ कई अरबों डालर के रणनीतिक सौदे किए हैं।

पिछले दो वर्षों में, दोनों कंपनियों ने एआई में बढ़ते निवेश के साथ अपनी लागत संरचनाओं को समायोजित करने के लिए कई चरणों में कर्मचारियों की छंटनी की है। मेटा की मुख्य मानव संसाधन अधिकारी जेनेल गेल ने अपने आंतरिक मेमो में इस कदम को दक्षता उपायों और निवेश संतुलन से जोड़ा है। उन्होंने कहा, हम कंपनी को अधिक कुशलता से चलाने और अपने अन्य निवेशों की भरपाई करने के अपने निरंतर प्रयासों के तहत ऐसा कर रहे हैं। माइक्रोसाफ्ट की मुख्य मानव संसाधन अधिकारी एमी कोलमैन ने भी कर्मचारियों को भेजे एक मेमो में बताया कि कंपनी बदलती प्राथमिकताओं के अनुरूप ढलने के लिए तेजी से कदम उठा रही है। उन्होंने जोर दिया, इस गति को बनाए रखने के लिए हमें उत्कृष्ट कार्य करने, अपने प्रबंधकों पर भरोसा करने और उन्हें सशक्त बनाने, और सभी का समर्थन करने के लिए प्रक्रियाओं को सरल बनाने पर ध्यान केंद्रित करना होगा।

### ऊर्जा कारोबार की चुनौतियों से रिलायंस के नतीजे कमजोर

नई दिल्ली। देश की सबसे मूल्यवान कंपनी के मार्च तिमाही के नतीजे ऊर्जा कारोबार में आई मुश्किलों के चलते ब्रोकरेज उम्मीदों से कमजोर रहे। इसके आयल-टु-केमिकल्स (ओ2सी) और एक्सप्लोरेशन सेगमेंट में उत्पादन और बिक्री कई तिमाहियों के निचले स्तर पर पहुंच गई, जिससे कुल परिचालन मुनाफे पर असर पड़ा। आपरेटिंग मुनाफे में लगभग 40 फीसदी योगदान देने वाले इन दोनों सेगमेंट में 4-18 फीसदी की सालाना गिरावट दर्ज की गई। ईरान युद्ध जैसी बाहरी बाधाओं ने दूरसंचार और खुदरा जैसे उपभोक्ता कारोबारों की मजबूत वृद्धि के प्रभाव को काफी हद तक कम कर दिया। कमजोर नतीजों और ओ2सी सेगमेंट पर निरंतर दबाव को देखते हुए, निकट भविष्य में कंपनी के शेयर पर दबाव देखने को मिल सकता है। हालांकि, जियो की लिस्टिंग और सौर ऊर्जा जैसे नए ऊर्जा कारोबार में प्रगति कंपनी के लिए अहम तेजी के कारक हैं। दौलत कैपिटल सहित कई ब्रोकरेज फर्मों ने आय अनुमान और लक्षित कीमत में कटौती के बावजूद खरीद रेटिंग बरकरार रखी है, जो मौजूदा मूल्यांकन और हालिया कमजोर प्रदर्शन के कारण है। विशेष रूप से, जियो ने परिचालन लाभ में 16% की वृद्धि और एकीकृत सेगमेंट मुनाफे में 42 फीसदी का योगदान देकर तिमाही के प्रदर्शन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। दौलत कैपिटल ने जियो की एआरपीयू वृद्धि और तेल-गैस सेगमेंट से लाभ के चलते अपने शुद्ध लाभ के अनुमानों को बढ़ाया है और लक्षित कीमत 25 रुपये बढ़ाकर 1,695 रुपये कर दी है।

# टाटा व महिंद्रा ला रहे हैं धांसू रगेड एसयूवी

नई दिल्ली

**स्वदेशी कंपनियां टाटा और महिंद्रा जल्द ही डिफेंडर जैसी दमदार और रफ-टफ लुक वाली नई रगेड एसयूवी लान्च करने वाली हैं। ये गाड़ियां बाक्सी डिजाइन, शानदार रोड प्रेजेंस और शक्तिशाली परफार्मेंस के साथ आएंगी, जिनकी कीमत महंगी डिफेंडर से काफी कम रहने की उम्मीद है। महिंद्रा अपनी विजन एस को पेश करने की तैयारी में है, जिसके टेस्ट माडल कई बार सड़कों पर देखे गए हैं। यह एसयूवी महिंद्रा के एनयू आईक्यू प्लेटफार्म पर आधारित होगी, जो पेट्रोल, डीजल और इलेक्ट्रिक इंजन विकल्पों को सपोर्ट करता है।**

इसमें 1.2-लीटर टीजीडीआई पेट्रोल या 1.5-लीटर डीजल इंजन मिलने की उम्मीद है। टाटा अपनी आल-इलेक्ट्रिक सिएरा ईवी को इसी साल मई में लान्च कर सकती है। इसे टाटा की इलेक्ट्रिक एसयूवी रेंज में हैरियर ईवी से नीचे रखा जाएगा।

इसका लुक मौजूदा आईसीई सिएरा जैसा होगा, जिसमें क्लोज्ड ग्रिल, स्प्लिट हेडलैंप सेटअप और फुल-विड्थ एलईडी लाइट बार जैसे आधुनिक तत्व शामिल होंगे। रेनो ब्रिजर एसयूवी भी डिफेंडर से प्रेरित लुक के साथ आएगी, जिसे 1.2 लीटर टर्बो-पेट्रोल इंजन और एक फुली इलेक्ट्रिक वेरिएंट में पेश किया जा सकता है। इसकी लान्चिंग 2027 के मध्य तक होने का अनुमान है।

पीएचईवी वर्जन में 1.5 लीटर का टर्बो-पेट्रोल इंजन और 26.7 केडब्ल्यूएच की बैटरी होगी, जो लगभग 139 किमी की इलेक्ट्रिक ड्राइविंग रेंज प्रदान करेगी। यह ग्राहकों को कम बजट में प्रीमियम रगेड एसयूवी का अनुभव देगी। जेएसडब्ल्यू जेटूर टी 2 इस साल दिवाली के आसपास भारत में एंट्री कर सकती है। भारत में इसका प्लग-इन हाइब्रिड (पीएचईवी) सेटअप आने की संभावना है।

## नई पेशकश बीएमडब्ल्यू एफ 450 जीएस लांच

नई दिल्ली। भारतीय एडवेंचर मोटरसाइकिल बाजार में बीएमडब्ल्यू मोटरराड ने अपनी नई पेशकश बीएमडब्ल्यू एफ 450 जीएस को पेश किया है जिसकी शुरुआती कीमत 4.70 लाख रुपये है। इस मोटरसाइकिल का आक्रामक लुक और आधुनिक तकनीक इसे अपने सेगमेंट की सबसे प्रीमियम एडवेंचर बाइक बनाती है। यह मोटरसाइकिल विशेष रूप से उन राइडर्स के लिए तैयार की गई है, जो जी 310 जीएस से ऊपर और बड़ी एफ सीरीज से नीचे एक शक्तिशाली विकल्प की तलाश में थे। बीएमडब्ल्यू ने इस मशीन को न केवल शहरी सड़कों के लिए बल्कि कठिन आफ-रोड रास्तों पर बेहतरीन प्रदर्शन करने के उद्देश्य से डिजाइन किया है, जिससे यह भारतीय युवाओं और लंबी दूरी की यात्रा करने वाले घुमक्कड़ राइडर्स के बीच एक आकर्षक विकल्प बन जाती है। इस बाइक का डिजाइन बीएमडब्ल्यू की बड़ी एडवेंचर बाइक्स की विरासत को आगे बढ़ाता है, जिसमें नया एक्स आकार का एलईडी डीआरएल और एक शार्प फ्रंट बीक दी गई है। इसमें 420 सीसी का नया पैरेलल-ट्विन इंजन लगा है, जो 48 एचपी की पावर और 43 एनएम का टार्क जनरेट करता है। इसकी हल्की चेसिस और मात्र 178 किलो का वजन इसे मोड़ने और कंट्रोल करने में बेहद आसान बनाता है।

# सर्राफा बाजार में मामूली गिरावट सोना व चांदी की फीकी पड़ी चमक

नई दिल्ली

घरेलू सर्राफा बाजार में शुरुआती कारोबार के दौरान सांकेतिक कमजोरी का रुख नजर आ रहा है। कीमत में आई गिरावट के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 1,54,030 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,54,900 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। वहीं 22 कैरेट सोना 1,41,190 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,41,990 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। वहीं चांदी के भाव में भी आई मामूली कमजोरी के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में 2,59,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है। दिल्ली में 24 कैरेट सोना 1,54,180 प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,41,340 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट

सोना 1,54,030 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,41,190 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,54,080 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,41,240 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना 1,54,900 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,41,990 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,54,030 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,41,190 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,54,080 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,41,240 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 1,54,180 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 1,41,340 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,54,080 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,41,240 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,54,180 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,41,340 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी सोने के भाव में मामूली कमजोरी का रुख बना हुआ नजर आ रहा है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना 1,54,030 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 1,41,190 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

# ग्लोबल मार्केट से पाजिटिव संकेत, एशिया में भी तेजी का रुख

नई दिल्ली

पश्चिम एशिया में शांति वार्ता के लिए ईरान द्वारा अमेरिका को नया प्रस्ताव देने के बाद ग्लोबल मार्केट में उत्साह का माहौल बना हुआ है। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान मजबूती के साथ बंद हुए थे। डाउ जान्स फ्यूचर्स गिरावट के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार भी पिछले सत्र के दौरान कमजोरी के साथ बंद हुए थे। वहीं एशियाई बाजार में आमतौर पर तेजी का रुख बना हुआ है।

अमेरिकी बाजार में पिछले सत्र के दौरान लगातार खरीदारी होती रही। खरीदारी के इस सपोर्ट से वाल स्ट्रीट के सूचकांक मजबूती के साथ हरे निशान में बंद हुए। एस एंड पी 500 इंडेक्स 0.80 प्रतिशत की तेजी के साथ 7,165.08 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह नैस्डेक ने 398.09 अंक यानी 1.63 प्रतिशत की बढ़त के साथ 24,836.60 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत

किया।

यूरोपीय बाजार में पिछले सत्र के दौरान लगातार दबाव बना रहा। एफटीएसई इंडेक्स 0.75 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 10,379.08 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह सीएसी इंडेक्स ने 0.85 प्रतिशत की गिरावट के साथ 8,157.82 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा डीएएक्स इंडेक्स 0.11 प्रतिशत टूट कर 24,128.98 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

एशियाई बाजार में आमतौर पर खरीदारी का माहौल बना हुआ है। एशिया के नौ प्रमुख बाजारों में से आठ के सूचकांक मजबूती के साथ हरे निशान में कारोबार कर रहे हैं, जबकि एक सूचकांक गिरावट के साथ लाल निशान में बना हुआ है। एशियाई बाजार में इकलौता सिंगापुर स्टाक एक्सचेंज का स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स फिलहाल 0.42 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 4,903.01 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

दूसरी ओर, गिफ्ट निफ्टी 83 अंक यानी 0.35 प्रतिशत की मजबूती के साथ 24,037 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह हैंग सेंग इंडेक्स 0.13 प्रतिशत की तेजी के साथ 26,012 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। ताइवान वेटेड इंडेक्स ने जोरदार छलांग लगाई है। फिलहाल यह सूचकांक 1,097.58 अंक यानी 2.82 प्रतिशत उछल कर 40,029.98 अंक के स्तर पर आ गया है। इसी तरह कोस्पी इंडेक्स 163.73 अंक यानी 2.53 प्रतिशत की बढ़त के साथ 6,639.36 अंक के स्तर पर पहुंचने में सफल रहा है। इसके अलावा निक्केई इंडेक्स 1,087.82 अंक यानी 1.82 प्रतिशत की उछाल के साथ 60,804 अंक के स्तर पर, सेट कंपोजिट इंडेक्स 1.60 प्रतिशत की मजबूती के साथ 1,479.40 अंक के स्तर पर, जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स 0.31 प्रतिशत की तेजी के साथ 7,151.94 अंक के स्तर पर और शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 0.15 प्रतिशत की छलांग लगा कर 4,085.88 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहे हैं।

# आईपीएल 2026 :रबाडा पर्पल कैप की दौड़ में तीसरे स्थान पर, अभिषेक शर्मा के सिर सजी आरेंज कैप

नई दिल्ली

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 में 26 अप्रैल का दिन गेंदबाजों के नाम रहा, जहां दो मुकाबलों में कुल 26 विकेट गिरे, जिसमें सुपर ओवर भी शामिल रहा। इस प्रदर्शन के बाद पर्पल कैप की दौड़ में बड़ा बदलाव देखने को मिला है।

कगिसो रबाडा ने चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ शानदार गेंदबाजी करते हुए चार ओवर में 25 रन देकर तीन विकेट झटके और अपनी टीम गुजरात टाइटंस को आठ विकेट से जीत दिलाई। चेन्नई की पिच पर मौजूद नमी ने तेज गेंदबाजों को अतिरिक्त मदद दी, जिसका रबाडा ने पूरा फायदा उठाया। तेज रफ्तार और अतिरिक्त उछाल के साथ उन्होंने बल्लेबाजों को लगातार परेशान किया। इस प्रदर्शन के साथ रबाडा अब आठ मैचों में 13 विकेट लेकर पर्पल कैप की सूची में संयुक्त रूप से तीसरे स्थान पर पहुंच गए हैं। वहीं शीर्ष स्थान पर अंशुल कंबोज और ईशान मलिंगा 14-14 विकेट के साथ बने हुए हैं।

**आरेंज कैप में बड़ा उलटफेर** - बल्लेबाजी की बात करें तो एक ही दिन में आरेंज कैप की दौड़ पूरी तरह बदल गई। विराट कोहली 24 घंटे के भीतर पहले स्थान से खिसककर पांचवें स्थान पर पहुंच गए। दिल्ली में खेले गए मुकाबले में केएल राहुल ने नाबाद 152 रन बनाकर बीस ओवर प्रारूप में किसी भारतीय का सर्वोच्च स्कोर दर्ज किया और 357 रन के साथ शीर्ष स्थान हासिल कर लिया। हालांकि, जयपुर में युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी ने 37 गेंदों में 103 रन की पारी खेलते हुए राहुल के बराबर 357 रन बना लिए और बेहतर प्रहार दर के आधार पर आरेंज कैप अपने नाम कर ली। इसके कुछ ही देर बाद अभिषेक शर्मा ने 29 गेंदों में 57 रन की पारी खेलते हुए 380 रन के साथ बल्लेबाजी सूची में पहला स्थान हासिल कर लिया। अभिषेक शर्मा 380 रन के साथ पहले स्थान पर हैं।=वैभव सूर्यवंशी और केएल राहुल 357-357 रन के साथ क्रमश: दूसरे और तीसरे स्थान पर हैं। हेनरिक क्लासेन 349 रन के साथ चौथे स्थान पर पहुंच गए हैं, जबकि शुभमन गिल (330 रन) और विराट कोहली (328 रन) क्रमश: उनके पीछे हैं।

## न्यूज ब्रीफ

### प्लेआफ के लिए पंजाब सहित ये चार टीमें प्रबल दावेदार बनकर उभरीं, सीएसके, मुम्बई सहित अन्य टीमों का बाहर होना तय

**मुम्बई।** इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 19 वें सत्र के करीब आधे मुकाबले हो गये हैं। अभी तक कुल 70 मैचों में से 36 मुकाबले पूरे हो गये हैं। इससे बाद प्लेआफ के लिए अब टीमों के बीच मुकाबला और कड़ा हो गया है। पंजाब किंग्स की टीम इस सत्र में सबसे अधिक अंक लेकर शीर्ष पर चल रही है। पंजाब ने अभी तक खेले गए 7 मैचों में से 6 में जीत दर्ज की है, जबकि कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ उनका एक मैच बारिश के कारण नहीं हो पाया था। इस प्रकार कुल 13 अंकों के साथ, पंजाब अंक तालिका में शीर्ष पर है और प्लेआफ में जगह बनाने के लिए नंबर एक पर है। अगले दो से तीन मैचों में ही उसे नाकआउट दौर का टिकट मिलना तय है। वहीं पंजाब के अलावा, अंक तालिक में शी-4 में शामिल गत विजेता रायल चैलेंजर्स बेंगलुरु, सनराइजर्स हैदराबाद और राजस्थान रायल्स भी शामिल हैं। राजस्थान और हैदराबाद ने 8-8 मुकाबले खेल लिए हैं, जबकि बेंगलुरु ने अभी तक 7 मैच खेले हैं। इन तीनों टीमों के भी 10-10 अंक हैं, जिससे ये प्लेआफ की दौड़ में बचे हुए तीन स्थानो के लिए सबसे बड़े दावेदार के तौर पर उभरे हैं। इनका जबरदस्त प्रदर्शन इन्हें इसके योग्य बनाता है। वहीं चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके), दिल्ली कैपिटल्स और गुजरात टाइटंस के लिए प्लेआफ की में पहुंचना कठिन है। इन तीनों ही टीमों के 7-7 मैचों के बाद 6-6 अंक हैं। जबकि प्लेआफ में जगह बनाने के लिए कम से कम 16 अंकों की जरुरत होती है।

### दासगुप्ता ने की प्रभसिमरन की प्रशंसा, बेहतर प्रदर्शन के बाद भी नहीं मिल रहा श्रेय

**मुम्बई ।** भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व बल्लेबाज दीप दासगुप्ता ने पंजाब किंग्स के युवा विकेटकीपर-बल्लेबाज प्रभसिमरन सिंह की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा है कि उन्होंने इस सत्र में शानदार प्रदर्शन करते हुए टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई है। दासगुप्ता के अनुसार प्रभसिमरन ने पिछले सत्र में भी काफी रन बनाये थे और इस सत्र में भी उन्होंने उस सिलसिले को बरकरार रखा है। दीप ने कहा कि इसके बाद भी जितनी सराहना इस बल्लेबाज को मिलनी चाहिये थे। वह नहीं मिल रही है जबकि अन्य बल्लेबाजों की काफी चर्चाएं हो रही है। उन्होंने कहा कि, हम इस खिलाड़ी की उतनी बात नहीं करते, जितनी करनी चाहिए। उन्होंने प्रभसिमरन की निरंतरता पर जोर देते हुए बताया कि पिछले सत्र के बाद भी उन्होंने शानदार प्रदर्शन किया है और इस साल भी वह लगातार रन बना रहे हैं, फिर भी उनपर किसी का ध्यान नहीं जाता है। दासगुप्ता ने प्रभसिमरन की विकेटकीपिंग की भी तारीफ करते हुए कहा कि वह अपना काम काफी सतर्कता से करते हैं और किसी को चिन्ता करने की जरुरत नहीं रहती हैं।

### रियान पराग के बचाव में उतरे बल्लेबाजी कोच विक्रम राठौर, टीम प्रबंधन से भी मिल रहा समर्थन

**जयपुर।** राजस्थान रायल्स के कप्तान रियान पराग का अब तक आईपीएल के इस सत्र में प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा है। कप्तान के तौर पर तो वह सफल रहे हैं और रायल्स अंकतालिक में शीर्ष पांच में बनी हुई है पर बल्लेबाज के तौर पर पराग एक भी मैच में बड़ी पारी नहीं खेल पाये हैं। वह अब तक 8 पारियों में केवल 88 रन ही बना पाये हैं। इसके बाद भी टीम प्रबंधन से उनको पूरा समर्थन मिल रहा है। टीम प्रबंधन ही नहीं कोचिंग स्टाफ का भी मानना है कि पराग समय के साथ ही रन बना लेंगे। टीम उनकी बल्लेबाजी को लेकर परेशान नहीं है। टीम के बल्लेबाजी कोच विक्रम राठौर ने पराग का बचाव करते हुए कहा है कि वह सही दिशा में प्रसास कर रहे हैं। राठौर ने कहा, उनके साथ कुछ भी गडबड़ी नहीं है। वह नेट्स में अच्छी बल्लेबाजी कर रहे हैं और कड़ी मेहनत कर रहे हैं। कभी-कभी ऐसा दौर आता है जब रन नहीं बनते, पर यह खेल का हिस्सा है। मुझे पूरा भरोसा है कि वह वापसी करेंगे और मजबूत वापसी करेंगे। इससे साफ है कि टीम प्रबंधन व्यक्तिगत प्रदर्शन से कहीं ज्यादा उनके रवैये और टीम के प्रति समर्पण को महत्व दे रहा है। टीम का मानना है कि पराग में लंबी पारी खेलनी की पूरी क्षमता है वह वह समय आने पर रन बना लेंगे। उनकी बल्लेबाजी में कोई कमी नहीं है।

# एनगिडी को समय पर अस्पताल पहुंचाने में रही 1 पूलिस अधिकारी की अहम भूमिका

नई दिल्ली

आईपीएल में दिल्ली कैपिटल्स की ओर से खेल रहे दक्षिण अफ्रीकी क्रिकेटर लुंगी एनगिडी पिछले मैच में चोटिल हो गये थे पर समय पर इलाज मिलने के कारण वह बच गये। एनगिडी की जान बचाने में दिल्ली पुलिस के एक अधिकारी एसीपी संजय सिंह की अहम भूमिका रही। पूर्व क्रिकेटर रहे संजय सिंह के कारण ही एनगिडी को समय पर अस्पतला पहुंचाया जा सका।

एक रिपोर्ट के अनुसार इस अस्पताल की दूसरे करीब 10 किमी थी जिसे तय करने में करीब एक घंटे का समय लगता है पर संजय सिंह ने अपनी सूझबूझ और असाधारण नेतृत्व क्षमता का परिचय देते हुए इस सफर को कुछ ही मिनटों में तय करा दिया। एनगिडी मैच के दौरान सिर और गर्दन में गंभीर चोट लगने के कारण मैदान पर गिर गए थे। उनकी हालत इतनी नाजुक थी कि उन्हें तुरंत अस्पताल पहुँचाना जरुरी था। ऐसे में संजय सिंह ने गूगल मैप्स के दिखाये तय रास्ते की जगह स्वयं वह छोटे रास्ते दिखाये जिससे वे केवल मात्र 11 मिनट में ही अस्पताल पहुंच गये। संजय ने भी दिल्ली की ओर से घरेलू क्रिकेट खेला है। वह जानते थे कि इस प्रकार की चोट में शीघ्र इलाज की जरुरत रहती है। यही कारण था कि मैदान पर एनगिडी के गिरते ही उन्होंने बिना समय खोये अपनी टीम और कंट्रोल रूम को सतर्क कर दिया। संजय सिंह ने कहा, मैं खेल चुका हूँ, इसलिए जानता था कि ऐसी चोट जानलेवा हो सकती है। मैंने ड्राइवर से कहा कि गूगल मैप की जगह पर इस रास्ते पर चलो। इसी कारण वे समय से अस्पताल पहुंच पाये। कोटला स्टेडियम से राजेंद्र नगर स्थित बीएलके मैक्स अस्पताल की दूरी लगभग 10 किलोमीटर है पर डीसीपी निशांत गुप्ता के मार्गदर्शन में करीब 60 पुलिसकर्मियों ने वायरलेस सेट पर तालमेल बिठाते हुए एक ऐतिहासिक ग्रीन कारिडोर को तैयार किया। इससे बिना किसी पूर्व तैयारी के केवल कुछ मिनटों में ही एनगिडी को अस्पताल पहुंचाया जा सका।

### ऋषभ बोले मुझे और टीम को ब्रेक की जरुरत

लखनऊ । लखनऊ सुपर जायंट्स का प्रदर्शन आईपीएल के इस सत्र में बेहद खराब रहा है और टीम लगातार मिली हार के बाद अंतिम स्थान पर है। टीम के कप्तान ऋषभ पंत आईपीएल इतिहास के सबसे महंगे खिलाड़ी होने के बाद भी प्रदर्शन की बात की जाये तो फलाप रहे हैं। वह न तो बल्लेबाज के तौर पर रन बना पाये हैं और न ही कप्तान के तौर पर उनकी रणनीति सफल रही है। ऐसे में अब वह दबाव के बीच ही तरोताजा होने के लिए ब्रेक मांग रहे हैं। कोलकाता नाइटराइडर्स (केकेआर) के खिलाफ मिली हार के बाद ऋषभ ने स्वीकार किया है कि उन्हें और उनकी टीम को तरोताजा होने के लिए एक ब्रेक की जरुरत है। सुपर जायंट्स टीम इस सत्र मे लगातार पांच मैच हारने के कारण अंक तालिका में सबसे निचले स्थान पर है। मैच के बाद कप्तान ने कहा, हमें वास्त में एक ब्रेक की जरुरत है। उन्होंने साथ ही कहा , हमेशा दबाव रहता है और यह हमेशा रहेगा पर हमें अपने अंदर से जवाब तलाशन होगा। हमें बिना कोई दबाव लिए आराम से खेलना चाहिये। उनक इन बातों से तय है कि टीम मानसिक रूप से थकी हुई है और उसे आत्मचिंतन की जरुरत है।

# खराब फार्म के बावजूद निकोलस पूरन पर भरोसा सही : जस्टिन लैंगर

लखनऊ

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में लगातार पांचवीं हार के बाद लखनऊ सुपर जायंट्स के मुख्य कोच जस्टिन लैंगर ने सुपर ओवर में निकोलस पूरन को भेजने के फैसले का बचाव किया है।

**कोलकाता के खिलाफ सुपर ओवर में नाकामी के बाद भी कोच ने पूरन का किया बचाव, बोले-बड़े खिलाड़ियों पर भरोसा जरूरी**

कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ मुकाबले में पूरन सुपर ओवर में सुनील नरेन का सामना करने उतरे, लेकिन पहली ही गेंद पर आउट हो गए। मैच के बाद लैंगर ने कहा, हमें पता था कि गेंदबाजी सुनील नरेन करेंगे। पूरन ने दुनिया में सबसे ज्यादा बार उनका सामना किया है, इसलिए हमें लगा कि वही सबसे बेहतर विकल्प हैं। भले ही वह इस समय फार्म में नहीं हैं, लेकिन बड़े खिलाड़ियों पर भरोसा करना पड़ता है। उन्होंने यह भी माना कि पूरन आत्मविश्वास की कमी से जूझ रहे हैं। उन्होंने कहा, वह लगातार मेहनत कर रहे हैं। यह दिखाता है कि बड़े खिलाड़ी भी इंसान होते हैं। आत्मविश्वास प्रदर्शन से ही आता है। लैंगर ने हार के लिए पिच को सही तरीके से न समझ पाने को जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने कहा कि काली मिट्टी की पिच धीमी थी और उस पर गेंद ज्यादा घूम रही थी, लेकिन टीम खुद को उसके अनुसार ढाल नहीं पाई। तेज गेंदबाज मोहसिन खान ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए पांच विकेट झटके। लैंगर ने उनकी जमकर तारीफ की और कहा कि वह जल्द ही भारत के लिए खेल सकते हैं। साथ ही मोहम्मद शमी और प्रिंस यादव के प्रदर्शन की भी सराहना की गई, लेकिन आखिरी दो ओवरों में ज्यादा रन देना टीम को भारी पड़ गया। लगातार हार के कारण लखनऊ की टीम दबाव में है। टीम प्रबंधन का मानना है कि परिस्थितियों के अनुसार बेहतर तालमेल बैठाकर ही जीत की राह पर वापसी संभव है।

### यूईएफए महिला चैम्पियंस लीग फुटबॉल

लंदन में यूईएफए महिला चैम्पियंस लीग फुटबॉल में भाग लेती हुई आर्सेनल और ओ एल लयोंस की खिलाड़ी।

# वैभव जैसी प्रतिभा एक पीढ़ी में एक बार ही किसी को मिलती है: कैफ

मुम्बई

पूर्व क्रिकेटर मोहम्मद कैफ ने राजस्थान रायल्सके युवा सलामी बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा है कि उनके जैसी प्रतिभा एक पीढ़ी में एक बार ही किसी खिलाड़ी में मिलती है। कैफ ने सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ वैभव की विस्फोटक पारी को देखते हुए ये बात कही है। वैभव ने इस मैच में केवल 37 गेंदों में ही 103 रनों की आक्रामक पारी खेली थी। जिसमें 12 छक्के और पांच चौके शामिल थे।

कैफ ने इसी पारी को देखते हुए कहा कि इतनी कम उम्र में, वैभव आईपीएल में शीर्ष गेंदबाजों पर भी आसानी से बड़े शाट लगा रहे हैं। उन्होंने वैभव के निडर होकर खेलने के तरीके को विशेष रुप से पसंद किया है। साथ ही कहा कि इस बल्लेबाज ने जिस प्रकार से प्रफुल हिंगे पर लगातार चार छक्के लगाये। वह भी साबित करता है कि वैभव दबाव में नहीं आते जबकि पिछले मैच में हिंगे ने पहली ही गेंद पर उन्हे आउट कर दिया था। कैफ के अनुसार जिस प्रकार से वैभव ने पैट कमिंस जैसे विश्व स्तरीय गेंदबाज को निशाना बनाया है वह भी बड़ी बात है। इससे पहले के मुकाबालों में उन्होंने जसप्रीत बुमराह और जोफ्रा आर्चर की भी पिटाई की थी।

कैफ का मानन है कि वैभव एक निडर क्रिकेटर हैं जो आईपीएल में ऐसे खेल रहे हैं, जैसे वह किसी गली क्रिकेट में खेल रहे हों। पूर्व भारतीय क्रिकेटर ने सूर्यवंशी के मानसिक रवैये को भी सराहा। उन्होंने कहा, दो सत्र में दो शतक और दोनों ही 250 से ज़्यादा के स्ट्राइक रेट से उनकी मानसिक मजबूती को दिखता है।उन्हें इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ता कि गेंदबाज कौन है या मैच की स्थिति क्या है। वह बस लगातार आक्रमण करते रहते हैं। कैफ ने कहा , वह एक ऐसे अनुभवी खिलाड़ी की तरह बल्लेबाजी करता है, जैसे की उसने एक दशक तक अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेला हो। गेंद की लेंथ को जल्दी पहचानने की उसकी योग्यता, क्रीज पर उसका संतुलन और उसकी जबरदस्त ताकत ये सभी विश्व-स्तर के हैं।

# ईशान बोले टीम से बाहर होने पर हिम्मत नहीं हारी , वापसी के लिए प्रयास किया

मुम्बई

आईपीएल में शानदार बल्लेबाजी कर रहे सनराइजर्स हैदराबाद के विकेटकीपर बल्लेबाज ईशान किशन ने कहा है कि जब उन्हें साल 2024 में राष्ट्रीय टीम से बाहर कर दिया गया था। तब भी उन्होंने हिम्मत नहीं हारी थी और वह लगातार अभ्यास करते रहे। ऐसे में टीम से करीब दो साल तक बाहर रहने के बाद भी वह वापसी में सफल रहे। ईशान के अनुसार टीम से बाहर रहने के दौरान उन्होंने हताश होने की जगह पर अपने खेल को बेहतर बनाने और निरंतरता हासिल करने पर ध्यान दिया। इसी प्रतिबद्धता के बल पर उन्होंने इस साल न्यूजीलैंड के खिलाफ टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला और आगामी टी20 विश्व कप के लिए भारतीय टीम में अपनी जगह मिली।

किशन ने अपनी वापसी का श्रेय घरेलू सत्र में शानदार प्रदर्शन को दिया, जहां उन्होंने सैयद मुश्ताक अली ट्राफी में 500 से अधिक रन बनाए और अपनी कप्तानी में झारखंड को प्रतियोगिता का खिताब भी जिताया। उन्होंने कहा, जब मैं भारतीय टीम से बाहर था, तो मैंने खुद से कहा कि मैं इसको लेकर रोना नहीं रो सकता या उदास नहीं हो सकता। किसी भी खिलाड़ी के लिए ऐसा करना सबसे आसान होता है। इससे शायद कुछ लोगों की सहानुभूति मिल जाए, शायद आपको अच्छा भी लगे, लेकिन इससे कुछ हासिल नहीं होगा।

उन्होंने आगे जोर दिया, राष्ट्रीय टीम में वापसी करने का एकमात्र तरीका रन बनाना था। मैं बस अपने खेल में सुधार करना चाहता था और जितना हो सके उतने रन बनाना चाहता था, भले ही इसका मतलब किसी भी अन्य बल्लेबाज से ज्यादा छक्के लगाना हो। किशन ने बताया कि राष्ट्रीय टीम से बाहर रहने के दौरान खेल के प्रति उनकी प्रतिबद्धता और भी बढ़ गई। इसी लगन ने उन्हें घरेलू क्रिकेट में लगातार ढेरों रन बनाने के लिए प्रेरित किया।

उन्होंने कहा, लगातार रन बनाने से ही आप टीम में वापसी कर सकते हैं। यदि एक सत्र में 300 रन काफी नहीं हैं तो 400 रन बनाएं। अगर यह भी काफी नहीं है तो 500 रन बनाएं। आखिर क्रिकेट ही हमारी आजीविका का साधन है। विकेटकीपर बल्लेबाज ने अपनी मानसिकता साझा करते हुए कहा, जब आप टीम से बाहर होते हैं तो आपको इसकी अहमियत समझ आती है और आप हर मैच का सम्मान करने लगते हैं। आपके अंदर अच्छा प्रदर्शन करने और जीत हासिल करने की ललक जाग उठती है।

### स्पैनिश फुटबाल में बवाल! गोलकीपर ने विरोधी खिलाड़ी के मुंह पर मारा मुक्का, मैदान में जमकर चले लात-घूंसे

**नई दिल्ली।** स्पेन की सेगुंडा डिविजन में रियल जारगोजा और एसडी ह्यूएस्का के बीच खेले गए मुकाबले में उस समय बड़ा बवाल मच गया जब गोलकीपर एस्तेबान आंद्रादा ने विरोधी खिलाड़ी को मुक्का मार दिया। यह मैच पहले से ही रेलेगेशन की लड़ाई के कारण तनावपूर्ण था। रेड कार्ड के बाद बढ़ा विवाद मैच के इंजरी टाइम में आंद्रादा को दूसरे पीले कार्ड के कारण रेड कार्ड दिखाया गया। उन्होंने ह्यूएस्का के एक खिलाड़ी को धक्का दिया था, जिसके बाद रेफरी ने उन्हें मैदान से बाहर भेज दिया। लेकिन इसके बाद मामला और बिगड़ गया। रेड कार्ड मिलने के कुछ ही पलों बाद आंद्रादा ने दौड़कर जार्जे पुलिदो के चेहरे पर मुक्का जड़ दिया। मैदान पर मारपीट, कई खिलाड़ी बाहर घटना के बाद दोनों टीमों के खिलाड़ियों के बीच हाथापाई शुरू हो गई और मैदान पूरी तरह से जंग का मैदान बन गया। इस दौरान दानी जिमिनेज और दानी तासेंदे को भी रेड कार्ड दिखाया गया। अरागोनीज डर्बी के नाम से मशहूर इस मुकाबले में खिलाड़ियों का गुस्सा साफ दिखाई दिया। मैच का नतीजा भी छूटा पीछे इस पूरे विवाद के बीच मैच का नतीजा कहीं पीछे छूट गया। आस्कर सिएल्वा के पेनल्टी गोल की बदौलत ह्यूएस्का ने 1-0 से जीत दर्ज की। इस जीत के साथ उन्होंने पाइंट्स टेबल में जरागोजा को पीछे छोड़ दिया, हालांकि दोनों टीमें अभी भी रेलेगेशन जोन में हैं। आंद्रादा ने मांगी माफी मैच के बाद आंद्रादा ने अपनी गलती स्वीकार करते हुए कहा, मैं अपना ध्यान खो बैठा था और जो हुआ वह नहीं होना चाहिए था। मैं इसके लिए माफी मांगता हूं और जो भी सजा मिलेगी, उसे स्वीकार करूंगा।

## सेहत के लिए काफी फायदेमंद है करेले का जूस

करेले में कई औषधीय गुण होते हैं, जिसकी वजह से परंपरागत चिकित्सा और आयुर्वेद में इसका काफी इस्तेमाल होता है। हालांकि टेस्ट में कड़वा होने के कारण कई लोगों को ये पसंद नहीं होता, लेकिन करेले का जूस रोज पीने से आप कई स्वास्थ्य समस्याओं से बच सकते हैं। ब्लड शुगर लेवल कम करे झ तीन दिन में एक बार सुबह खाली पेट करेले का जूस पियें, इससे ब्लड ग्लूकोज लेवल कंट्रोल में रहता है। इस जूस में मोमोर्सिडिन और केरेटिन नाम के दो एंटी-हाइपरग्लाइसेमिक तत्व होते हैं, जो ब्लड शुगर लेवल को मसल्स तक पहुंचाते हैं। भूख बढ़ाए झ अगर आपको कम भूख लगती है तो मुमकिन है कि आपके शरीर में पोषक तत्वों की कमी रहे, और आपको कई स्वास्थ्य समस्याएं हो जाएं। ऐसे में एक ग्लास करेले का जूस पीने से पाचन तंत्र के रस का स्राव होने लगता है, जिससे भूख खुद ब खुद बढ़ जाती है। इसके अलावा करेले के जूस कई अनगिनत फायदे हैं।

## फिनलैंड में हैं सबसे कम मरीज

यह छोटा सा और बिना शोर शराबे से धड़कने वाला दिल आखिर इतने बड़े 'अटैक' का शिकार क्यों हो जाता है। भारत में जहां दिल के रोगी सबसे ज्यादा हैं, वहां फिनलैंड एक ऐसा देश है जहां दिल के मरीज सबसे कम हैं। इस संबंध में वहां जब रिसर्च की गई तो इसकी प्रमुख वजह वहां के लोगों के संतुलित खान-पान के तौर पर देखने को मिली। लोगों को भोजन में सावधानी बरतने की जरूरत है।

# कान छिदवाने के अनेक फायदे

**हिन्दूधर्म** ही विश्व का एकमात्र ऐसा धर्म है जिसकी परंपराएं विज्ञान पर आधारित है। कान छिदवाना सिर्फ परंपरा नहीं हैं बल्कि इसके पीछे वैज्ञानिक कारण भी जुड़े हैं, आइए कान छिदवाने से जुड़े वैज्ञानिक कारणों के बारे में जानते हैं।

### मानसिक क्षमता में वृद्धि

वैज्ञानिक दृष्टि के अनुसार कान छिदवाने से व्यक्ति के ब्रेन में ब्लड सर्कुलेशन सही प्रकार से होता है। और ब्रेन में ब्लड का सही तरह से सर्कुलेशन होने से आपकी बौद्धिक योग्यता बढती है। इसीलिए पहले के समय में गुरुकुल में जाने वाले हर विद्यार्थी को कान में छेद करना पड़ता था, जिससे उसकी दिमागी क्षमता में वृद्धि होती थी और विद्यार्थी बेहतर ज्ञान की प्राप्ति करता था।

### सही रखें प्रजनन क्षमता

कान में छेद करवाना महिलाओं और पुरुष दोनों के लिए फायदेमंद होता है। क्योंकि कान के बीच की सबसे खास जगह जिसे प्रजनन के लिए जिम्मेदार माना जाता है, न केवल पुरुषों के लिए फायदेमंद होता है, बल्कि महिलाओं की अनियमित पीरियड्स की समस्या को भी दूर करता है।

### पुरुषों के लिए फायदेमंद

ये भी माना जाता है कि कान छिदवाने से व्यक्ति को लकवे की शिकायत कभी नहीं होती, साथ ही ये पुरुषो के अंडकोष को और वीर्य को संचित करने में भी लाभदायक होता है। कान छिदवाने से कई प्रकार के इन्फेक्शन, हाइड्रोसील और पुरुषों में ज्यादातर देखी जाने वाली हर्निया की समस्या भी दूर होती है। इसके अलावा व्यक्ति के चेहरे पर चमक और कान्ति आती है और व्यक्ति के रूप में निखार आता है।

### आंखों के लिए अच्छा

कान में छेद करवाना आपकी दृष्टि में सुधार करने में मदद करता है। एक्यूपंक्चर के अनुसार, कान के बीच के केंद्रीय बिंदु का संबंध आंखों की रोशनी से होता है। एक्यूपंक्चर में इसी जोड़ पर दबाव डाला जाता है, जिससे आंखों की रोशनी सही रहती है।

### कान रखता है स्वस्थ

कान का छेद वाले हिस्से पर दो बहुत जरूरी एक्यूप्रेशर प्वाइंट्स मौजूद होते हैं, मास्टर सेंसोरियल और दूसरा मास्टर सेरेब्रल। यह प्वाइंट सुनने की क्षमता को सही बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। एक्यूप्रेशर एक्सपर्ट के अनुसार टिनिटस के लक्षणों से राहत पाने के लिए भी कान छिदवाना बहुत अच्छा रहता है।

### पाचन तंत्र को रखता है दुरुस्त

कान छिदवाने का एक बड़ा कारण पाचन तंत्र को दुरुस्त रखना भी है, क्योंकि इस प्वाइंट पर उत्तेजना से पाचन प्रणाली को स्वस्थ बनाए रखने में मदद मिलती है। विशेष रूप से यह प्वाइंट हंगर प्वाइंट का (एक्यूप्रेशर में कहा जाता है) केन्द्र है। हंगर प्वाइंट मानव की पाचन तंत्र की कार्यप्रणाली पर नजर रखने और मोटापे की संभावना को कम करने में मदद करता है।

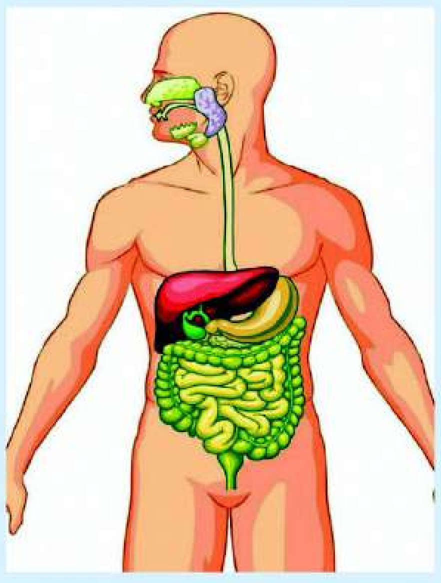

### कान छिदवाने से जुड़े वैज्ञानिक कारण

कान छिदवाने की परंपरा भारत में काफी पुरानी है। इसके पीछे कई सारी मान्यताएं और रीति-रिवाज हैं, लेकिन अब इंडिया में ही नहीं और भी कई देशों में भी लोग कान छिदवा रहे हैं। महिलाएं तो कान छिदवाती थी लेकिन अब फैशन के चक्कर में पुरुष भी इसे अपनाने लगे हैं। कान छिदवाने के पीछे हर किसी के अपने विचार है, कुछ लोग कुछ मानते है कि ये एक्युपंचर का विशेष बिंदु होता है जिसका इस्तेमाल उपचार के महत्व से किया जाता है, वहीं कुछ का मानना हैं कि लोग सिर्फ सौंदर्य कि दृष्टि से ही कानों को छिदवाते है। लेकिन यह सिर्फ परंपरा नहीं हैं बल्कि इसके पीछे वैज्ञानिक कारण भी जुड़े हैं।

# हर कदम पर जरूरी है सावधानी

एचआईवी यानी ह्यूमन इम्यूनोडीफिशिएंसी वायरस और एड्स यानी एक्वायर्ड इम्यूनोडीफिसिएंसी सिंड्रोम। एचआईवी वह वायरस है, जो एड्स के लिए जिम्मेदार है। यह वायरस शरीर की कुछ खास कोशिकाओं पर हमला करके बॉडी के इम्यून सिस्टम को नुकसान पहुंचाकर उसे कमजोर बना देता है। परिणामतः व्यक्ति एड्स और सेक्स संबंधी कई बीमारियों की चपेट में आ जाता है। जब एचआईवी की वजह से किसी व्यक्ति का इम्यून सिस्टम इस कदर कमजोर हो चुका होता है कि उस कमजोरी का फायदा उठाकर उसके शरीर में 25 अलग-अलग तरह के इन्फेक्शन डिवेलप हो जाते हैं, तब एचआईवी पॉजिटिव व्यक्ति के अंदर एड्स पूरी तरह से डिवेलप हो चुका होता है। ऐसे में एड्स की जांच करवाना अनिवार्य हो जाता है। इस स्थिति में शरीर में एचआईवी वायरस की संख्या नियत लेवल से बढ़ती है।

### इनसे नहीं फैलता एड्स

एड्स गले लगने, छूने, छींकने, साथ-साथ खेलने, एक ही बर्तन में खाने या बाथरूम या स्विमिंग पूल शेयर करने से नहीं फैलता। मच्छर के काटने से भी इसके फैलने का खतरा नहीं रहता।

### टेस्ट पॉजिटिव होने पर

यदि टेस्ट एचआईवी पॉजिटिव बताता है तो रोगी अपनी मदद के लिए मेडिकल हेल्प ले सकते हैं। साथ ही एचआईवी की वजह से होने वाली कई बीमारियों से बच सकते हैं, लेकिन यह सब तभी संभव है जब एचआईवी टेस्ट करवाएं।

जांच में एचआईवी पॉजिटिव होने की जानकारी मिलने के बाद ही रोगी मेडिकल केयर, काउंसलिंग और जरूरत पड़ने पर सबका सहयोग भी पा सकता है।

### ध्यान रखें

- कोई अपना जिस पर आपको पूरा यकीन हो, उसे बताना क्योंकि परिवार वालों और दोस्तों का सहयोग काफी मायने रखता है।
- रिजल्ट जानने के लिए कोई खास समय निश्चित करें। इसे टालें नहीं क्योंकि टेस्ट रिजल्ट फायदा तभी पहुंचाता है जबकि जल्द से जल्द इसे जान लें।

### एचआईवी टेस्ट के स्टेप्स

**डॉक्टर के ऑफिस या फिर क्लीनिक जाएं** - नर्स या काउंसलर टेस्ट के बारे में बता सकता है। रोगी सवाल कर सकता है और अपने डर को दूर कर सकता है।

**एचआईवी से जुड़े टेस्ट ब्लड में कर लिए जाएं**- यदि पहला टेस्ट, जिसे एलीसा कहा जाता है, पॉजिटिव आता है (यह एचआईवी पॉजिटिव की निशानी है) तो एक बार फिर से ब्लड चेक होगा। यदि दूसरी बार भी ब्लड टेस्ट रिजल्ट पॉजिटिव आता है, जो कि वेस्टर्न ब्लॉट कहलाता है, तो वह एड्स है। यह रिजल्ट फिर से क्लीनिक पहुंचता है- इसके बाद नर्स या काउंसलर बताएंगे कि क्या करना है।

### पूरी तरह कारगर नहीं दवाएं

एचआईवी से बचाव के लिए अब तक न तो कोई वैक्सीन निकाला जा सका है और न ही अन्य कोई उपाय। हालांकि 'एंटीरेट्रो वायरल्स' जैसी कुछ दवाएं जरूर तैयार की गई हैं जिनसे एचआईवी या सेक्स से जुड़ी अन्य बीमारियों से पीड़ित मरीजों को कुछ और दिन जीने का मौका दिया जा सकता है। हालांकि ये दवाएं महंगी हैं।

### इलाज के बजाय बचाव

वक्त बदल चुका है। एड्स के मरीजों को अब पहले की तरह घबराने की जरूरत नहीं है क्योंकि अब इसे कंट्रोल करने के लिए दवाएं उपलब्ध हैं। डॉक्टर के अनुसार बेहतर होगा कि एचआईवी एड्स की चपेट में आने संबंधी सुरक्षा बरती जाए, लेकिन इसके बावजूद यदि इसकी चपेट में कोई आ जाता है तो उसे घबराने की जरूरत नहीं है।

जल्द से जल्द सभी जरूरी जांच कराएं और दवाएं शुरू कर दें। खासतौर से ध्यान रखें कि नियमित रूप से जीवन भर एचआईवी एड्स की दवाएं लेते रहें। इसमें कोताही बिल्कुल भी न बरतें। डॉक्टर अनुसार यूं तो दुनिया भर में कई तरह से इसकी जांच की जाने लगी है, लेकिन हमारे देश में अभी ब्लड टेस्ट का ही मुख्य रूप से उपयोग किया जा रहा है।

### एचआईवी टेस्ट है जरूरी

कोई एचआईवी ग्रस्त है या नहीं, जानने का एकमात्र तरीका टेस्ट ही है। खून में मौजूद सीडी4 की संख्या जब 350 से कम हो जाती है तो इसकी जांच कर ली जानी चाहिए। डॉक्टर के अनुसार जितना जरूरी एचआईवी टेस्ट करवाना जरूरी है, उतनी ही जरूरी उससे पहले की काउंसलिंग है। इसके अभाव में मरीज को इस टेस्ट के लिए तैयार करना या फिर इसका रिजल्ट बताना सही नहीं माना जा सकता।

डॉक्टर कहते हैं कि एड्स होने पर घबराएं नहीं, डॉक्टर की हर सलाह पर अमल करें। कुछ बातों का ध्यान रखा जाए तो इससे होने वाले नुकसान से बचा जा सकता है। आज देश के तकरीबन 300 अस्पतालों और सरकारी संस्थानों में यह जांच मुफ्त में की जा रही है और एचआईवी पॉजिटिव पाए जाने पर मरीजों को इलाज और दवाएं मुफ्त बांटी जा रही हैं।

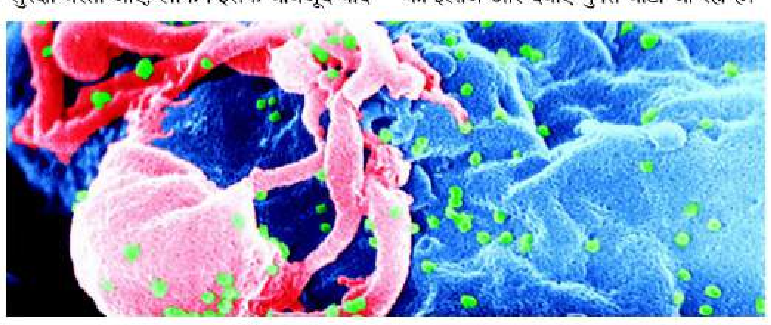

### जरूरी है एचआईवी टेस्ट

कोई व्यक्ति एचआईवी ग्रस्त है या नहीं, इसे जानने का एकमात्र तरीका एचआईवी परीक्षण ही है। पूरी तरह से स्वस्थ नजर आने वाला व्यक्ति भी एचआईवी ग्रस्त हो सकता है।

### एचआईवी टेस्ट जरूर करवाएं चाहिए

- किसी ऐसे व्यक्ति के साथ असुरक्षित यौन संबंध बनाना, जिसके बारे में निश्चित नहीं कि वह एचआईवी एड्स का शिकार है या नहीं।
- यह पता होना कि जिस व्यक्ति के साथ शारीरिक संबंध बनाए गए हैं वह एचआईवी ग्रसित है।
- पहले कभी दोनों में से कोई भी सेक्स से जुड़ी किसी बीमारी के शिकार रहे हों तो भी एचआईवी का खतरा हो सकता है।
- एक से ज्यादा व्यक्तियों से सेक्स संबंध या फिर किसी ऐसे व्यक्ति के साथ संबंध जिसका संबंध पहले कई व्यक्तियों से रहा हो।
- किसी ऐसे व्यक्ति के साथ फिजिकल रिलेशन, जो दवाएं लेने के लिए सुई का इस्तेमाल करता हो या फिर उसने दवाएं लेने के लिए कभी किसी अन्य की इस्तेमालशुदा की सिरिंज इस्तेमाल की हो।
- इनमें से किसी भी सवाल का जवाब 'हां' है तो एचआईवी एड्स का टेस्ट जरूर करवा लेना चाहिए।

### हाई न्यूट्रीशनल डाइट जरूरी

एड्स के मरीजों के लिए मिल्क शेक, मैंगो शेक, बनाना शेक जैसी हाई कैलोरी और अंडा, दालें, पीनट्स, बटर, मीट, मछली, दूध जैसी हाई प्रोटीन न्यूट्रीशनल फूड्स दी जाती है।

- एड्स के वैसे मरीज, जिन्हें भूख नहीं लगती, उन्हें हाई फैट वाली फैटी या फ्राइड चीजें खाने में न दें।
- जिन मरीजों को दस्त की शिकायत रहती है, उन्हें सॉल्युबल फाइबर दे सकते हैं। आलू, केला, फ्रूट जूस, नारियल पानी, इलैक्ट्रोलाइट वगैरह उनके लिए बेहतर डाइट कहा जाता है।

जरूरी यह है कि एचआईवी के जिन मरीजों की दवाएं शुरू कर दी गई हों, उन्हें एक ही बार में पूरी डाइट न दें, बल्कि उन्हें कई बार थोड़ा-थोड़ा करके तरल पदार्थ या खाने को दें।

### एचआईवी और सेक्स से जुड़ी अन्य बीमारियों के बीच संबंध

- सेक्स से जुड़ी अन्य बीमारियों से ग्रस्त लोगों के लिए एचआईवी का खतरा कई गुना बढ़ जाता है। वैजिनल, एनल या ओरल सेक्स से भी यह खतरा बना रहता है। इनसे बचने के लिए कंडोम या अन्य सावधानियां बरतना जरूरी है।
- केवल अपने पार्टनर पर भरोसा करके ही एचआईवी से सुरक्षित नहीं रहा जा सकता। एचआईवी से बचने के लिए इसके कारणों के साथ-साथ इसके बढ़ने की वजहों के बारे में विस्तार से जानें और उसे अमल में लाएं।
- अपने पार्टनर के अलावा किसी से भी सेक्स संबंध न बनाएं। इस बात का भी ध्यान रखें कि आपका पार्टनर एचआईवी पॉजिटिव न हो।
- असुरक्षित यौन संबंध और जहां-तहां ब्लड टेस्ट करवाने से बचें। इस्तेमालशुदा सुई दोबारा काम में न लाएं।

## एक साल में महिलाएं 47 तो पुरुष रोते हैं 7 बार

# रोने के फायदे..नहीं होता ब्लड प्रेशर

हंसने के लिए हम कई तरह के फंडे अपनाते हैं और इसको लेकर कई एक्सरसाइज भ्झी की जाती हैं। कहा जाता है कि हंसने से लंबी उम्र होती है, लेकिन क्या आपको पता है कि रोने से भी ऐसे ही कई फायदे हैं।

एक शोध में इसका खुलासा हुआ है। रिसर्च में माना गया है कि रोने से हार्ट और ब्लड प्रेशर, कॉर्डियो जैसी खतरनाक बीमारियों की संभावना काफी कम होती है। इसे लेकर कुछ लोगों पर सर्वे भी किया जा चुका है।

## आंसू बहाना आंखों की सेहत के लिए जरूरी

रोना आंखों के लिए भी बहुत फायदेमंद है। आंसू निकलने के बाद हमे साफ देखने में मदद मिलती है। दरअसल आंसू आइबॉल और पलकों को ल्यूब्रिकेट करते हैं और म्यूकस झल्लि को सूखने से बचाते हैं।

इतना ही नहीं रोने से किसी भी इंसान का मैगनीज लेवल कम हो जाता है। क्योंकि अगर यह हाई होगा तो चिंता, घबराहट, चिड़चिड़ापन, थकान, मेंटल डिसबैलेंस जैसी प्रॉब्लम्स पैदा हो जाती हैं।

### मरते हैं बैक्टीरिया

आंसू एंटी बैक्टीरियल और एंटी वाइरल एजेंट की तरह काम करते हैं। इनमें लाइसोजाइम द्रव पाया जाता है और 90 से 95 प्रतिशत बैक्टीरिया को केवल 5 से 10 मिनट में ही मारने की शक्ति रखता है।

### दूर होगी निराशा और चिंता

आंसू चिंता और निराशा को बाहर निकालते हैं। रोने से मन की सफाई हो जाती है। इसके अलावा आंसू स्ट्रेस की वजह से शरीर से निकलने वाले केमिकल को दूर कर देते हैं। आंसू को रोकने से ब्लडप्रेशर, अल्सर और हार्ट का खतरा बढ़ता है।

### रोने से कम हो जाता है गुस्सा

- एक शोध के मुताबिक करीब प्रतिशत महिलाओं और 73 प्रतिशत पुरुषों का गुस्सा रोने के बाद कम हुआ ।
- आंकड़ों के मुताबिक महिलाएं एक साल में 47 बार रोती हैं, वहीं पुरुष 7 बार।
- औसत रोने का समय 6 मिनट तक था शोध में ।
- शाम के 7 बजे से 10 बजे तक लोग सबसे ज्यादा रोते हैं।

# 1 माह पहले वार्निंग देने लगता है हार्ट अटैक

*दुनिया में ज्यादातर लोगों की मौत की वजह हार्ट अटैक होती है। कुछ मरीजों को तो हार्ट अटैक के बारे में पता ही नहीं चलता, लेकिन थोड़ी एहतियात बरती जाएं तो दिल के दौरे को टाला जा सकता है। हार्ट अटैक के लक्षण 1 महीने पहले दिखने लग जाते हैं। खासतौर पर बॉडी में जब यह 6 लक्षण नजर आएं तो जरा सावधान रहिए, क्योंकि यह हार्ट अटैक का यह संकेत हो सकते हैं।*

## बॉडी में ये 6 लक्षण दिखें तो रहें जरा सावधान

### ज्यादा थकान हो तो संभलें

बिना किसी वर्क आउट के थकान होना हार्ट अटैक की दस्तक हो सकती है। दिल को ज्यादा मेहनत की जरूरत तब होती है, जब हृदय धमनियां कोलेस्ट्राल के कारण बंद हो जाती है। अच्छी नींद के बाद आलस और थकान का अनुभव हो और दिन में भी नींद आए तो खतरा है।

### सीने में जलन तो रहें सतर्क

सीने में दर्द हार्ट अटैक का शिकार बना सकता है। सीने में दबाव या जलन हो तो तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें।

### सर्दी का बना रहना टेंशन

लंबे समय तक सर्दी बना रहना भी दिल के दौरे की ओर इशारा करता है। सर्दी में कफ के साथ सफेद या गुलाबी रंग का बलगम, फेफड़ों में स्रावित रक्त के कारण हो सकता है।

### चक्कर आना भी गंभीर

दिल कमजोर होने से खून का संचार सही से नही होता है। ऐसे में दिमाग को आक्सीजन नहीं मिल पाती जिससे चक्कर आने लगते हैं। यह हार्ट अटैक के लिए जिम्मेदार एक गंभीर लक्षण है, जिस पर ध्यान देना चाहिए।

### पैरों में सूजन तो है खतरा

दिल को शरीर के अंगों में रक्त पहुंचाने अधिक मेहनत करनी पड़ती है, जिससे शिराएं फूलती हैं और उनमें सूजन आती है। इसका असर पैर के पंजे, टखने और अन्य हिस्से में में नजर आता है। होंठों की सतह का रंग नीला हो जाता है। यह लक्षण दिखें तो डॉक्टर से मिलें।

रेसिपी

# गट्टे की कढ़ी

### सामग्री-गट्टों के लिए

- 1 प्याला बेसन
- 1/4 छोटा चम्मच नमक
- 2 चुटकी हींग
- 1/4 छोटा चम्मच अजवाइन
- 2 चुटकी हल्दी
- 2 बड़े चम्मच दही
- 1/2 छोटा चम्मच पिसा धनिया
- 1 छोटा चम्मच अदरक और हरी मिर्च पिसी हुई
- 2 बड़े चम्मच पानी बेसन गूथने के लिए
- 1 छोटा चम्मच तेल बेसन गूथने के लिए
- 1 बड़ा चम्मच तेल गट्टे भूनने के लिए

### सामग्री-झोल के लिए

- 1 बड़ा चम्मच बेसन
- 1 प्याला खट्टा दही
- 1/2 छोटा चम्मच हल्दी पाउडर
- नमक स्वादानुसार
- 1/2 छोटा चम्मच लाल मिर्च पाउडर
- 1/2 छोटा चम्मच जीरा
- 1 बड़ा चम्मच तेल/ घी
- 1/2 छोटा चम्मच राई/ सरसों (वैकल्पिक)
- 2 चुटकी हींग
- 1/4 छोटा चम्मच गरम मसाला
- 1 प्याला पानी

### गट्टे बनाने की विधि

बेसन को छान लें। पानी को छोड़कर बाकी सभी सामग्री इसमें डालें और अच्छी तरह मिलाएं। थोड़ा-थोड़ा पानी डालते हुए कड़ा आटा गूंथ लें। इस आटे को गीले कपड़े से ढककर 5-10 मिनट के लिए रख दें। आटे को चार हिस्सों में बांटें। हाथ में दो बूंद तेल लगाकर एक हिस्से को हथेलियों के बीच में चिकना करें, और लगभग 4 इंच लंबा और 3/4 इंच गोल बेलन जैसा आकार बनाएं। इसी प्रकार बाकी बचे हुए तीन हिस्सों के भी बनाएं। एक बर्तन में लगभग डेढ़-दो प्याला पानी गरम करें। जब पानी उबलने लगे तो इसमें गट्टों के बेलनाकार टुकड़े डालें और मध्यम आंच पर 8-10 मिनट तक उबालें। उबले हुए गट्टों को पानी से बाहर निकाल लें और पानी को झोल में डालने के लिए अलग रखें। गट्टों के इन टुकड़ों को ठंडा होने दें, फिर इन्हें छोटे छोटे टुकड़ों में काट लें। एक कड़ाही में एक बड़ा चम्मच तेल गरम करें। गट्टों को मध्यम आंच पर सुनहरा होने तक भूनें।

### झोल बनाने की विधि

एक कटोरे में बेसन को छान लें। अब इसमें नमक, लाल मिर्च पाउडर, हल्दी पाउडर डालें और थोड़ा थोड़ा पानी डालते हुए मिलाते जाएं। ध्यान रखें कि घोल में बेसन की गुठली ना पड़ने पाए। खट्टे दही को अच्छे से फेटें। दही को बेसन में मिलाएं। एक कड़ाही में मध्यम आंच पर तेल गरम करे। इसमें जीरा और राई डालें। जब मसाले अच्छे से तड़क जाएं तो हींग और खड़ी लाल मिर्च डालें। मिर्च भुन जाए तो बेसन का घोल और खट्टे दही का घोल डालें। एक उबाल आने तक चलाते रहें, ताकि गुठलियां न पड़ें। उबाल के बाद आंच को धीमा कर दें और कढ़ी को 4-5 मिनट के लिए पकने दें। अगर लगे कि कढ़ी बहुत गाढ़ी है तो थोड़ा और पानी मिलाएं, और फिर पकाएं। कढ़ी में गट्टों को डालें और अच्छी तरह मिलाएं। गट्टों को 3-4 मिनट तक कढ़ी में पकाएं। गरम मसाला डालें, मिलाएं और आंच बंद कर दें। रोटी या चावल के साथ गरम परोसें।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
**संपादक : राकेश शर्मा,** मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : प्रदीप शील ● सहयोगी संपादक : रवि शंकर चौधरी ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**